CMYK

दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

n वर्ष : 10 अंक : 299 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, सोमवार 24 नवम्बर, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 मूल्य : 1.50 रुपए पृष्ठ : 8+st

1 दिसंबर से प्रदेश भाजपा कार्यालय में सजेगा मंत्रियों का दरबार: होगी जनसुनवाई

सप्ताह के शुरू के तीन दिन राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य बारी-बारी से रोजाना जनसुनवाई कार्यक्रम का करेंगे आयोजन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। प्रदेश भाजपा कार्यालय में आगामी 1 दिसंबर से भजनलाल सरकार के सभी मंत्री सप्ताह के शुरू के तीन दिन सोमवार मंगलवार और बुधवार को बाकायदा मंत्री दरबार का आयोजन करके प्रदेश भर से आए आम जनों की समस्याओं का निवारण करेंगे। इस तरह की व्यवस्था पहले भी प्रदेश भाजपा कार्यालय में लागू की गई थी और अब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने फिर से इस व्यवस्था को लागू करने के लिए अपनी गंभीरता दिखाई है जिसके फलस्वरूप 1 दिसंबर से राजस्थान सरकार के मंत्री बारी-बारी से सप्ताह के शुरू के तीन दिन में प्रदेश भाजपा कार्यालय में अपनी उपस्थिति दिखाकर प्रदेश भर से आने वाले लोगों की समस्याओं का समाधान करेंगे। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सत्ता और संगठन में बेहतर तालमेल और सामंजस्य स्थापित करने के लिए शुरू से ही काफी गंभीर रहे हैं क्योंकि शर्मा खुद करीब 20 साल तक प्रदेश भाजपा में महामंत्री के पद पर रहे इसलिए वे यह जानते हैं कि पार्टी के संगठन से जुड़े छोटे-बड़े नेताओं की मेहनत के बदौलत ही पार्टी की सरकार का गठन होता है। इसलिए पार्टी के संगठन से जुड़े नेताओं में विश्वास बनाए रखने और उनके हौसले को और मजबूत बनाने की दिशा में प्रदेश भाजपा कार्यालय में मंत्रियों को बैठकर शिकायतों का निवारण करने के निर्देश मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिए हैं। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री शर्मा ने राज्य मंत्रिमंडल के सदस्यों से गंभीरता से निर्देश दिए हैं कि प्रदेश भाजपा में आयोजित किए जाने वाले जनसुनवाई कार्यक्रम को गंभीरता से लिया जाए और इस कार्यक्रम में आने वाले सभी आमजन की शिकायतों के निवारण के लिए सरकारी स्तर पर हर संभव प्रयास किया जाए मुख्यमंत्री शर्मा ने मंत्रियों से कहा है कि इस कार्यक्रम को सिर्फ औपचारिक कार्यक्रम नहीं माना जाए बल्कि जनसुनवाई कार्यक्रम में शिकायत लेकर आने वाले प्रत्येक व्यक्ति और पार्टी के कार्यकर्ता की पीड़ा को दूर किया जाए मुख्यमंत्री शर्मा ने मंत्रियों से कहा है कि चाहे वे कितना ही व्यस्त क्यों ना हो इस कार्यक्रम में आने वाली सभी समस्याओं का बाकायदा विभाग वार संकलन करें और उनका पूरा बायोडाटा रखें कितनी शिकायतें आई कितनी शिकायतें दूर हुई कितनी शिकायत है पेंडिंग पड़ी है कितनी शिकायत किस कारण की वजह से पूरी नहीं हो पाई। इन सब का पूरा विवरण रखें और पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ जनसुनवाई कार्यक्रम में अपने व्यवहार को भी पूरी तरह से शालीनता रखें यह तमाम तरह की बातें उन्होंने अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों से कही है।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी प्रदेश भाजपा कार्यालय में मंत्रियों की ओर से जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया जाता रहा है लेकिन इस बार कार्यक्रम को लेकर मुख्यमंत्री लाल शर्मा काफी गंभीर और अलग मोड पर नजर आ रहे हैं क्योंकि आने वाले दिनों में प्रदेश में पंचायत राज और नगर निकाय के चुनाव आयोजित होने वाले हैं। इन चुनाव में निचले स्तर पर संगठन का काम देख रहे पार्टी जनों की भूमिका काफी बड़ी रहेगी निचले स्तर पर पार्टी के संगठन से जुड़े नेता ही ज्यादातर फील्ड में रहते हैं उनका ही लोगों से ज्यादा मिलना जुलना रहता है। लोग उन्हें ही पहले सबसे ज्यादा अपनी शिकायत बताते हैं इस अवस्था में निचले स्तर पर बैठे पार्टी जनों की पीड़ा को दूर करना भजनलाल सरकार ने प्राथमिकता से लिया है ताकि पार्टी जनों को लोगों के बीच जाने में किसी भी तरह की कोई घबराहट नहीं हो क्योंकि पार्टी के कार्यकर्ता मंत्रियों की इस जनसुनवाई के कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा कार्यालय में उन्हें समस्याओं को लेकर आएंगे जो लोग उन्हें बताते हैं इसलिए मुख्यमंत्री शर्मा ने प्रत्येक समस्या का निस्तारण करने के लिए साफ निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री शर्मा की इस पहल से भाजपा के संगठन से जुड़े नेताओं में आएगा नया जोश

प्रदेश भाजपा कार्यालय में मंत्रियों की ओर से जनसुनवाई के कार्यक्रम का आयोजन होने से प्रदेश भर के संगठन से जुड़े छोटे-बड़े सभी नेताओं में नए जोश और उत्साह का माहौल कायम होगा जो पार्टी के संगठन को मजबूती देने के लिए काफी सहायक साबित होगा क्योंकि इस तरह के आयोजन से भारतीय जनता पार्टी के छोटे से छोटे कार्यकर्ता को ऐसा महसूस होता है कि सरकार उनकी भावनाओं का भी कद्र कर रही है और सरकार में उनकी भी पूछ हो रही है इसलिए पार्टी के संगठन से निचले स्तर पर जुड़े कार्यकर्ता और ज्यादा उत्साह से पार्टी के संगठन को मजबूत करने के बारे में गंभीरता से कार्य करने लग जाते हैं।

भजनलाल की ऐतिहासिक पहल, संगठन से जुड़े छोटे बड़े सभी नेताओं से किया संवाद

मदन राठौड़ राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवारी मंत्री सुरेश रावत सहित अजमेर संभाग के भाजपा के अजमेर संभाग के भाजपा के मौजूदा विधायक सांसद और मंडल स्तर से ऊपर संगठन से जुड़े नेता रहे मौजूद

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पार्टी के संगठन से जुड़े छोटे-बड़े नेताओं को कितना सम्मान देते हैं इसका नजारा रविवार को मुख्यमंत्री आवास पर भी देखने को मिला जहां पर उन्होंने अजमेर संभाग के भारतीय जनता पार्टी के संगठन से जुड़े सभी छोटे-बड़े नेताओं के साथ सामूहिक संवाद किया उनकी समस्याओं को सुना और पार्टी के संगठन को कैसे और किस तरह से और मजबूत किया जाए इसके बारे में भी पार्टी के संगठन से जुड़े नेताओं के विचार जाने तथा फील्ड में पब्लिक में सरकार के प्रति किस तरह का मैसेज है इस बात का भी मुख्यमंत्री शर्मा ने पार्टी के कार्यकर्ताओं से फीडबैक लिया बैठक में राजस्थान भाजपा के अध्यक्ष मदन राठौड़, सरकार के मंत्री सुरेश सिंह रावत, राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवारी ,अजमेर संभाग के भारतीय जनता पार्टी के जनप्रतिनिधि विधायक सांसद और मंडल स्तर से ऊपर के संगठन से जुड़े नेता शामिल रहे। यह बैठक काफी देर तक संपादित हुई जिसमें पार्टी के संगठन से जुड़े नेताओं ने बाकायदा अपने सुझाव अपनी पीड़ा और फील्ड में उन्हें जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है इन सब के बारे में मुख्यमंत्री को अवगत करवाया। इसके अलावा फील्ड में सरकार को लेकर किस तरह का मैसेज है और मतदाता सूची शुद्धिकरण के कार्य में भाजपा के संगठन से जुड़े नेताओं की सक्रियता को लेकर भी इस बैठक में विस्तार से बातचीत हुई जानकार लोगों का कहना है कि अब से पहले ऐसा बहुत कम देखने को मिला है जब किसी पार्टी के मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री आवास पर ही पार्टी के निचले स्तर संगठन से जुड़े नेताओं को बुलाकर उनके साथ मीटिंग की हो भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री आवास पर पार्टी के संगठन से जुड़े नेताओं को बुलाकर इस बात का संदेश दिया है कि उनकी निगाह में पार्टी के छोटे से छोटे कार्यकर्ताओं के प्रति भी कितना आदर और सम्मान है उन्होंने यह बैठक बुलाकर पार्टी के संगठन से जुड़े छोटे से छोटे नेताओं को भी यह संदेश देने का प्रयास किया है कि भाजपा की सरकार में उनका पूरा सम्मान है मुख्यमंत्री शर्मा की इस पहल से प्रदेश भर के संगठन से जुड़े नेताओं में अब एक नया जोश और उत्साह का संचार हुआ है इस बैठक में पार्टी के कार्यकर्ताओं की पीड़ा को देखते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने राजस्थान भाजपा के कार्यालय में सप्ताह में तीन दिन तक राज्य सरकार के मंत्रियों की ओर से जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन करने का निर्देश भी दिया इस बैठक में मुख्यमंत्री शर्मा ने पार्टी के संगठन से जुड़े नेताओं से भी कहा है कि वे केंद्र सरकार और राजस्थान सरकार की ओर से संचालित की जा रही विभिन्न तरह की जनकल्याणकारी योजनाओं का जरूरतमंद लोगों तक फायदा पहुंचाने के लिए गंभीरता से कार्य करें तथा सरकार के ऐतिहासिक निर्णय और जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में लोगों में ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार करें ताकि लोगों को यह महसूस हो कि विधानसभा चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी ने संकल्प पत्र में जो बातें किए थे उन वादों को पूरा करने के लिए सरकार कितनी गंभीरता से कार्य कर रही है इसके अलावा पिछले 2 साल में सरकार ने अपनी शिक्षा चिकित्सा रोजगार कृषि सड़क इत्यादि क्षेत्रों में जो कार्य किए हैं। उनके बारे में भी लोगों में ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार करने की बात मुख्यमंत्री शर्मा ने कार्यकर्ताओं से कहीं।

डोटासरा की नई जिला अध्यक्षों को वार्निंग, काम नहीं किया तो 6 महीने में हटा दिए जाओगे

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त पार्टी के जिला अध्यक्षों ने रविवार को राजस्थान कांग्रेस कार्यालय में राजस्थान कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा से मुलाकात की रविवार को दिनभर नए जिला अध्यक्षों के पार्टी के कार्यालय में आने-जाने का सिलसिला बना रहा। इस दौरान डोटासरा ने नए जिला अध्यक्षों के साथ सामूहिक बैठक भी आयोजित की और पार्टी के संगठन को मजबूती प्रदान करने पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व और प्रदेश नेतृत्व की ओर से घोषित किए जाने वाले कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संपादित करने तथा वर्तमान में राहुल गांधी की ओर से उठाए गए वोट चोरी जैसे मुद्दे को हर घर तक पहचाने और इस पूरे मामले में गंभीरता से बारीकी से जानकारी लोगों को देने की बात भी डोटासरा ने कही इसके अलावा मतदाता सूची शुद्धिकरण के कार्य पर निगरानी रखने के लिए पार्टी की ओर से नियुक्त किए गए बूथ लेवल पदाधिकारी का भी पूरा सहयोग करने की बात डोटासराने नवनियुक्त जिला अध्यक्षों से कहीं डोटासरा ने नए जिला अध्यक्षों को साफ चेतावनी भी दी है कि अगर उन्होंने अपनी जिम्मेदारी को ठीक तरह से नहीं निभाया और पार्टी के विजन को और पार्टी के कार्यक्रम को ठीक तरह से संपादित नहीं किया तो फिर उन्हें पद से हटाया भी जा सकता है। उल्लेखनीय है कि शनिवार की रात कांग्रेस पार्टी की ओर से राजस्थान कांग्रेस के 45 नए जिला अध्यक्षों की सूची जारी कर दी गई थी हालांकि अभी आधा दर्जन जिला अध्यक्षों की नियुक्ति पर अंतिम फैसला नहीं हो पाया जिसमें जयपुर शहर का मामला भी पार्टी के कई बड़े नेताओं की दावेदारी की वजह से अभी अटका पड़ा है लेकिन नवनियुक्त सभी 45 जिला अध्यक्षों ने रविवार को डोटासरा और प्रदेश कांग्रेस के संगठन से जुड़े अन्य नेताओं से राजस्थान कांग्रेस कार्यालय में मुलाकात की। इस अवसर पर प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने भी पार्टी के सभी नवनियुक्त जिला अध्यक्षों को कड़ी मेहनत से पार्टी के संगठन को मजबूती देने का आवाहन किया जानकार लोगों का कहना है कि प्रदेश में भजनलाल सरकार की ओर से बड़ी संख्या में नई पंचायत का गठन किया गया है। आने वाले दिनों में पंचायत राज और नगर निकाय के चुनाव होने वाले हैं बिहार में कांग्रेस पार्टी की पराजय के बाद कांग्रेस पार्टी अब भविष्य में अकेले अपने दम पर चुनाव लड़ने के बारे में गंभीरता से सोच रही है और कांग्रेस पार्टी के इंडिया गठबंधन से भी अलग होने की संभावना है इस स्थिति में कांग्रेस पार्टी अब अपने संगठन को धार देने में मजबूती से जुट गई है यही वजह है कि राजस्थान कांग्रेस की ओर से अधिकांश जिलों में पार्टी के नए अध्यक्षों की घोषणा कर दी गई है ताकि राजस्थान में पार्टी का संगठन तेजी से मजबूती की ओर बढ़ सके कांग्रेस का दिल्ली दरबार राजस्थान में कांग्रेस पार्टी को कमजोर नहीं मान रहा है क्योंकि अभी हाल ही में प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के सरकार के होने के बावजूद भी अंता विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी का जितना एक बड़ी बात मानी जा रही है वैसे भी विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को भले ही पूर्ण बहुमत मिल गया हो लेकिन एक तरफ जीत भारतीय जनता पार्टी की नहीं हुई इसलिए 2028 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का दिल्ली दरबार राजस्थान में पॉजिटिव परिणाम लेकर अपनी रणनीति को तैयार कर रहा है।

खेलों में आज इतिहास रच रही भजनलाल सरकार, एसएमएस स्टेडियम में भव्य आयोजन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। प्रदेश की भजन लाल सरकार के शासनकाल के स्वर्णिम अध्याय में आज एक और पन्ना लिखा जा रहा है जिसमें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की मेजबानी करने का राजस्थान को पहली बार मौका मिला यह राजस्थान के खेल जगत से जुड़े लोगों के लिए तो स्वाभिमान की बात है ही इसके अलावा प्रदेश में खेल और खिलाड़ियों का स्तर सुधारने में भी यह टूर्नामेंट काफी फायदेमंद साबित होने वाला है यह राष्ट्रव्यापी यूनिवर्सिटी स्तर की प्रतियोगिता है जिसमें 23 अलग-अलग खेलों का आयोजन होगा और इस टूर्नामेंट में करीब देश भर के 5000 खिलाड़ी शामिल हो रहे हैं आज से 5 दिसंबर तक आयोजित होने वाला यह टूर्नामेंट प्रदेश के सभी सात संभाग में आयोजित हो रहा है यह टूर्नामेंट प्रदेश के सभी साथ बड़े प्रमुख शहरों में 13 जगह पर आयोजित होगा जिसमें अलग-अलग जगह पर अलग-अलग प्रतियोगिताओं के आयोजन की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है इस प्रतियोगिता का शुभारंभ आज शाम जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित होने वाले भव्य कार्यक्रम से हो रहा है। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मावड़िया और प्रदेश के खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। इस टूर्नामेंट को ऐतिहासिक बनाने के लिए प्रदेश की भजनलाल सरकार ने अपनी ओर से कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी है प्रदेश का खेल मंत्रालय इस टूर्नामेंट को लेकर कई दिनों से तैयारी में जुटा हुआ था खिलाड़ियों के खाने पीने रहने की बहुत ही अच्छी व्यवस्था की गई है इसके अलावा चिकित्सा की भी समुचित व्यवस्था की गई है खिलाड़ियों को यहां किसी भी तरह की मुश्किलों का सामना करना नहीं पड़े इसके लिए सभी तरह की शानदार व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई है द्य खेल जगत से जुड़े लोगों का भी कहना है कि इस टूर्नामेंट से प्रदेश में खेल और खिलाड़ियों के स्तर में गजब का सुधार होगा क्योंकि देश भर के यूनिवर्सिटी स्तर के टैलेंटेड खिलाड़ियों की ओर से यहां प्रदर्शन होगा कई तरह के खेलों का आयोजन होने से राजस्थान के टैलेंटेड और होनहार खिलाड़ियों को इस प्रतियोगिता से काफी कुछ सीखने को मिलेगा जो प्रदेश के खेल जगत को नई दिशा दे सकता है। वैसे भी प्रदेश की भजनलाल सरकार में पिछले 2 साल में प्रदेश के खेल के स्तर में क्रांतिकारी बदलाव हुआ है प्रदेश के खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पदक जीते हैं अभी हाल ही में कोटा की अरुंधति चौधरी ने बॉक्सिंग में विश्व स्तर पर गोल्ड मेडल जीतकर राजस्थान का और भारत का नाम रोशन किया जो यह दिखाता है कि राजस्थान अब खेल जगत में कितनी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

फिर बेनकाब हुआ पाक: अब फ्रांस की नौसेना ने खोली पोल, कहा- ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राफेल गिराने के दावे मनगढ़ंत

पेरिस/नई दिल्ली।

फ्रांसीसी नौसेना ने रविवार को पाकिस्तान मीडिया की सख्त आलोचना की और उस पर 'भ्रामक जानकारी और झूठी खबरें' फैलाने का आरोप लगाया। दरअसल, भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बारे में पाकिस्तान के एक मीडिया आउटलेट की ओर से रिपोर्ट प्रकाशित की गई थी। इस रिपोर्ट में दावा किया गया था कि एक फ्रांसीसी अधिकारी ने पाकिस्तान की हवाई श्रेष्ठता की पुष्टि की और मई में सीमा पर हुए टकराव में भारतीय राफेल लड़ाकू विमानों को गिराए जाने की बात कही। 'मरीन नेशनल' ने अपनी एक्स पोस्ट में कहा कि रिपोर्ट में टिप्पणी गढ़ी गई थीं और अधिकारी की पहचान भी गलत तरीके से की गई थी। बयान में कहा गया, फेक न्यूज- इन बयानों को कैप्टन लौने से जोड़ दिया गया है, जिन्होंने किसी भी तरह के प्रकाशन की सहमति नहीं दी। यह लेख व्यापक भ्रामक जानकारी और झूठी खबरें फैलाता है। पाकिस्तान के जिओ टीवी की 21 नवंबर की रिपोर्ट में जैक्स लौने को कथित तौर पर पाकिस्तान की वायु सेना की तारीफ करते दिखाया और यह दावा किया कि भारतीय राफेल विमानों को चीन के समर्थन से गिराया गया। फ्रांसीसी नौसेना ने कहा कि अधिकारी का असली नाम कैप्टन इवान लौने है और उन्होंने वास्तव में कोई भी टिप्पणी नहीं की थी। नौसेना ने स्पष्ट किया कि नाम का पहला शब्द इवान है, जैक्स नहीं। रिपोर्ट के अनुसार उनकी जिम्मेदारियों केवल उस नौसैनिक हवाई अड्डे का नेतृत्व करना है, जहां फ्रांसीसी राफेल समुद्री विमान तैनात हैं। बयान के मुताबिक, इवान लौने ने हिंद-प्रशांत सम्मेलन में तकनीकी प्रस्तुति (प्रेजेंटेशन) दी और राफेल लड़ाकू विमा के मिशन, अपने नौसैनिक हवाई अड्डे के संसाधनों और फ्रांसीसी कैरियर स्ट्राइक ग्रुप की जानकारी साझा की। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कथित तौर पर भारतीय विमानों के गिरने या चीनी प्रणालियों द्वारा राफेल लड़ाकू विमान को बाधित करने पर कोई टिप्पणी नहीं की। फ्रांसीसी नौसेना ने दोहराया कि ऐसी कोई टिप्पणियां नहीं की गईं जो पाकिस्तानी आउटलेट द्वारा प्रकाशित दावे के अनुरूप हों, जिसमें कहा गया था कि लौने ने राफेल के प्रदर्शन संबंधी मुद्दों को ऑपरेशनल खामियों की जानकारी दी और इसकी चीनी जे-10सी से तुलना की।

एक भी बच्चा पोलियो की खुराक पीने से वंचित न रहे: भजनलाल शर्मा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। देश में पिछले 14 साल में एक भी पोलियो का मरीज सामने नहीं आया। यह भारत की बड़ी उपलब्धि है लेकिन पड़ोसी देशों में पोलियो की बीमारी अब भी कायम है इसलिए यह बीमारी भारत में फिर से दस्तक ना दे दे इसलिए भारत सरकार के सानिध्य में पूरे देश में विभिन्न राज्यों की ओर से दो दिन 1 से 5 साल तक के बच्चों को चिकित्सा विभाग के टीमों की ओर से पल्स पोलियो की खुराक पिलाई जा रही है इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के इस कार्यक्रम को लेकर काफी गंभीर और अलर्ट है इसलिए उन्होंने प्रदेश के चिकित्सा विभाग को इस कार्यक्रम के सफलतापूर्वक संपादन के लिए दिशा निर्देश दिए हैं मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेश के चिकित्सा विभाग ने पूरे प्रदेश में 1 से 5 साल तक के बच्चों को घर-घर जाकर पल्स पोलियो की खुराक मिलने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। रविवार को चिकित्सा विभाग की सचिव गायत्री राठौर और अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में मुख्यमंत्री आवास पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने हाथों से बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई मुख्यमंत्री शर्मा ने मुस्कुराते हुए नन्हे मुन्ने बच्चों को बड़े उत्साह के साथ पल्स पोलियो की खुराक पिलाई और इस मौके पर चिकित्सा विभाग की ओर से जन जागृति के लिए जारी किए गए पोस्ट का भी उन्होंने विमोचन किया मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस अवसर पर प्रदेश के लोगों से पुरजोर अपील की है कि वह 1 से 5 साल तक के बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक जरूर पिलाएं एक भी बच्चा यह खुराक पीने से वंचित न रहे इसके लिए चिकित्सा विभाग के साथ आमजन की जिम्मेदारी भी बनती है कि वह इस अभियान को सफलतापूर्वक संपादित करें ताकि प्रदेश में पल्स पोलियो की बीमारी पैदा ना हो द्य मुख्यमंत्री शर्मा ने प्रदेश के चिकित्सा विभाग से जुड़े सभी छोटे-बड़े अधिकारियों और कर्मचारियों से भी कहा है कि वह इस अभियान को विजन के रूप में लें और घर-घर जाकर इस कार्यक्रम को संपादित करें अगर कोई विरोध भी करें तो उसे प्यार से इस खुराक के बारे में बताएं समझाएं द्य जानकारी के अनुसार इस अभियान को प्रदेश भर में सफलतापूर्वक संपादित करने के लिए 58823 पल्स पोलियो की खुराक पिलाने की टीमों का गठन किया गया है जो पूरे प्रदेश में घर-घर जाकर आज और कल बच्चों को दवा पिलाएंगे इसके अलावा बस स्टैंड रेलवे स्टेशन एयरपोर्ट पार्क विभिन्न चौराहे इत्यादि सभी जगह पर पल्स पोलियो की खुराक पिलाने वाली टीमों की तैनाती चिकित्सा विभाग की ओर से सुनिश्चित की गई है इस पूरे कार्य पर कड़ी निगरानी रखने के लिए जिला चिकित्सा अधिकारी की ओर से सतर्कता गश्ती दलों का गठन किया गया है इसके अलावा मोबाइल वैन के माध्यम से भी इस अभियान को संपादित किया जा रहा है।

CMYK

उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का हुआ शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

खैरथल - तिजारा(निसं.)। उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है जिसमें 0 से 5 वर्ष तक के समस्त बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। डॉ सुआलाल जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी खैरथल तिजारा ने बताया कि डॉ. अरविंद गेट मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी खैरथल तिजारा, डॉ. सुआलाल जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी खैरथल तिजारा एवं डॉ. नितिन शर्मा प्रमुख चिकित्सा अधिकारी सैटेलाइट अस्पताल खैरथल ने सैटेलाइट अस्पताल खैरथल में बच्चे को पोलियो की दवा पिलाकर उपराष्ट्रीय पल्स पोलियो कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डॉ सुआ लाल ने बताया कि जिला खैरथल तिजारा में कुल 1127 टीमों द्वारा 1127 बूथों पर 0 से 5 साल तक के 85193 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई गई। ओर बताया कि पल्स पोलियो राष्ट्रीय कार्यक्रम तीन दिवस आयोजित होगा। प्रथम दिवस पर पल्स पोलियो की दवा बूथ स्तर पर पिलाई गई तथा दूसरे एवं तीसरे दिवस में पल्स पोलियो की दवा टीम द्वारा घर-घर जाकर पिलाई जाएगी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग का यह प्रयास रहेगा की 0 से 5 वर्ष तक का कोई भी बच्चा पल्स पोलियो की खुराक पीने से नहीं छूटे। ओर आमजन से अपील की गई की आप अपने समस्त बच्चों को पोलियो की दवा पिलाए। इस अवसर पर चिकित्सक एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

शहीदों की शहादत पर हमें गर्व है-नेता प्रतिपक्ष जूली

हरसोली में भारतीय सेना में नायक शहीद श्री चरण सिंह चौधरी की प्रतिमा का किया अनावरण

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि शहीदों की शहादत पर हमें गर्व है। उन्होंने कहा कि मां भारती के सपूतों के बलिदान से भावी पीढ़ियां को राष्ट्र प्रेम की जहां प्रेरणा मिलती है वहीं उनकी स्मृति स्मरणीय बनी रहती है। जूली रविवार को खैरथल तिजारा जिले के हरसोली में भारतीय सेना में नायक शहीद श्री चरण सिंह चौधरी की प्रतिमा अनावरण के दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय जवानों ने अपने अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपनी जाबांजी का लोहा मनवाया है। उन्होंने कहा कि कर्तव्य पथ पर सर्वोच्च बलिदान दुख और गौरव का संयुक्त मिश्रण है माटी का वीर पुत्र हमसे बिछड़ गया जहां यह दुख की बात है वही गर्व है कि उसने देश की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। जूली ने साहसी निडर सैनिकों को सलाम करते हुए कहा कि देश की सरहदों की रक्षा के लिए भारतीय सैनिकों के बलिदान को हमेशा याद किया जाता रहेगा जिन्होंने दुश्मनों के दांत खट्टे कर अपनी जाबांज बाजुओं का लोहा मनवाया। इस दौरान शहीद के पिता रामफल, विधायक दीपचंद खेरिया, बलराम यादव, संजय यादव, पवन खटाना, डॉ. विनोद कुमारी सागवान, दीपक, संदीप अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का खुदनपुरी से हुआ शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का रविवार को बाबा साहब भीमराव अंबेडकर पार्क खुदनपुरी अलवर से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ योगेंद्र शर्मा, जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मंजु शर्मा, उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी स्वास्थ्य डॉ महेश कुमार बेरवा, वार्ड पूर्व पार्षद मूर्ति देवी एवं रिंकू भाई एवं रोटरी क्लब के अध्यक्ष बबीता खंडेलवाल एवं राजेश सिंघल द्वारा सुबह 8.30 बजे 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया गया। जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मंजु शर्मा ने बताया कि जिले में अभियान के दौरान 0 से 5 वर्ष तक के 02 लाख 74 हजार 743 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जायगी। उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का समय प्रातः 9 से सायं 5 बजे तक रहेगा। पल्स पोलियो अभियान के पहले दिन रविवार को जिले में स्थापित किये गये 1822 बूथों पर बच्चों को खुराक पिलाई जायेगी तथा अगले दो दिन 24 एवं 25 नव बर को ग्रामीण क्षेत्र और शहरी क्षेत्र में विभाग की ओर से गठित पोलियो की टीमों द्वारा घर-घर जाकर खुराक से वचिंत नौनिहालों बच्चों को पोलियो की खुराक पिलायेगी। इस अभियान में 42 मोबाइल टीमें बनाई गई है तथा 8 जिला स्तरीय अधिकारियों को अभियान को सफल बनाने के लिए मॉनिटरिंग हेतु लगाये गये है। इस अवसर पर डॉ विकास भारद्वाज, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ नरेंद्र, रोटरी क्लब के अशोक खंडेलवाल, संगीता खंडेलवाल, नीलू जैन, संगीता हीरावत, कुंदन लाल मास्टर, अमित कुमार, प्रभु दयाल, धर्मचंद आदि उपस्थित रहे।

चार दिवसीय मत्स्य उत्सव का भगवान श्री जगन्नाथ जी की महाआरती के साथ हुआ आगाज

जिला कलक्टर ने जिलेवासियों से मत्स्य उत्सव के कार्यक्रमों में बढचढकर भाग लेकर इसे यादगार बनाने की कि अपील

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला प्रशासन एवं पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाले चार दिवसीय मत्स्य उत्सव का भव्य शुभारंभ प्रातः काल भगवान श्री जगन्नाथ जी महाराज मंदिर में महाआरती के साथ हुआ। जिला कलक्टर ने डॉ. आर्तिका शुक्ला ने मत्स्य उत्सव के शुभारंभ अवसर पर समस्त जिलेवासियों से इस उत्सव में बढ़-चढ़कर अपनी भागीदारी निभाते हुए आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों एवं आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुति कार्यक्रमों में सहभागिता की अपील की है। उन्होंने बताया कि मत्स्य उत्सव के प्रथम दिवस श्री जगन्नाथ जी मन्दिर में महाआरती के साथ मत्स्य उत्सव का आगाज हुआ है। 26 नवम्बर तक आयोजित होने वाला चार दिवसीय मत्स्य उत्सव इस वर्ष लोक व

सांस्कृतिक रंगों से सराबोर रहेगा।

साइकिल रैली के माध्यम से उमड़ा अलवर का जन सैलाब

मत्स्य उत्सव के तहत आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में 'अतुल्य अलवर अभियान' की थीम पर साइकिल रैली निकाली गई, जिसे जिला कलक्टर डॉ.आर्तिका शुक्ला एवं पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने नेहरू उद्यान से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिसमें बडी संख्या में युवाओं, अधिकारियों, कार्मिकों एवं आमजन ने बढचढकर भाग लेकर स्वच्छ व ग्रीन अलवर के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। साइकिल रैली नेहरू गार्डन से रवाना होकर आरआर कॉलेज सर्किल, एसएमडी सर्किल, मोती डूंगरी, भवानी तोप, मालवीय नगर होते हुए नगर वन कटी घाटी तक आयोजित हुई। पुलिस अधीक्षक चौधरी ने साइकिल रैली में साइकिल चलाकर शिरकत की।

आमजन को दिलाई स्वच्छता शपथ

जिला कलक्टर ने प्रतिभागियों को स्वच्छता की शपथ दिलाकर जिले को स्वच्छ बनाने की मुहिम में जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अलवर को स्वच्छ व सुन्दर बनाने हम सभी की जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा 'अतुल्य अलवर अभियान' चलाया गया है, जिसमें आमजन अपनी महती भूमिका निभाते हुए अलवर को स्वच्छ व हराभरा शहर बनाने में सहयोग करें। स्वच्छ अलवर के लिए हस्ताक्षर अभियान के तहत जिला कलक्टर एवं पुलिस अधीक्षक सहित आमजन ने हस्ताक्षर कर स्वच्छता के प्रति संकल्प जताया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी, एडीएम प्रथम मुकेश कायथवाल, नगर निगम आयुक्त सोहन सिंह नरुका, पर्यटन विभाग की उपनिदेशक डॉ. टीना यादव, साइकिल ग्रुप्स, व्यापार संगठन के पदाधिकारी, आमजन एवं बड़ी संख्या में युवाओं सहित हर आयुवर्ग के लोगों की बड़ी संख्या में मौजूदगी रही।

निर्वाचन विभाग के एसीईओ ने अलवर शहर विधानसभा क्षेत्र में मतदान केंद्र का निरीक्षण कर एसआईआर कार्य को परखा

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। निर्वाचन विभाग जयपुर के सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी (एसीईओ) नरेंद्र कुमार मीणा ने अलवर जिले के दौरे पर रहकर विधानसभा क्षेत्र अलवर शहर के मतदान केंद्र का निरीक्षण कर मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य का अवलोकन किया। सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी (एसीईओ) ने अलवर शहर विधानसभा के मतदान केंद्र के निरीक्षण के दौरान एसआईआर की प्रगति व समीक्षा, ईएफ की एंट्री, पावती, बीएलओ एप 'बुक ए कॉल' की समीक्षा की। उन्होंने एसआईआर कार्य में उल्लेखनीय कार्य करने वाले बीएलओ को प्रोत्साहित करने एवं एसआईआर की गति को और अधिक बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एसआईआर का उद्देश्य मतदाता सूची को अद्यतन, शुद्ध एवं त्रुटिरहित बनाना है। इससे कोई भी पात्र मतदाता छूटे नहीं और कोई भी अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल नहीं रहे। उन्होंने निर्देश दिए कि एसआईआर के कार्यों में तेजी लाए, जिससे अधिकाधिक मतदाताओं की मैपिंग सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि जिले में एसआईआर को लेकर बीएलओ द्वारा ईएफ वितरण और डिजिटाइजेशन का अच्छा कार्य किया जा रहा है। उन्होंने इस दौरान बीएलओ एप पर 'बुक ए कॉल सर्विस' की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि बुक ए कॉल पर प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता से आवश्यक दिशा-निर्देश अनुसार डिस्पोजल किया जाए। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी मुकेश कायथवाल, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अलवर शहर माधव भारद्वाज, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अलवर शहर सोहन सिंह नरूका, रश्मि शर्मा, लोकेश चौधरी, अशोक कुमार शर्मा, मोनिका शर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं बीएलओ मौजूद रहे।

इंदिरा गांधी स्टेडियम में बच्चों को प्रैक्टिस से रोका

कार्यवाहक खेल अधिकारी पर मनमानी के आरोप

जिला कलेक्टर से कार्रवाई की अपील

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.) शहर के इंदिरा गांधी स्टेडियम में आगामी दिनों में आयोजित होने वाले आर्मी मेले की तैयारियों के बीच विवाद खड़ा हो गया है। रानी लक्ष्मीबाई मार्शल आर्ट्स एकेडमी की कोच व नेशनल जुडो खिलाड़ी लोचन ने कार्यवाहक खेल अधिकारी अंजना शर्मा पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बच्चों को जबरन स्टेडियम से बाहर निकलवाया गया और उन्हें प्रैक्टिस करने नहीं दी गई घटना के अनुसार, कोच लोचन रविवार सुबह सभी बच्चों को नियमित अभ्यास के लिए स्टेडियम लेकर पहुंचीं थीं। उनका कहना है कि आर्मी मेले के कार्यक्रम में एकेडमी का विशेष प्रदर्शन भी प्रस्तावित है, जिसके लिए तैयारी जरूरी है। लेकिन कार्यवाहक खेल अधिकारी अंजना शर्मा ने गार्ड व अन्य लड़कों को निर्देश देकर सभी बच्चों को स्टेडियम परिसर से बाहर करवा दिया लोचन ने आरोप लगाया कि 'इंदिरा गांधी स्टेडियम एक सार्वजनिक खेल परिसर है, जहां हर खिलाड़ी को प्रैक्टिस का अधिकार है। लेकिन कार्यवाहक अधिकारी मनमर्जी पर उतर आई हैं। वह खुद कुश्ती कोच हैं और अक्सर अपनी पसंद-नापसंद के आधार पर खिलाड़ियों को तंग करती हैं। यह बच्चों की खेल प्रगति के साथ अन्याय है कोच लोचन के अनुसार, इस तरह की मनमानी खेल माहौल को खराब करती है और उभरते खिलाड़ियों का मनोबल तोड़ने जैसा है। बच्चों ने भी जिला कलेक्टर से गुहार लगाई है कि अंजना शर्मा के खिलाफ कार्रवाई की जाए और स्टेडियम को राजनीति व पक्षपात से मुक्त कराया जाए, ताकि सभी खेल संगठनों व खिलाड़ियों को बराबर सुविधा मिल सके खिलाड़ियों के अभिभावकों में भी नाराजगी है। उनका कहना है कि सार्वजनिक स्टेडियम किसी की जागीर नहीं है, और बच्चों को प्रैक्टिस से रोकना खेल भावना पर सीधा आघात है। उन्होंने भी प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है बढ़ते विरोध के बीच अब सबकी नजर जिला प्रशासन पर है कि वह इस मामले में क्या रुख अपनाता है।

'संगठन को मजबूत करने हेतु अधिक से अधिक महिलाओं को महिला कांग्रेस से जोडना समय की जरूरत है'

महिला कांग्रेस की जिला कार्यकारिणी बैठक में महिला सशक्तिकरण पर दिया जोर

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष कमलेश सैनी के नेतृत्व में जिला कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को मोती डूंगरी स्थित नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के कार्यालय पर हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जयपुर से आई महिला कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष प्रियंका चौधरी और प्रदेश सचिव रितु मीणा ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। मुख्य अतिथियों ने लंबे समय से लंबित जिला कार्यकारिणी के गठन पर जोर देते हुए कहा कि संगठन को मजबूत करने हेतु अधिक से अधिक महिलाओं को महिला कांग्रेस से जोडना समय की जरूरत है। बैठक के दौरान केंद्र सरकार की ओर से लागू एसआईआर योजना को लेकर भी व्यापक चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने महिलाओं को इस योजना की वास्तविकता से अवगत कराते हुए इसके प्रभावों को समझाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जागरूक महिला ही समाज और राजनीति दोनों क्षेत्रों में बदलाव ला सकती है। नगर परिषद की पूर्व सभापति एवं महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष कमलेश सैनी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की भागीदारी से ही संगठन मजबूत होगा और सामाजिक मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया जा सकेगा। कार्यक्रम में सुनीता राजकुमार शर्मा, राजकुमारी सुलानिया, गायत्री वर्मा, रामा देवी चांवरिया, सीमा बसवाल, जूहूरी खान, एडवोकेट शकुंतला सैनी, कमला किरण सैनी, सोनू जाटव, नीतू सैनी, रामवती बैरवा, कृपा शर्मा, चंदो देवी महावर, छोटी महावर, अंगूरी देवी सैनी, चंदा सैनी, भौती देवी, किरण सैनी, माया सैनी, तारा सैनी, कमलेश सैनी, सुशीला देवी, ममता सैनी, सुशीला देवी सैनी, कृष्णा देवी, कृष्णा सैनी, पंची देवी सैनी सहित सैकडों की संख्या में महिला उपस्थित थी।

वाहनों में गैर-कानूनी रंगीन लाइटों का बढ़ता प्रचलन

रात में सरपट दौड़ते वाहन बन रहे हादसों की बड़ी वजह

पुलिस कार्रवाई की जरूरत

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। शहर और हाईवे पर इन दिनों बड़ी संख्या में ऐसे वाहन दौड़ रहे हैं, जिनमें पीली व सफेद हैडलाइट के अलावा नीली, लाल, हरी जैसी तेज रंगीन लाइटें अवैध रूप से लगाई जा रही हैं। रात के समय इन लाइटों की चकाचौंध न केवल सामने से आने वाले चालकों की आँखों पर सीधा प्रभाव डालती है, बल्कि उनका संतुलन भी बिगाड़ देती है। इससे सड़क हादसों की आशंका कई गुना बढ़ जाती है स्थानीय लोगों के अनुसार, कई दोपहिया और चारपहिया वाहन चालक अपनी गाड़ियों में फ्लैशर, एलईडी स्ट्रिप और मॉडिफाइड हाई-इंटेंसिटी लाइट लगाकर खुलेआम सड़कों पर घूम रहे हैं। तेज रोशनी की यह चमक दूर से ही आंखों में चुभ जाती है, जिससे सामने वाले चालक एक पल के लिए सड़क नहीं देख पाते और दुर्घटनाएं होने का खतरा बढ़ जाता है परिवहन विभाग के नियमों के अनुसार वाहनों में केवल मानक पीली या सफेद हैडलाइट ही मान्य है। अन्य किसी भी रंग की लाइट, फ्लैशर या हाई-बिम एलईडी का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित है। बावजूद इसके, शहर में यह चलन तेजी से बढ़ रहा है और नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं रात के समय सड़क पर निकलने वाले वाहन चालकों का कहना है कि कई बार रंगीन या हाई-इंटेंसिटी लाइट सामने पड़ते ही आँखें चौंधिया जाती हैं, जिससे वाहन को नियंत्रित करना मुश्किल हो जाता है। खासकर हाईवे पर तेज गति से दौड़ते वाहन किसी बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं। लोगों ने पुलिस प्रशासन और परिवहन विभाग से ऐसे वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि नियमित चेकिंग अभियान चलाकर मॉडिफाइड लाइटों को हटवाया जाए और चालकों पर जुर्माना लगाया जाए। इससे सड़क हादसों में आने वाली कमी सुनिश्चित हो सकेगी और यातायात अनुशासन भी मजबूत होगा समाज के जागरूक वर्ग का मानना है कि यदि समय रहते इस स्थिति पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो रात के समय होने वाले हादसों में इजाफा होना तय है। नियमों का पालन और कड़ी मॉनिटरिंग ही इसका एकमात्र समाधान है।

डीपी चोरी होने से दो गाँव अंधेरे में डूबे

परीक्षा के बीच बिजली ठप ग्रामीणों में गहरा आक्रोश

जयपुर टाइम्स

राजगढ़(निसं.)। उपखंड क्षेत्र के गुवाड़ा घेसली गांव में बीती रात बड़ी चोरी की वारदात सामने आई है। अज्ञात चोरों ने गांव में लगी दो बिजली ट्रांसफॉर्मर (डीपी) एक साथ चुरा लिए। घटना के बाद गुवाड़ा घेसली और आसपास के जुड़े हुए दूसरे गांव की बिजली पूरी तरह ठप हो गई है, जिससे पूरा क्षेत्र गहरे अंधेरे में डूब गया। दो डीपी चोरी होने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है जानकारी के अनुसार, चोर देर रात दोनों ट्रांसफॉर्मरों को निशाना बनाकर उनके अंदर मौजूद तांबा, तेल और अन्य कीमती सामग्री निकालकर ले गए। सुबह जब ग्रामीणों ने बिजली गुल होने का कारण जानने के लिए मौके पर पहुंचकर देखा तो दोनों डीपी गायब मिलीं। इस घटना से गांव में दहशत और हड़कंप मच गया।

अंधेरे में डूबा पूरा क्षेत्र बच्चों की परीक्षा पर असर

दोनों डीपी चोरी होने का सीधा असर ग्रामीणों के दैनिक जीवन के साथ-साथ शिक्षा पर भी पड़ा है गांव के बच्चों की अर्धवार्षिक परीक्षा चल रही है। लेकिन बिजली गुल होने के कारण बच्चे रात में पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं, जिससे उनकी परीक्षा तैयारी गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों ने इसे शिक्षा व्यवस्था के लिए बड़ी बाधा बताया है। वहीं बुजुर्गों और महिलाओं को भी अंधेरे में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

प्रशासन ने अब तक नहीं की कोई वैकल्पिक व्यवस्था

सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है कि समाचार लिखे जाने तक प्रशासन द्वारा कोई वैकल्पिक बिजली व्यवस्था नहीं की गई है। न तो अस्थायी ट्रांसफॉर्मर लगाया गया और न ही जनरेटर जैसी व्यवस्था उपलब्ध करवाई गई है।

ग्रामीणों की मांग-तुरंत डीपी लगाई जाए,चोरों को पकड़ा जाए

गुवाड़ा घेसली और आसपास के गांवों के लोगों ने बिजली विभाग और स्थानीय प्रशासन से तुरंत नई डीपी लगाकर बिजली बहाल करने की मांग की है। साथ ही पुलिस प्रशासन से चोरी की घटना की गहन जांच कर आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की अपील की है वही मौके पर कैलाश चंद मीणा, ईश्वर मीणा, मोतीलाल मीणा, हरिराम मीणा, मुकेश, सतीश मीणा, राजेश, धोल्या राम मीणा, दिनेश सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे और स्थिति का जायजा लिया ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि तत्काल कार्रवाई नहीं की गई तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

बगरू का लाडला जिसे लोग नेता नहीं बेटा मानते हैं

राजस्थान यूनिवर्सिटी की छात्र राजनीति में दमदार उपस्थिति दिखाने के बाद सक्रिय राजनीति में भी दिख रहा है गजब का जलवा

बगरू के हर आयु वर्ग के लोगों में जिनकी पापुलैरिटी देखते ही बनती है, जिसने दो बार के विधायक होने के बावजूद भी गुरुर को खुद पर हावी नहीं होने दिया, जो हमेशा लोगों की भीड़ में ही आ रहे हमेशा नजर, जो राजस्थान भाजपा के सभी बड़े नेताओं के भी हैं प्रिय, जिनकी जुझारू क्षमता से भाजपा हाई कमान भी है काफी प्रभावित

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) वैसे तो राजस्थान यूनिवर्सिटी की छात्र राजनीति में दमदार तरीके से उपस्थित दिखाकर प्रदेश की सक्रिय राजनीति में अपना अलग से मुकाम बनाने वाले नेताओं की लिस्ट काफी लंबी है प्रदेश के छोटे बड़े सभी राजनीतिक दलों में छात्र राजनीति से सक्रिय राजनीति में दम दिखा रहे नेताओं की संख्या काफी ज्यादा है लेकिन इस भीड़ में राजस्थान भाजपा में एक ऐसा युवा नेता भी है जिसे लोग नेता नहीं बल्कि अपने बेटे जैसा ही मानते हैं जो हाई प्रोफाइल पढ़ाई किए हुए हैं दो बार का विधायक भी रह चुका है और एक बार संसदीय सचिव भी रहा है लेकिन उसने गुरूर को कभी भी खुद पर हावी नहीं होने दिया और जैसा उसका व्यवहार और कार्यशैली कॉलेज और यूनिवर्सिटी के दोनों में हुआ करती थी वैसा ही वह अब नजर आता है जो अनुसूचित जाति समुदाय से भले ही ताल्लुक रखता हो लेकिन आचार विचार संस्कार और बोलचाल में एक्सप्रेस संस्कारवान इंसान को भी पीछे छोड़ देता है उसकी यही पर्सनालिटी और व्यवहार बगरू में हर जाति और बिरादरी के लोगों को खूब पसंद आया इसलिए क्षेत्र की जनता ने दो बार विधायक भी चुनाव वर्तमान में भी विधायक है अब तो आप समझ ही गए होंगे यहां जिक्र हो रहा है बगरू के भाजपा विधायक कैलाश वर्मा का यह वह शख्स है जो कॉलेज और यूनिवर्सिटी के जमाने से युवा वर्ग में तो पॉपुलर है ही इसके अलावा बगरू इलाके के ग्रामीण अंचल में इसकी लोकप्रियता देखते ही बनती है लोग इन्हें विधायक नहीं बल्कि अपना बेटा मानते हैं इलाके में भ्रमण के दौरान जब यह अपने इलाके में जहां भी जाते हैं वहां लोग इन्हें नेताजी नहीं बल्कि बेटा कहकर संबोधित करते हैं और देखते ही देखते उनके चारों और बड़ी भीड़ जमा हो जाती है लोगों कि यह बड़ी भीड़ अक्सर किसी फिल्मी सितारे या फिर मुख्यमंत्री या पूर्व मुख्यमंत्री के आगमन पर देखने को मिलती है लेकिन वर्मा ने अपने क्षेत्र के लोगों के दिलों में जो अलग मुकाम बना लिया है उसी का नतीजा है कि आज इन्हें अपने निर्वाचन क्षेत्र में हर आयु वर्ग के लोगों का जोरदार समर्थन मिला हुआ है बच्चे, युवा, बुजुर्ग, हर उम्र के लोगों का इन्हें प्यार और आशीर्वाद मिला हुआ है जिनके दम पर वर्मा ने भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश से जुड़े नेताओं के अलावा दिल्ली में बैठे भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को भी अपनी पर्सनालिटी और लोकप्रियता से काफी प्रभावित किया हुआ है।

वर्ष 2013 में राजस्थान यूनिवर्सिटी से सीधे राजस्थान विधानसभा की चौखट तक पहुंचे

राजस्थान यूनिवर्सिटी की छात्र राजनीति में दमदार तरीके से प्रदर्शन दिखने वाले कई नेता ऐसे भी हैं जिन्होंने राजस्थान यूनिवर्सिटी में तो दमदार छात्र राजनीति की लेकिन सक्रिय राजनीति में उनकी धमाकेदार एंट्री नहीं हो पाई कई नेता तो ऐसे हैं जिन्हें काफी संघर्ष करने के बाद विधायक बनने का सौभाग्य मिला जिसमें पूर्व मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रताप सिंह का भी नाम ले सकते हैं जिन्होंने राजस्थान यूनिवर्सिटी में जोरदार जुझारू छात्र राजनीति की लेकिन राजस्थान विधानसभा तक पहुंचने में उन्हें कई साल लग गए इसी तरह से पुष्पेंद्र सिंह भारद्वाज जो कई सालों से विधायक बनने का ख्वाब देख रहे हैं दो बार सांगानेर विधानसभा सीट से चुनाव भी लड़ चुके हैं लेकिन जुझारू प्रवृत्ति के होने के बावजूद भी उन्हें अब तक विधायक बनने का अवसर नहीं मिला लेकिन कैलाश वर्मा जिन्होंने राजस्थान यूनिवर्सिटी की पढ़ाई के दौरान ही वर्ष 2013 में भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर बगरू से चुनाव लड़ा और करीब 46000 से ज्यादा वोटो से धमाकेदार जीत दर्ज करके सक्रिय राजनीति में दमदार तरीके से अपनी उपस्थिति दिखाई। वर्मा जब पहली बार विधायक बने तो उनकी आयु सिर्फ 24 साल की थी और सबसे कम आयु के विधायक बनने का उन्हें सौभाग्य भी मिला बड़ी बात यह रही की वर्मा की जुझारू और उनकी पर्सनालिटी को देखते हुए तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने उन्हें संसदीय सचिव की जिम्मेदारी भी दी जो अपने आप में एक बड़ी बात है क्योंकि वर्ष 2013 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने राजस्थान में ऐतिहासिक प्रदर्शन किया था 200 में से तीन चौथाई से ज्यादा विधानसभा सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की थी। इसमें कई बड़े-बड़े नेता चुनाव जीतकर विधायक बने थे इसलिए तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को भी मंत्रिमंडल का प्रारूप तैयार करने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा क्योंकि उन्हें समझ में नहीं आ रहा था कि किसी नेता को मंत्रिमंडल में शामिल करें और किसी नेता को मंत्रिमंडल से बाहर रखें क्योंकि जितने भी विधायक चुने गए थे उनमें से अधिकांश काफी वरिष्ठ और कुशल राजनेता थे लेकिन इन सबके बावजूद भी पहली बार के विधायक बने कैलाश वर्मा को वसुंधरा राजे ने संसदीय सचिव की जिम्मेदारी भी थी। जब वसुंधरा राजे जैसी पार्टी के सीनियर और लोकप्रिय नेता पहली बार के विधायक को ही जब मंत्रिमंडल में शामिल कर ले वह भी उसे स्थिति में जब पार्टी में वरिष्ठ और कुशल विधायकों की बड़ी भीड़ हो उसमें एक नए विधायक का मंत्रिमंडल के लिए चयन करना यह दिखाता है कि वर्मा के अंदर छिपी हुई राजनीति के प्रतिभा को वसुंधरा राजे ने एक नजर में ही पहचान लिया था। वर्मा को लेकर वसुंधरा राजे का यह निर्णय आज सार्थक भी हो रहा है जब वर्मा अपनी जुझारू छवि और लोगों पर अपनी अच्छी पकड़ के दम पर भारतीय जनता पार्टी के संगठन को तो मजबूत करने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा कांग्रेस पार्टी पर हमला बोलने में भी हमेशा अग्रणी रहते हैं। चाहे राजस्थान विधानसभा का सत्र हो या फिर सार्वजनिक सभाएं और पार्टी के कार्यक्रम हो हर जगह एक से एक बड़े-बड़े मुद्दे और विषय चुनकर कांग्रेस पार्टी की सरकारों को कटघरे में खड़ा करते हुए दिखते हैं।

प्रखर वक्ता, ग्रामीण क्षेत्र जुड़े विषयों और समस्याओं पर है गजब की पकड़

कैलाश वर्मा राजस्थान विश्वविद्यालय से समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर डिग्री धारी है तथा युवा नेताओं के सामाजिक विकास की भागीदारी विषय पर पीएचडी कीहुई है इसलिए इन्हें समाज से जुड़ी हर छोटी बड़ी समस्याओं को बारीकी से जानते हैं वर्मा ग्रामीण क्षेत्र से ताल्लुक रखते हैं ग्रामीण परिवेश में ही पैदा हुए हैं ।ग्रामीण परिवेश में ही शिक्षा ग्रहण की है इसलिए गांव की जिंदगी को नजदीकी से देखा है किस तरह से लोग अभाव में जीवन जीते हैं यह भी नजदीकी से देखा है समाज में व्याप्त कुरीतियों अंधविश्वास और अन्य अवधारणाओं को उन्होंने बचपन से देखा है शायद यही वजह रही कि उन्होंने समाज को सही दिशा देने और समाज में रहने वाले हर जाति और वर्ग के लोगों के समुचित विकास की अवधारणा को ध्यान में रखते हुए समाजशास्त्र की पढ़ाई की ताकि इस मामले में और कुछ और नया सीखने को मिले जिसके फल स्वरुप उन्होंने समाजशास्त्र की पढ़ाई में काफी कुछ नया अनुभव भी हासिल किया है बहुत कुछ सीख मिली है इसके माध्यम से अब वह समाज को नई दिशा देने और हर जाति और बिरादरी के लोगों के समुचित विकास को प्राथमिकता दिए हुए हैं किसान मजदूर युवा और जरूरतमंद लोगों तक सरकार की योजनाएं पहुंचे और लोग इनका ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाएं इन सब विषयों पर अपने स्तर पर भी कड़ी निगरानी रखते हैं अनुसूचित जाति से ताल्लुक रखने की वजह से इन्हें अनुसूचित जाति और दलित वर्ग की वस्तु स्थिति का भी अच्छी तरह से आभास है दलित समाज आज भी कितनी विषम और कठिन परिस्थितियों से गुजर रहे हैं। इसका इन्हें अच्छी तरह से आभास है इसीलिए कैलाश वर्मा कांग्रेस पार्टी की सरकारों पर जब भी मौका मिलता है तब जबरदस्त तरीके से व्यंग्य बाण के माध्यम से जुबानी हमला बोलते रहते हैं क्योंकि कैलाश वर्मा का मानना है कि आज दलित और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति का जो समुचित और सर्वांगीण विकास नहीं हो पाया। वह कांग्रेस पार्टी की वजह से नहीं हो पाया । क्योंकि कांग्रेस पार्टी ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को माध्यम बनाकर दलित और अनुसूचित जाति के लोगों के वोट तो समय-समय पर विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव में हासिल किया लेकिन सरकार बनने के बाद अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति दलित वर्ग के लोगों के कल्याण और विकास पर कांग्रेस पार्टी की सरकारों ने केंद्र और राजस्थान दोनों ही जगह पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दिया । जिसकी वजह से यह जाति वर्ग विकास में पीछे रह गया । कैलाश वर्मा हमेशा कांग्रेस पार्टी को कटघरे में खड़ा करते नजर आते हैं अच्छे पढ़ा लिखा होने की वजह से इनकी भाषण शैली भी काफी सटीक और तथ्यात्मक रहती है और बुलंद आवाज में जब वह अपनी बात कहते हैं तो फिर बड़े-बड़े वक्ताओं को भी पीछे छोड़ देते हैं ।

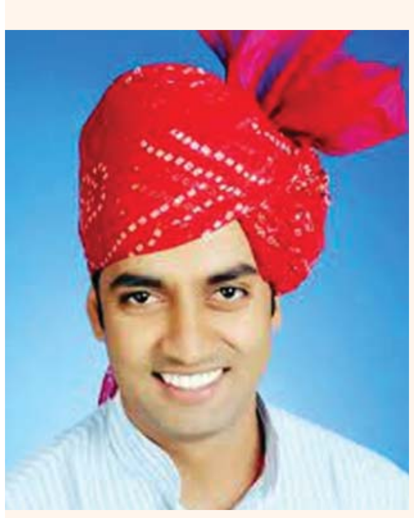

प्रदेश भाजपा के सभी बड़े नेताओं के हैं लाडले

राजनीति की अच्छी परख रखने वाले लोगों का भी कहना है कि कैलाश वर्मा भारतीय जनता पार्टी के ऐसे युवा नेता हैं जिन्हें पार्टी के सभी बड़े नेताओं का खूब स्नेह मिल रहा है कैलाश वर्मा के 2023 में विधायक बनने के बाद से लेकर अब तक राजस्थान भाजपा के जितने भी प्रदेश अध्यक्ष बने उन सब का वर्मा पर विशेष स्नेह रहा है यही वजह है कि 2013 से लेकर अब तक तीन बार विधानसभा चुनाव हुए उनमें तीनों बार ही बगरू विधानसभा क्षेत्र से वर्मा को टिकट दिया गया। वर्मा को टिकट देने पर भी पार्टी में कोई ज्यादा बवंडर नहीं मचा। बगरू विधानसभा क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी के छोटे-बड़े नेताओं में भी वर्मा ने अच्छी पकड़ बनाई हुई है इसलिए बगरू में इन्हें टिकट देने के बाद कभी भी पार्टी में असंतोष जैसी स्थिति देखने को नहीं मिली जो यह दिखाता है कि वर्मा बगरू क्षेत्र के लोगों में ही नहीं बल्कि भाजपाइयों में भी लोकप्रिय हैं साथ ही प्रदेश भाजपा के सभी बड़े नेताओं में भी वर्मा को टिकट देने को लेकर कभी आपस में टकराव के हालात नहीं बने वजह यही है कि वर्मा अपने स्वभाव अपनी वर्किंग स्टाइल और अपनी अच्छी जमीनी पकड़ की वजह से भाजपा के सभी बड़े नेताओं के प्रिय बने हुए हैं । बोलचाल में भी बड़े नेताओं का दोनों हाथ जोड़कर दूर से ही अभिवादन करते हैं उनके पांव छूते हैं और जरूरत पड़ने पर बड़े नेताओं का मार्गदर्शन भी लेते रहते हैं उनका यह मिजाज और स्वभाव पार्टी के सभी बड़े नेताओं को खूब पसंद आता है इसीलिए लगातार तीन बार बगरू से टिकट हासिल करने में इन्होंने सफलता हासिल की। जिसमें 2018 के विधानसभा चुनाव में इन्हें कांग्रेस प्रत्याशी गंगा देवी से पराजय का सामना भी करना पड़ा। करीब 5000 मतों के अंतर से वर्मा चुनाव हार गए थे इनको पराजय की पटकथा इस सीट पर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के उम्मीदवार ने लिख दी थी क्योंकि 2018 के विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के उम्मीदवार ने यहां करीब 15000 से ज्यादा वोट हासिल किए थे यहां जो वोट राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को मिले उन में अधिकांश वोट भाजपा के परंपरागत वोट थे लेकिन जातिगत समीकरणों की वजह से यह वोट वर्मा को नहीं मिल पाए लेकिन इस हार के बाद भी वर्मा ने क्षेत्र के लोगों से मिलना जुलना जारी रखा लोगों से मुलाकात करते रहे।

बगरू में किसी का 'बेटा' तो किसी का 'भाई' बने हुए हैं वर्मा

आमतौर पर यह देखा जाता है कि निर्वाचन क्षेत्र में अगर कोई विधायक और सांसद जाता है तो लोग दोनों हाथ जोड़कर उनके सामने खड़े हो जाते हैं नतमस्तक हो जाते हैं और उन्हें ऐसा मानते हैं जैसे कोई भगवान उनके सामने आकर खड़ा हो गया हो क्योंकि विधायक और सांसद बनने के बाद हर कोई अपनी छवि को ही इस तरह की बना लेता है कि वह स्वयं को आमजन से बिल्कुल अलग क्वालिटी का इंसान मानने लग जाता है लेकिन विधायक बनने के बाद से लेकर अब तक कैलाश वर्मा अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों में बेटा और भाई के नाम से पुकारे जाते हैं कोई उन्हें बेटा कहता है तो महिलाएंउन्हें भाई कहकर संबोधित करती है लोग उन्हें अपने परिवार का ही सदस्य मानते हैं क्योंकि वर्मा का मिलनसार व्यवहार और उनका लोगों से मिलने जुलने का इतना सीधा-साधा तरीका रहता है जैसे वह उनके परिवार के या उनके मोहल्ले के ही रहने वाले हो इसलिए मुलाकात के दौरान लोग उन्हें खुलकर अपनी बात बताते हैं और वर्मा भी उनकी बातों और समस्याओं को गंभीरता से सुनते हैं और फिर उनके निवारण के भी प्रयास करते हैं इसलिए बगरू क्षेत्र के लोगों में उनका यह जमीनी जुड़ाव उनकी सफल पॉलिटिकल यात्रा के लिए काफी सहायक साबित हुआ है मुलाकात के दौरान वर्मा की भाषा भी इलाके के लोगों की तरह ही होती है वर्मा अपने निर्वाचन क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्र के लोगों में मुलाकात के दौरान ठेठ राजस्थानी भाषा में बात करते हैं और राजस्थानी लहजे में ही हंसी मजाक करते हुए बातचीत के माहौल को काफी पॉजिटिव बना देते हैं जिसकी वजह से बातचीत में शामिल हर आयु वर्ग के लोग उन्हें खुलकर अपनी सारी पीड़ा बयां कर देते हैं आज के दौर में इस तरह की क्वालिटी के युवा नेता बहुत कम ही देखने को मिलते हैं क्योंकि आजकल अगर कोई सरपंच भी बन जाता है तो वह अपने आप को बड़ा आदमी मान बैठता है लेकिन दो बार विधायक चुने जाने के बाद भी कैलाश वर्मा के स्वभाव और मिजाज में कोई बदलाव नहीं आया है बल्कि राजनेता बनने के बाद उनके स्वभाव और मिजाज में गंभीरता और मिलनसार व्यवहार की ज्यादा मिठास नजर आने लगी है हालांकि उनका मिलनसार व्यवहार कॉलेज और यूनिवर्सिटी के जमाने से ही है लेकिन जैसे-जैसे उनकी आयु बढ़ रही है और जैसे-जैसे राजनीति में उनकी सफल यात्रा का दौर तेजी से आगे बढ़ रहा है वह और भी विनम्र होते जा रहे हैं और सबका विकास सबका साथ और सबका सहयोग की धारणा पर काम करते हुए हर जाति और बिरादरी के लोगों की सेवा के लिए तत्पर रहते हैं और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को गति देने में अपनी ही पार्टी की सरकार के समक्ष दमदार तरीके से अपने क्षेत्र की डिमांड को भी रखते हैं ।

बगरू के विकास पुरुष के रूप में देखे जाते हैं कैलाश वर्मा

वर्ष 2013 में अपने पहले ही चुनाव में विधायक बनने वाले कैलाश वर्मा वसुंधरा राजे के मंत्रिमंडल के सदस्य भी बने संसदीय सचिव की जिम्मेवारी मिलने के बाद इन्हें बगरू विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न तरह की समस्याओं को सुलझाने में अच्छी मदद मिली बगरू विधानसभा सीट 2008 में अस्तित्व में आई थी इससे पहले इस सीट का संपूर्ण हिस्सा सांगानेर और मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र के तहत आता था। बाद में परिसीमन के बाद 2008 में बगरू को अलग से निर्वाचन क्षेत्र घोषित किया गया। 2008 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की गंगा देवी यहां से विधायक निर्वाचित हुई 2008 में ही यहां कांग्रेस पार्टी की सरकार का गठन हुआ था। गंगा देवी चाहते हुए भी यहां पर ठीक तरह से विकास कार्य को संपादित करवाने में सफल नहीं हो पाई इसका कारण यही रहा की उनके करीबी ही उन्हें डाउन करने में लगे हुए थे । उसी का परिणाम यह रहा की 2013 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने बगरू विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी के नेताओं के बीच आपस में चल रही खींचतान की स्थिति को देखते हुए गंगा देवी को टिकट नहीं दिया। जिसकी वजह से गंगा देवी के समर्थक नाराज हो गए जिसका फायदा भाजपा प्रत्याशी कैलाश वर्मा को मिला और वर्मा ने विधायक और संसदीय सचिव बनने के बाद क्षेत्र के विकास को सबसे पहले प्राथमिकता दी क्योंकि वर्मा काफी युवा थे। और पहली बार विधायक बने थे इसलिए क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा विकास कार्य करवाने का जज्बा और क्षेत्र के लोगों में अपनी अच्छी छवि बनाने का वह मौका नहीं चूकना चाहते थे। इसलिए उन्होंने बगरू विधानसभा क्षेत्र में सड़क, पानी, शिक्षा, बिजली, चिकित्सा, सफाई जैसे आधारभूत कार्यों में ज्यादा दिलचस्पी ली और अपने क्षेत्र की सभी ग्राम पंचायत की समस्याओं का संकलन करके ज्यादा से ज्यादा विकास कार्य करवाने की ओर उन्होंने अथक प्रयास किया जिसमें उन्हें सफलता भी मिली क्योंकि उनके सरकार का हिस्सा बने रहने से वसुंधरा राजे सरकार के मंत्रियों का उन्हें अच्छा समर्थन और सपोर्ट मिला जिसकी वजह से एक तरफ जहां बजट में बगरू क्षेत्र के विकास के लिए ज्यादा से ज्यादा पैसा मंजूर करवाने में कामयाब हुए तो दूसरी तरफ सरकार के मंत्रियों से भी क्षेत्र के लोगों की छोटी-मोटी समस्याओं का निवारण करवाते रहे। जिसकी वजह से उनकी पकड़ ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार मजबूत होती रही। एक के बाद एक उन्होंने ग्राम पंचायत का दौरा किया गांव ढाणी तक गए। लोगों से मिले उनके समस्याओं को सुना और समस्याओं के निदान के प्रयास भी किया जिसकी वजह से क्षेत्र के लोग उन्हें बगरू का बेटा और बगरू का विकास पुरुष कहकर संबोधित करने लगे थे । वर्ष 2013 से 2018 तक जयपुर स्थित उनके विधायक आवास पर हमेशा बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ नजर आती थी जिसमें युवाओं की संख्या ज्यादा हुआ करती थी युवाओं की एक बड़ी टीम उनके साथ हमेशा नजर आई हालांकि जब विधायक बने थे उस समय उनकी राजस्थान विश्वविद्यालय में हाई प्रोफाइल पढ़ाई भी जारी थी इसलिए कॉलेज और यूनिवर्सिटी के छात्र-छात्राओं की भीड़ उनके सरकारी आवास पर हमेशा रहती थी इसके अलावा अपने आवास पर वे नियमित रूप से लोगों की समस्याओं को भी सुना करते थे इसलिए उनके निर्वाचन क्षेत्र से भी बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर आते थे खासतौर से जब राजस्थान विधानसभा का कोई सत्र चल रहा होता था उस समय उनके विधायक आवासपर लोगों की ऐसे भीड़ आई थी जैसे वर्मा सरकार के कैबिनेट मंत्री हो कुल मिलाकर अपने मिलनसार व्यवहार और जमीन से जुड़े रहने की वजह से वर्मा अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों में ही नहीं बल्कि आसपास के निर्वाचन क्षेत्र के लोगों में भी काफी पॉपुलर है अब भी इनके यहां बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ नजर आती है कारण यही है कि हर आने वाले व्यक्ति की समस्या को वर्मा दिल से सुनते हैं और दिल से ही उसकी समस्या का निवारण करने का प्रयास करते हैं इसी वजह से लोग उनके पास उम्मीद के साथ आते हैं ।

विधायक आपके द्वार कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपादित कर रहे वर्मा

प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के सभी विधायकों को अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्र में विधायक आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन करके लोगों की समस्याओं के समाधान करने के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री शर्मा के इस निर्देश को गंभीरता से फॉलो करने में कैलाश वर्मा अग्रणी विधायकों में शामिल हैं । हालांकि वर्मा अपने विधायक पद के पहले कार्यकाल में भी खुद गांव गांव जाकर लोगों से उनकी समस्याएं सुनकर उनके निदान का प्रयास किया करते थे । इसलिए लोगों को अपनी समस्याएं बताने के लिए वर्मा के आवास पर आना नहीं पड़ता है। क्योंकि वर्मा खुद ही अपने निर्वाचन क्षेत्र का नियमित रूप से बाकायदा कार्यक्रम तैयार करके दौरा करते हैं इसलिए अपने निर्वाचन क्षेत्र में अपने नियमित दौरे के कार्यक्रम को लेकर वर्मा हमेशा सुर्खियों में रहे हैं लोगों में उनकी जो यह मजबूत पकड़ बनी है वह उनके इसी प्रयासों के दम पर ही बनी है फिर भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर उन्होंने विधायक आपके द्वार कार्यक्रम को भी बहुत ही शानदार तरीके से संपादित कर रहे हैं वर्मा का गांव गांव जाना गांव की चौपाल पर जाजम पर बैठकर ग्रामीणों से राजस्थानी भाषा में बहुत ही सरल और सहज भाव से बात करना बड़ों के पांव छूना अपनी उम्र के युवाओं के साथ हाथ मिलाकर उन्हें अपने साथ जोड़े रखना इन सब प्रवृत्तियों से वर्मा अपने क्षेत्र के हर जाति और बिरादरी के लोगों में काफी लोकप्रिय हैं क्योंकि बगरू विधानसभा क्षेत्र अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है इसलिए जाहिर सी बात है इस क्षेत्र में अनुसूचित जाति के लोगों की संख्या ज्यादा है इसलिए अपनी बिरादरी के लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाना अपनी बिरादरी कि जरूरतमंद लोगों की हर तरह से हेल्प करना अपनी बिरादरी के बालक बालिकाओं को ज्यादा से ज्यादा पढ़ाई के लिए प्रेरित करना अपनी बिरादरी में व्याप्त अंधविश्वास और सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में भी वर्मा के काफी अच्छे प्रयास रहे हैं क्षेत्र में साक्षरता का प्रतिशत बढ़ाने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने बच्चों के कुपोषण की रोकथाम महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने जैसे विषयों पर वर्मा निरंतर कार्य करते रहे हैं क्षेत्र में अपराध की रोकथाम महिलाओं के उत्पीड़न और अत्याचार रोकने के के लिए भी वर्मा निरंतर क्षेत्र के पुलिस अधिकारियों से वार्तालाप करके उन्हें अपनी ओर से आवश्यक सलाह और दिशा निर्देश देते रहते हैं शासन और पुलिस से जुड़े अधिकारियों से निरंतर संपर्क में रहते हैं ।

विधानसभा में खुद को प्रखर वक्ता के रूप में साबित किया है वर्मा ने

कैलाश वर्मा अच्छे पढ़े लिखे हैं उनके भाषण शैली काफी शानदार और सटीक रहती है उनके बोलने का अंदाज उनका विपक्ष पर व्यंग कसना और विभिन्न मुद्दों पर तथ्यात्मक तरीके से अपनी बात रखना उनकी आदत में है उनकी भाषण शैली विधानसभा में सभी को प्रभावित करती है चाहे प्रश्न काल हो या अनुदान मांगों पर बहस का विषय हो या फिर बजट पर प्रतिक्रिया देने की बात हो या फिर अपने निर्वाचन क्षेत्र की समस्या को विधानसभा में उठाने की बात हो हर मामले में वर्मा का बोलने का लहजा और अंदाज देखने लायक होता है भाषण के दौरान बीच-बीच में कांग्रेस की सरकारों को लपेटना उनकी आदत का हिस्सा है और फिर अपने भाषण में कविताओं शेर शायरी के माध्यम से विपक्ष पर तंज कसना उन्हें खूब आता है इसलिए उनके भाषण को सुनने के लिए सदन में पक्ष और विपक्ष के सदस्य उत्सुक भी रहते हैं लेकिन भाषण के बीच में कई बार वर्मा की बातों पर विपक्ष की ओर से हंगामा मचाने की स्थिति भी देखी गई लेकिन वह जो भी बोलते हैं खरा बोलते हैं इसलिए उनके भाषण का अपना एक अलग ही महत्व होता है अपने क्षेत्र की डिमांड को इतनी सरलता और सटीकता से तथ्यात्मक तरीके से प्रस्तुत करते हैं कि उनकी समस्या से जुड़ा सरकार का मंत्री उनकी डिमांड को पूरा करने के लिए विवश हो जाता है इसके अलावा अपनी ही पार्टी की सरकार से अपने क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए ज्यादा से ज्यादा बजट अलॉट करवाने में भी सफल रहे हैं इसके लिए राजस्थान विधानसभा में तो दमदार तरीके से अपने क्षेत्र की आवाज को बुलंद करते ही हैं इसके अलावा मुख्यमंत्री और मंत्रियों से भी निरंतर मुलाकात और संवाद करते रहते हैं जो बगरू क्षेत्र के सर्वांगीण और समुचित विकास के लिए काफी फायदेमंद साबित हुआ है वर्ष 2013 में जो पहली बार वर्मा विधायक बने थे और संसदीय सचिव भी रहे थे उस समय भी उन्होंने पूरे 5 साल तक बजट में बगरू क्षेत्र को कई विकास कार्यों की सौगात दिलवाई और अब प्रदेश की भजनलाल सरकार में भी बगरू क्षेत्र के विकास को तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं।

मनुष्य और मशीन के बढ़ते 'वैवाहिक संबंध': चिंतनीय पहलू

बीते कुछ बरसों में डिजिटल वर्ल्ड, यांत्रिक बुद्धिमत्ता यानी मशीनी दुनिया ने मनुष्य की दुनिया को इस कदर प्रभावित कर दिया है कि 'एआई' किरदार न केवल कैबिनेट मंत्री बन गई है बल्कि अब मनुष्य और मशीन दोस्त के अलावा पति-पत्नी के रूप में वैवाहिक रिश्ते भी बना रहे हैं। इस तकनीक ने मानव समाज में अद्भुत बदलाव ला दिया है।

हरीश शिवनानी

बात इसी सितंबर की है। एक छोटे देश अल्बानिया ने एक एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस- यांत्रिक बुद्धिमत्ता) 'डिएला' को स्त्री रूप देकर अपनी केंद्रीय सरकार में कैबिनेट मंत्री बना दिया और दुनिया में मनुष्य बनाम तकनीक को लेकर एक बहस की शुरुआत कर दी। इस बहस के बीच ही जापान की एक 32 वर्षीय महिला ऐमी कैनो ने नवंबर में अपने प्रेमी से लंबे ब्रेकअप के बाद चेटजीपीटी 'क्लॉस' से विवाह कर बहस को नया आयाम दे दिया है। कैनो ने 'विवाह' करने के लिए यह 'एआई पर्सोना' (कृत्रिम,आभासी व्यक्ति) चेटजीपीटी पर अपनी बातचीत को स्वानुकूल करके बनाया- उसकी आवाज, टोन, पर्सनेलिटी तय कर एक डिजिटल इमेज भी बनाई और उसे नाम दिया 'क्लॉस'। इतना ही नहीं, उसने विवाह समारोह का आयोजन भी किया जिसमें कानौ ने 'ऑगमेंटेड रियलिटी ग्लास' पहने, जिनमें क्लॉस की लाइफ-साइज इमेज उसके बगल में खड़ी दिखाई दे रही थी। यह कार्यक्रम नाओ और सायाका ओगासावारा ने आयोजित किया, जो '2 डी कैरेक्टर वेडिंग्स' करवाने में विशेषज्ञ हैं यानी वर्चुअल या 'फिक्शनल पार्टनर' से शादी करने वाले लोगों के लिए समारोह। यह मामला तकनीक के अलावा सामाजिक और मनोवैज्ञानिक दृष्टि से काफी दिलचस्प है जिसके कई चिंतनीय पहलू हैं। प्रश्न यह है कि क्या तकनीक अब पति-पत्नी जैसे नितांत निजी और अंतरंग मामले में भी मनुष्य का विकल्प बनने जा रही है? कैनो का 'क्लॉस' से प्रतीकात्मक विवाह पहला मामला नहीं है। मानव और 'पुरुष' या 'स्त्री' रूप बने एआई/रोबोट/होलोग्राम के बीच ऐसे 'विवाह' के अन्य मामले भी हैं जो कानूनी रूप से मान्य नहीं होते, लेकिन भावनात्मक रूप से व्यक्ति के लिए गहन होते हैं। 2017 में चीन के इंजीनियर झेंग जियाजिया ने खुद एक रोबोट 'यिंगयिंग' बनाया और उससे 'विवाह' कर लिया। 2018 में जापान के अकीहिको कोन्डो ने वर्चुअल पॉप स्टार हत्सुने मिकु (एक होलोग्राफिक एआई चरित्र) से तो 2023 में अमेरिकी रोसाना रैमोस ने रेप्लिका ऐप पर बनाए गए चैटबॉट 'एरेन कार्टल' से वर्चुअल मैरिज की। अमेरिका में ही 2025 में ट्रेविस नामक व्यक्ति ने चैटबॉट 'लिली रोज' से डिजिटल समारोह में विवाह किया। इसी तरह अलाईना विंटर्स ने भी एक रोबोट 'लुकास' से विवाह किया। इन विवाहों से सवाल भी उभरते है कि आखिर वह कौन-सी दुनिया है जिसमें इंसान मशीन के पास सुकून खोजने को मजबूर हो जाता है? वह कौन-सा जीवन है जहाँ लोग इतने अकेले हो चुके हैं कि एक डिजिटल साथी के सामने दिल खोलना आसान लगता है? ऐसे विवाह करने वाले सभी लोगों के तर्क में एक सामान्य बात थी कि वे इस भरी दुनिया में बेहद अकेलापन महसूस कर रहे थे और वर्चुअल रूप से उन्हें एक 'परफेक्ट पार्टनर' मिल गया है। दरअसल इन घटनाओं को सतह से नहीं, भीतर से देखने की ज़रूरत है। कभी मानव समाज का स्वरूप वृहद था, लोग एक ही छत के नीचे रहते थे, सब आत्मीय रिश्तों की डोर से बंधे थे।आगे चलकर विवाह का अर्थ बदल गया। रिश्तों का केंद्र 'साथीपन' बन गया, जिसमें अपनेपन की तलाश, भावनात्मक सहारा, दर्द और थकान को साझा करने की अपेक्षाएं थीं, लेकिन आधुनिक दुनिया इस साथीपन को धीरे-धीरे खोखला भी करती गई। समय की कमी, अस्थिर रोज़गार, असुरक्षा का भाव, संत्रास, कुंठा, अवसाद, महानगरों का अजनबीपन सब मिलकर ऐसा माहौल बना रहे हैं,जहाँ रिश्तों का बंधन निभाने का धैर्य कम होता जा रहा है। उनकी दिनचर्या में लोगों से संपर्क तो है, पर संबंध नहीं, आत्मीयता तो कत्तई नहीं। ऐसे माहौल में मन ऐसी उपस्थिति खोजने लगता है जो थकती न हो, शिकायत न करे, गायब न हो जाए। ये विवाह उस खालीपन की तरफ़ ही इशारा करते हैं जिसे भरने के लिए हर कोई अलग राह चुनता है। कोई दोस्ती में, कोई प्रेम में, कोई कला में, कोई आध्यात्मिकता में। इसी आधुनिक जीवन का एक पथ तकनीक से भी होकर गुज़र रहा है। ये घटनाएं सिर्फ 'अनूठी खबर' मात्र नहीं है, बल्कि समाज शास्त्र के एक बड़े बदलाव की ओर संकेत करती हैं- जहाँ मानव संबंधों की पारंपरिक धारणाएँ बदल रही हैं। करीब तीन साल पहले इज़रायल के प्रोफेसर समाजशास्त्री एलियाकिम किस्लेव ने किताब लिखी- 'रिलेशनशिप 5.0: हाऊ एआई,वीआर एंड रोबोट्स विल रिशेप अवर इमोशनल लाइव्स'। यह किताब मानव संबंधों के इतिहास को तकनीकी विकास के चश्मे से देखती है। विकास का पहला चरण प्रागैतिहासिक काल से शुरू होता है। नवीनतम चरण 21वीं शताब्दी का है, जहां यांत्रिक बुद्धिमत्ता, वर्चुअल रियलिटी और रोबोट्स संबंधों का केंद्र बन रहे हैं। तकनीक अब सिर्फ उपकरण नहीं, बल्कि आधुनिक दौर में मशीनें 'भावनात्मक साझेदार' बन रही हैं। वे कहते हैं, 'तकनीक अब हमारा नया जीवन साथी है।' ये 'डिजिटल साथी' भावना अकेल जीवन बिताने वालों के लिए एक वैकल्पिक सहारा बन रहे हैं। मशीनी साथी, खासकर चैटबोट, ऐसी प्रतिक्रियाएँ देते हैं जो सहानुभूति युक्त, स्थिर और प्रशंसात्मक हो सकती हैं। यह व्यवहार 'एम्पैथिक रीफ्लेक्टिंग साथी' जैसा हो सकता है- जो व्यक्ति को यह महसूस कराता है कि उसकी भावनाओं को समझा गया है और वे एआई के साथ गहरा आत्मीय रिश्ता महसूस करने लगते हैं। इतना सब होने के बावजूद यह बिंदु भी गौरतलब है कि ये रिश्ते पारंपरिक सामाजिक संरचनाओं को चुनौती देते हैं, इनके जोखिम भी बहुत हैं। लम्बा भावनात्मक रिश्ता सामाजिक हानि में बदल सकता है। ये रिश्ते भविष्य में लैंगिक अनुपात को तो असंतुलित तो करेंगे ही,पारिवारिक संस्था के विघटन से सामाजिक अलगाव भी ज़्यादा नज़र आएंगे। यदि व्यक्ति भावनात्मक रूप से मशीनी, आभासी रिश्तों पर बहुत अधिक निर्भर हो जाएगा तो एआई के बंद होने, मॉडल बदलने, या सर्विस में बदलाव आने पर उसे झटका भी लग सकता है जो उसे गहरा मानसिक आघात ही पहुंचाएगा।

सम्पादकीय

माफी की गरिमा

माफ करना जीवन की सबसे कठिन और सबसे महत्त्वपूर्ण भावनाओं में से एक है। जब कोई हमें चोट पहुंचाता है, विश्वास तोड़ता है या अन्याय करता है, तो मन में गुस्सा और पीड़ा उठना स्वाभाविक है। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या किसी को माफ करना सच में आसान है ! सच यह है कि माफ करना आसान नहीं होता । इंसान की भावनाएं गहरी होती हैं और चोट भी उतनी ही गहराई तक असर करती है। कई बार हम सोचते हैं कि माफ करना हमारे आत्मसम्मान के खिलाफ है। पर समय के साथ समझ आता है कि माफ करना केवल दूसरे के लिए नहीं, बल्कि अपने मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है । माफ करना यह नहीं है कि हम भूल जाएं या गलत को सही मान लें । यह एक आंतरिक मुक्ति है । उस दर्द और नकारात्मकता से छुटकारा पाने की प्रक्रिया, जो हमें भीतर से कमजोर बनाती है । जब हम माफ करते हैं, तो अपनी ऊर्जा गुस्से और प्रतिशोध से हटाकर शांति और समझदारी की ओर मोड़ते हैं। हर गलती माफ करने योग्य नहीं होती। माफ करना इस बात पर निर्भर करता है कि गलती कितनी बड़ी है, उसका स्वरूप क्या है और उसने हमारे जीवन या भावनाओं को कितना प्रभावित किया है । छोटी गलतियां- जैसे किसी का जवाब न देना या तकरार में कठोर शब्द बोल देना आसानी से माफ किया जा सकता हैं, लेकिन अगर विश्वासघात, अपमान या किसी की गरिमा को ठेस पहुंची हो, तो माफ करना कठिन हो जाता है। इसलिए माफ करने की प्रक्रिया गलती की गंभीरता और उसके प्रभाव पर निर्भर करती है। भीतर कहीं न कहीं रह जाती है । यह याद हमें आगे सतर्क रहने की प्रेरणा देती है। वहीं, अगर कोई दिखावे के लिए 'सारी' कहता है बिना पश्चाताप के, केवल अपनी छवि बचाने के लिए, तो उसे माफ करने की कोई बाध्यता नहीं है। हमें अपने सम्मान और आत्म- मूल्य को भी पहचानना चाहिए। मान लिया जाए कि कोई व्यक्ति जानबूझकर या गलती से हमारे हाथ पर थूक देता है और बाद में वह सुंदर रूमाल से उसे पोंछ देता है । क्या इससे यह तथ्य मिट जाएगा कि उसने ऐसा किया था ? नहीं। भले ही हाथ साफ दिखे, घटना की सच्चाई नहीं मिटती । यही जीवन में भी लागू होता है। किसी ने गलती की, माफी मांगी, हमने माफ कर दिया, लेकिन जो हुआ, वह हमेशा हमारी यादों का हिस्सा महाभारत केवल युद्ध की कथा नहीं, बल्कि मानव स्वभाव, क्षमा और धर्म के संघर्ष की गाथा है। पांडवों ने जीवनभर अनेक अन्याय सहे- छल, अपमान और विश्वासघात । युधिष्ठिर ने कई बार शांति और संवाद का मार्ग चुना। उन्होंने दुर्योधन की अनेक गलतियों को भी माफ किया, क्योंकि वे मानते थे कि क्षमा ही धर्म का मार्ग है। पर जब द्रौपदी का अपमान हुआ और अन्याय अपनी सीमा पार कर गया, तब स्वयं कृष्ण ने कहा, 'जहां अधर्म है, वहां शांति नहीं रह सकती ।' यह प्रसंग यह सिखाता है कि माफ करना श्रेष्ठ है, लेकिन हर परिस्थिति में नहीं । जब किसी की गलती किसी की गरिमा, न्याय या धर्म के विरुद्ध हो जाए, तब मौन रहना भी अधर्म बन जाता है। क्षमा की सीमा वहीं समाप्त हो जाती है, जहां न्याय की आवश्यकता शुरू होती है। भगवान कृष्ण ने अपने जीवन में क्षमा और विवेक का अद्भुत संतुलन दिखाया। उन्होंने शिशुपाल को सौ अपराधों तक माफ किया। हर बार उसे सुधारने का अवसर दिया, लेकिन जब उसने मर्यादा की सीमाएं लांघ दीं, तब कृष्ण ने न्याय किया । यह दर्शाता है कि क्षमा का अर्थ दुर्बलता नहीं, बल्कि धैर्य और विवेक की पराकाष्ठा है। माफ करना जरूरी है, पर अन्याय को स्वीकार करना नहीं । वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि जो लोग दूसरों को माफ करते हैं, वे मानसिक रूप से अधिक स्वस्थ रहते हैं । गुस्सा और नाराजगी मन में दबाकर रखने से तनाव, रक्तचाप और हृदय रोगों का खतरा बढ़ता है। वहीं, माफ करने से मन हल्का होता है, नींद सुधरती है और सकारात्मकता बढ़ती है । इसलिए माफ करना न केवल आध्यात्मिक गुण है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी वरदान है । यह एक दिन में नहीं होता । यह धीरे-धीरे परिपक्व होने वाली भावना है। पहले हमें यह स्वीकार करना होता है कि जो हुआ, वह गलत था । फिर हमें यह तय करना होता है कि क्या हम उस बोझ ' को अपने दिल से उतारना चाहते हैं

डॉ विजय गर्ग

शेख हसीना को मृत्युदंडः दक्षिण एशियाई कूटनीति में भारत की नई चुनौती

बांग्लादेश के न्यायिक संकट और भारत का कूटनीतिक संतुलन शेख हसीना को सुनाई गई मृत्युदंड की सजा के बाद दक्षिण एशियाई राजनीति में उभरते नए समीकरणों का विश्लेषण बांग्लादेश के विशेष न्यायाधिकरण द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को सुनाई गई मृत्युदंड की सजा ने दक्षिण एशिया की राजनीति को गहरे तक झकझोर दिया है। यह फैसला न केवल बांग्लादेश की लोकतांत्रिक विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि भारत को भी अभूतपूर्व कूटनीतिक दुविधा में डालता है। भारत को हसीना की सुरक्षा, प्रत्यर्पण की मांग, सीमा-सुरक्षा, आर्थिक हितों, और क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन के बीच अत्यंत संवेदनशील चालन करना होगा। यह पूरा घटनाक्रम दर्शाता है कि घरेलू राजनीतिक संकट किस प्रकार पड़ोसी देशों के लिए बहुआयामी रणनीतिक चुनौती बन जाता है।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

बांग्लादेश की राजनीति में अभूतपूर्व उथल-पुथल के बीच पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश के न्यायाधिकरण द्वारा मृत्युदंड सुनाया जाना केवल एक अदालती फैसला नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशियाई भू-राजनीतिक परिदृश्य को हिला देने वाला ऐतिहासिक घटना-क्रम है। यह सजा उस समय सुनाई गई जब हसीना पहले से ही भारत में राजनीतिक शरण जैसी स्थिति में रह रही थीं और बांग्लादेश में उनकी सरकार के विरोध में विस्तृत जन-आक्रोश तथा हिंसक आंदोलनों की पृष्ठभूमि मौजूद थी। इस फैसले ने बांग्लादेश की लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता, न्यायिक प्रक्रिया की पारदर्शिता और शासन की स्थिरता को तीव्र विवाद के केंद्र में ला दिया है। लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि यह स्थिति भारत को किस प्रकार गहरे कूटनीतिक द्वंद्व में धकेल रही है, जहाँ हर कदम क्षेत्रीय समीकरणों और द्विपक्षीय हितों पर दूरगामी प्रभाव डाल सकता है। भारत के लिए सबसे पहली चुनौती यह है कि वह इस फैसले पर कैसी आधिकारिक प्रतिक्रिया दर्ज करे। भारत बांग्लादेश का सबसे नजदीकी और सबसे बड़ा साझेदार देश है, जिसके साथ सुरक्षा, व्यापार, ऊर्जा, सीमा-प्रबंधन, कनेक्टिविटी और सांस्कृतिक अन्तःसंबंध जैसे अनेक महत्वपूर्ण क्षेत्र जुड़े हुए हैं। इसलिए भारत किसी भी प्रकार की खुली निंदा या समर्थन का जोखिम उठाने की स्थिति में नहीं है। भारत को लोकतांत्रिक मूल्यों, मानवाधिकार, न्यायिक निष्पक्षता और राजनीतिक स्थिरता के सिद्धांतों को भी साथ में लेकर चलना है, जो उसे क्षेत्रीय नेतृत्व के मानक पर कसते हैं। इसके साथ ही बांग्लादेश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप-नही-करने की नीति भी भारत के लिए अनिवार्य वास्तविकता है। यही कारण है कि भारत के कूटनीतिक वक्तव्यों का स्वर अत्यंत संयत, सावधान और संतुलित रहा है। भारत के सामने दूसरी बड़ी चुनौती शेख हसीना की सुरक्षा और उनके प्रत्यर्पण की संभावित मांग है। हसीना लंबे समय से भारत में सुरक्षित हैं और बांग्लादेश की नई सत्ता-व्यवस्था व न्यायाधिकरण द्वारा उनका प्रत्यर्पण माँगा जाना लगभग निश्चित है। लेकिन भारत-बांग्लादेश प्रत्यर्पण संधि में राजनीतिक अपराध अपवाद का स्पष्ट उल्लेख है, जो भारत को कानूनी आधार देता है कि वह हसीना को बांग्लादेश भेजने से इनकार कर सके। इसके अतिरिक्त, यदि भारत उन्हें प्रतिपक्षीय हिंसा या पक्षपातपूर्ण मुकदमे का शिकार मानता है, तो प्रत्यर्पण देना भारत के मानवाधिकार और लोकतांत्रिक सिद्धांतों के विरुद्ध होगा। किंतु इससे बांग्लादेश सरकार के साथ तनाव बढ़ सकता है, और भारतीय कूटनीति को इसे अत्यंत सावधानी से संभालने की आवश्यकता है। भारत को इस स्थिति का तीसरा बड़ा आयाम क्षेत्रीय स्थिरता के संदर्भ में देखना आवश्यक है। भारत और बांग्लादेश लगभग चार हजार किलोमीटर लंबी साझा सीमा साझा करते हैं, जहाँ अशांति फैलने या राजनीतिक हिंसा बढ़ने से सीमा सुरक्षा, सीमा-पार अपराध, अवैध आवागमन, शरणार्थी प्रवाह और कट्टरपंथी समूहों की गतिविधियों में वृद्धि की आशंका है। पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, मिज़ोरम और असम जैसे राज्यों पर इसका सीधा प्रभाव पड़ सकता है। बांग्लादेश की स्थिरता भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी किसी अन्य राष्ट्रीय रणनीति के लिए। इसलिए भारत चाहता है कि बांग्लादेश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया, सामाजिक शांति और प्रभावी शासन जितनी जल्दी बहाल हो सके, उतना बेहतर है। एक अन्य महत्त्वपूर्ण पहलू यह है कि बांग्लादेश की राजनीति में अस्थिरता से भारत-बांग्लादेश आर्थिक संबंधों पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। दोनों देशों के बीच व्यापक व्यापारिक विनिमय, औद्योगिक सहयोग, बिजली और गैस पाइपलाइन परियोजनाएँ, बंदरगाह विकास समझौते, सीमा-पार रेल और सड़क कनेक्टिविटी, और कई आर्थिक गलियारे चल रहे हैं। यदि बांग्लादेश में राजनीतिक संकट लंबा खिंचता है, तो इन परियोजनाओं की गति धीमी पड़ सकती है, निवेश वातावरण प्रभावित हो सकता है और व्यापार बाधित हो सकता है। यह विशेष रूप से उस समय और भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है जब क्षेत्रीय शक्तियाँ–विशेषतः चीन–बांग्लादेश में सक्रिय रूप से अपनी उपस्थिति बढ़ा रही हों चीन-बांग्लादेश संबंध भारत के लिए लंबे समय से चिंता का विषय रहे हैं। चीन ने बांग्लादेश में बड़े-बड़े बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं, समुद्री समझौतों और सामरिक ठिकानों के माध्यम से अपने प्रभाव का विस्तार किया है। यदि राजनीतिक अस्थिरता के दौरान भारत-बांग्लादेश संबंध कमजोर पड़ते हैं, तो यह चीन को एक बड़ा अवसर प्रदान कर सकता है। इसलिए भारत को ऐसी किसी भी स्थिति से बचना होगा जहाँ उसकी तटस्थता या हसीना के प्रति सहानुभूति को नई बांग्लादेशी सत्ता भारत-विरोधी या अपना-नुकसान समझने लगे। भारत के लिए यह पूर्णतः रणनीतिक चुनौती हैः उसे लोकतंत्र और न्यायिक निष्पक्षता का समर्थन भी करना है और अपनी क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा व सामरिक हितों की रक्षा भी। अमेरिका और पाकिस्तान जैसे देशों की नीतियाँ भी इस घटनाक्रम को और जटिल बनाती हैं। अमेरिका ने कई बार बांग्लादेश में चुनावी पारदर्शिता और मानवाधिकार उल्लंघन पर चिंता जताई है, जबकि पाकिस्तान बांग्लादेश के राजनीतिक उद्देश्यों को भारत-विरोधी दिशा में मोड़ने की कोशिश कर सकता है। भारत इस त्रिकोणीय दबाव के बीच संतुलन साधते हुए एक ऐसी रणनीति अपना रहा है जिसमें वह न तो क्षेत्रीय शक्ति-नीतियों में पीछे हटे और न ही किसी प्रत्यक्ष विवाद में उलझे। भारत का यह संतुलन उसके व्यापक दक्षिण एशिया दृष्टिकोण को भी परिभाषित करता है। लोग-से-लोग संपर्कों और सांस्कृतिक जुड़ावों पर भी इस घटनाक्रम का असर पड़ सकता है। लाखों बांग्लादेशी भारत में कार्यरत हैं, पढ़ते हैं, आते-जाते हैं और सांस्कृतिक विनिमय करते हैं। यदि बांग्लादेश की नई सत्ता भारत के रुख से असंतुष्ट होती है तो इन लोगों पर दबाव बढ़ सकता है, जो दोनों देशों के सामाजिक-सांस्कृतिक वातावरण को अस्थिर कर सकता है। वहीं भारत में रहने वाले बांग्लादेशी शरणार्थियों को भी अधिक सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। सार रूप में देखा जाए तो शेख हसीना को सुनाई गई मृत्युदंड की सजा बांग्लादेश के भीतर गहरा राजनीतिक-न्यायिक संकट है, लेकिन इसका प्रभाव केवल वहीं सीमित नहीं रहता; यह पूरे दक्षिण एशिया के कूटनीतिक, आर्थिक, सुरक्षा और सामाजिक ताने-बाने को प्रभावित करता है। भारत के लिए चुनौती यह है कि वह न केवल अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करे, बल्कि यह भी सुनिश्चित करे कि बांग्लादेश में स्थिरता, लोकतंत्र और न्यायपूर्ण शासन की दिशा में सकारात्मक प्रगति हो। भारत की कूटनीति को धैर्य, सूझबूझ और उच्चतर संवेदनशीलता के साथ आगे बढ़ना होगा। अंततः, यह घटनाक्रम भारत को यह याद दिलाता है कि पड़ोसी देशों की घरेलू राजनीति कभी अकेली नहीं होती; वह सीमाओं से परे प्रभाव डालती है और शक्ति-संतुलन की नई सिरों पर प्रश्न उठाती है।

भारत में नये लेबर कोडः श्रमिक अधिकारों का नया अध्याय

सुनील कुमार महला,

केंद्र सरकार ने 21 नवंबर 2025 शुक्रवार को कार्य परिस्थितियों में बड़े बदलाव का कदम उठाते हुए देश में नई श्रम संहिता (लेबर कोड) लागू कर दी।यह वाकई काबिले-तारीफ है कि निजी एवं असंगठित क्षेत्र के करोड़ों कामगारों के लिए उपयोगी इस नए लेवर कोड में अनिवार्य नियुक्ति-पत्र, न्यूनतम और समय पर वेतन की गारंटी और एक साल में ही ग्रेच्युटी भुगतान की व्यवस्था की गई है, वहीं सामाजिक सुरक्षा का ध्यान रखते हुए ईएसआइसी सुविधा और 40 साल की सेवा के बाद अनिवार्य स्वास्थ्य जांच जैसी सुविधाओं का प्रावधान किया गया है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि ईएसआईसी भारत सरकार की एक सामाजिक सुरक्षा योजना है, जिसका उद्देश्य कर्मचारियों और उनके परिवारों को बीमारी, दुर्घटना, मातृत्व और रोजगार से जुड़ी अन्य आपात स्थितियों में आर्थिक तथा चिकित्सीय सुरक्षा प्रदान करना है। गौरतलब है कि श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने एक्स पोस्ट में नया लेबर कोड लागू करने की घोषणा की है तथा हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'श्रमेव जयते' का नारा देते हुए इसे एक ऐतिहासिक दिन बताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के बाद इसे सबसे बड़ा रिफॉर्म बताया है। उन्होंने कहा है कि -'यह कृषकों को मजबूत बनाने वाला है। श्रमिक भाई-बहनों के लिए सामाजिक सुरक्षा और समय पर वेतन की व्यवस्था सुनिश्चित करेगा। इनसे एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार होगा, जो भविष्य में कामगारों के हकों की रक्षा करेगा और भारत की आर्थिक वृद्धि को नई शक्त्ति देगा, साथ ही विकसित भारत की यात्रा को भी तेज गति मिलेगी।' कितनी अच्छी बात है कि नए लेबर कोड में महिलाओं के लिए खास सुविधाएं जोड़ी गई है वहीं खतरनाक व जोखिम वाले उद्योगों, गिग वर्कर्स और आइटी क्षेत्र में काम करने वाले कामगारों के लिए भी विशेष उपाय किए गए हैं। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि गिग वर्कर्स वे लोग होते हैं जो स्थायी नौकरी की बजाय छोटे-छोटे काम या प्रोजेक्ट के आधार पर काम करते हैं। इन्हें तय मासिक वेतन नहीं मिलता, बल्कि जितना काम करते हैं, उसी के हिसाब से कमाई होती है। आज के समय में ओला-उबर के ड्राइवर, स्विगी-जोमैटो, ब्लिंकिट ,अमेज़न के डिलीवरी पार्टनर, फ्रीलांसर (कंटेंट राइटर, ग्राफिक डिज़ाइनर, वीडियो एडिटर, वेब डेवलपर, डिजिटल मार्केटर आदि), डिज़ाइनर, या अर्बन कंपनी जैसी सर्विस देने वाले लोग गिग वर्कर्स के रूप में जाने जाते हैं। यह काम लचीला होता है, इसलिए लोग अपनी सुविधा अनुसार समय तय कर सकते हैं, लेकिन इसकी सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इसमें स्थायी नौकरी जैसे लाभ जैसे पीएफ, पेंशन, मेडिकल सुरक्षा अक्सर नहीं मिलते। यही कारण है कि गिग वर्कर्स को असंगठित क्षेत्र का हिस्सा माना जाता है।सच तो यह है कि गिग वर्कर्स,खनन श्रमिकों और टैक्सटाइल श्रमिकों के लिए नये लेबर कोड में विशेष इंतज़ाम किए गए हैं,जो सराहनीय हैं। वास्तव में अब गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों सहित सभी श्रमिकों को पीएफ, ईएसआइसी, बीमा और अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ मिल सकेंगे। इतना ही नहीं,खनन श्रमिकों के क्रम में आवागमन दुर्घटना पर मुआवजा, खान में सुरक्षा व स्वास्थ्य मानकों का ध्यान, निशुल्क स्वास्थ्य जांच के साथ ही साथ काम के घंटों की सीमा प्रतिदिन 8 से 12 घंटे, तथा प्रति सप्ताह 48 घंटे तय की गई है। टैक्सटाइल श्रमिकों के लिए भी प्रावधान किए गए हैं।मसलन, ठेकेदार कर्मियों को समान वेतन, कल्याणकारी लाभ, बकाया निपटान के लिए तीन साल की अवधि, तथा ओवरटाइम पर दोगुना भुगतान जैसी व्यवस्थाएं नये लेबर कोड में की गईं हैं। नये लेबर कोड में महिलाओं के लिए खास सुविधाओं में क्रमशः लिंग भेद निषेध, समान कार्य के लिए समान वेतन, महिलाओं को सहमति व जरूरी सुरक्षा उपायों के साथ रात्रि पाली में तथा सभी प्रकार के काम की अनुमति, शिकायत निवारण समितियों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व जरूरी, महिला कर्मचारी के परिवार की परिभाषा में सास-ससुर को शामिल करना, 26 सप्ताह का मातृत्व अवकाश, क्रैच व वर्क फ्रॉम होम की सुविधा के साथ ही साथ 3500 रुपए का मेडिकल बोनस दिए जाने की व्यवस्थाएं भी की गईं हैं। वास्तव में लेबर कोड में विभिन्न सुधारों से कामगारों को निश्चित ही लाभ हो सकेगा। अब निश्चित अवधि के कर्मचारियों (फिक्स टर्म एंप्लॉयीज) सहित सभी श्रमिकों के लिए समय पर और न्यूनतम वेतन की गारंटी की बात कही गई है तथा नियुक्ति पत्र अनिवार्य किया गया है, जिसमें पद, वेतन, सुविधाओं आदि का जिक्र भी किया गया है। इतना ही नहीं, पांच वर्ष के बजाय अब एक वर्ष के बाद ही सामान्य कामगार एवं एफटीई के लिए ग्रेच्युटी, महिलाओं के लिए समान वेतन, सामाजिक सुरक्षा की गारंटी, 40 साल उम्र से ज्यादा पर सालाना मेडिकल चेकअप, ओवरटाइम के लिए दोगुना वेतन, अवकाश, कार्यस्थल पर सुरक्षा, उत्पीड़न, भेदभाव व वेतन संबंधी विवादों का समय पर समाधान, खतरनाक क्षेत्रों में श्रमिकों के लिए 100' स्वास्थ्य सुरक्षा की गारंटी के साथ ही साथ 500 से ज्यादा कर्मचारियों वाले संस्थान में जवाबदेही के लिए सुरक्षा समिति अनिवार्य की गई है। बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि लेबर कोड में श्रम कानूनों को वैश्विक मानदंडों के समान लाने के प्रयास किए गए है। इस नए लेबर कोड से करीब 40 करोड़ लोगों को फायदा होने का अनुमान है। संक्षेप में कहें तो सरकार ने 29 मौजूदा श्रम कानूनों का चार श्रम संहिताओं में संहिताकरण किया गया है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि केंद्र सरकार ने 2020 में संसद में श्रम संहिताओं को पारित करने के पांच साल से भी ज्यादा समय बाद इन्हें लागू किया है। यह भी उल्लेखनीय है कि वेतन संहिता, 2019; औद्योगिक संबंध संहिता, 2020; सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 तथा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थिति संहिता, 2020 जैसे नए कानूनों को मिला कर यह लेबर कोड बनाया गया है। सरल शब्दों में कहा जा सकता है कि भारत के नए लेबर कोड पुराने 29 श्रम कानूनों को मिलाकर बनाए गए हैं, जिनका उद्देश्य श्रमिकों के अधिकारों को मजबूत करना और उद्योगों के लिए नियमों को आसान बनाना है। इन कोडों के तहत मजदूरों को समय पर वेतन, सामाजिक सुरक्षा, सुरक्षित कार्यस्थल और स्पष्ट नियमों का लाभ मिलेगा। वहीं, कंपनियों के लिए रजिस्ट्रेशन और कंप्लायंस की प्रक्रिया सरल हुई है। गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को भी पहली बार सुरक्षा के दायरे में लाने का प्रयास किया गया है। कुल मिलाकर, नए लेबर कोड भारत में श्रमिक हित और औद्योगिक विकास के बीच बेहतर संतुलन बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं।सच तो यह है कि अब नये लेबर कोड से हमारे देश में नौकरियों की पूरी दुनिया ही बदल जाएगी। अंत में यही कहूंगा कि भारत जैसे विकासशील देश में नए लेबर कोड का उद्देश्य श्रम क्षेत्र(लेबर फील्ड) को सरल, पारदर्शी और आधुनिक बनाना है। पाठक जानते हैं कि देश में लंबे समय से श्रम कानून जटिल, पुराने और कई बार विरोधाभासी रहे हैं, जिनकी वजह से न ही श्रमिकों को पूरी सुरक्षा मिल पाती थी, और न ही उद्योगों को सहज वातावरण। नए लेबर कोड इन चुनौतियों को दूर करने की कोशिश करते हैं। इन कोडों के तहत वेतन, सामाजिक सुरक्षा, कामकाजी परिस्थितियों और औद्योगिक संबंधों से जुड़े कानूनों को एकीकृत किया गया है। इससे नियमों की संख्या कम हुई है और उनका पालन आसान हुआ है। श्रमिकों को ईएसआई, पीएफ, ग्रेच्युटी जैसी सुविधाओं तक अधिक पहुँच मिलेगी। गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को भी पहली बार सामाजिक सुरक्षा के दायरे में शामिल करने का प्रयास हुआ है। दूसरी ओर, उद्योगों के लिए पंजीकरण, अनुपालन और रिपोर्टिंग की प्रक्रिया सरल हुई है, जिससे रोजगार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। नए कोड न्यूनतम वेतन, ओवरटाइम और काम के घंटे जैसे प्रावधानों को स्पष्ट करते हैं, जिससे श्रमिक शोषण पर रोक लग सके। वास्तव में, नये लेबर कोड आने से पहले हमारे देश में श्रमिकों की स्थिति काफी जटिल और असंगठित थी।

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, सोमवार
24 नवम्बर, 2025

राकेश जांगिड़ ने बच्चों को दवा पिलाकर प्लस पोलियो अभियान की शुरुआत की

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निसं.) तारानगर के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी एवं भाजपा नेता राकेश जांगिड़ ने कस्बे के उप जिला अस्पताल में नौनिहाल को दवा पिलाकर राष्ट्रीय प्लस पोलियो अभियान की शुरुआत की एवं अस्पताल की विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बच्चों को दवा पीलाते हुए जांगिड़ ने कहा कि आइये देश दुनिया से इस घातक बीमारी को जड़ से मिटाकर स्वस्थ समाज के निर्माण में हम अपना अमूल्य योगदान दें। जांगिड़ ने सभी से अपील करते हुए कहा कि प्लस पोलियो अभियान के तहत आपके नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर अपने 5 वर्ष तक के छोटे बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएं। इस मोके पर बीसीएमओ डॉ.गोपीराम मेघवाल, पीएमओ डॉ. देवीलाल जोशी, बनवारी लाल, अरविन्द जांगिड़, कुलदीप, पवन, दिलदारसिँह सहित अस्पताल स्टाफ मौजूद रहा।

गोपालपुरा गांव में दी विधिक जानकारी

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के न्याय आपके द्वार अभियान के तहत गोपालपुरा गांव में डोर टू डोर जागरूकता कार्यक्रम किया गया। तालुका विधिक सेवा समिति, सुजानगढ़ के निर्देशनुसार पी एल वी अशोक तिवाड़ी को ग्राम वासियो द्वारा समस्याएं बताई गई, जिसमें मुख्य रोड पर ट्रैफिक के कारण आम लोगों को हो रही दिक्कत से अवगत करवाया गया। इसी प्रकार पक्की नालियों के निर्माण की बात भी कही गई। पीएलवी अशोक तिवाड़ी ने बताया कि न्याय आपके द्वार के तहत लोगों को संपर्क नंबर 9119365734 की भी जानकारी दी गई। पैरा लीगल वौलंटीयर अशोक तिवाड़ी ने बताया कि यह अभियान प्रदेश भर में 3 महीने तक चलेगा।

एस आई आर विशेष सेवा शिविर आयोजित

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निसं.)। लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट द्वारा पूरे राजस्थान में संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत रविवार को ट्रस्ट कार्यालय, सोनू इंटरप्राइजेज (केसरिया कंवर मंदिर के पास, तोदी कॉलेज रोड) में एक विशेष सेवा शिविर आयोजित किया गया। यह अभियान उपखंड अधिकारी मोहर सिंह मीणा के निर्देशन और सानिध्य में तथा बूथ लेवल अधिकारी सुरेंद्र कुमार की देखरेख में संचालित हो रहा है।शिविर में ट्रस्ट प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा और दिव्यांग प्रकोष्ठ प्रभारी कमल कुमावत ने आम नागरिकों के लिए निःशुल्क एस आई आर मतदाता परिगणना फॉर्म भरने की सेवा प्रदान की। बताया गया कि पिछले दस दिनों से ट्रस्ट कार्यालय पर फॉर्म भरने का कार्य लगातार तेज गति से किया जा रहा है। प्रशासनिक आदेशों के अनुरूप यह पूरी प्रक्रिया सतर्कता, पारदर्शिता और पूर्ण तत्परता के साथ संपन्न की जा रही है।ट्रस्ट पदाधिकारियों ने बताया कि अभियान का उद्देश्य प्रत्येक योग्य नागरिक का नाम सही रूप से मतदाता सूची में दर्ज कराना, फॉर्म भरने में आने वाली दिक्कतों को दूर करना तथा दस्तावेज़ों की कमी के कारण किसी भी व्यक्ति को वंचित होने से बचाना है।ट्रस्ट ने नगरवासियों से अपील की कि वे बूथ लेवल अधिकारियों का सहयोग करें और शीघ्र अपने मतदाता परिगणना फॉर्म भरें। मनोज शर्मा के निर्देशन में यह अभियान शेखावाटी के सीकर, चूरू और झुंझुनूं जिलों में भी सक्रिय रूप से चल रहा है।

सादगी और सुन्नत तरीके से विवाह की पेश की मिशाल

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। मुस्लिम छिपा वेलफेयर सोसायटी के कोषाध्यक्ष हनीफ भाटी के पोती की शादी बहुत ही सादगी और सुन्नत तरीके से सम्पन्न हुई। जिसमें किसी तरह का कोई दहेज या लेनदेन नहीं हुआ। सलामी में सिर्फ एक रुपया और नारियल दिया गया । सादगी और सुन्नत तरीके की एक मिशाल समाज में जनाब हनीफ भाटी ने कायम की और लोगों के लिए प्रेरणास्पद संदेश दिया। इसी प्रकार हनीफ भाटी के छोटे भाई रफीक साहब के लड़के की सगाई पिछ्ले हफ्ते ही हुई थी और उनके परिवार ने निर्णय लिया कि आज सभी मेहमान आए हुए हैं, क्यों नहीं रफीक साहब के बेटे की शादी आज ही सादगी तरीके से और बिना किसी दहेज या और किसी तरीके के लेनदेन से कर दी जाए। दोनों परिवारों की सहमति से जनाब हनीफ साहब ने अपने भतीजे की शादी भी बिना दहेज या किसी प्रकार के लेनदेन से करवा दी। यानी चट मंगनी और पट ब्याह..वाली कहावत भी साबित हुई।

ग्रामीण क्षेत्र में करोड़ों के विकास कार्यों का लोकार्पण, जनप्रतिनिधियों का ग्रामीणों ने किया स्वागत

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निसं.)। तहसील के ग्रामीण क्षेत्र में पंचायती राज संस्थाओं द्वारा विभिन्न विकास कार्यों का रविवार को भव्य लोकार्पण किया गया। ग्राम पंचायत बन्धनाऊ, उत्तरादा, दिखणादा, पातलीसर बड़ा-छोटा, भादासर व बैजासर सहित कई गांवों में करोड़ों की लागत से पूर्ण हुए विभिन्न कार्यों को जनता को समर्पित किया गया। इन विकास कार्यों में चारदिवारी निर्माण, इंटरलॉक खंरजा, टीन शेड, कक्षा-कक्ष, पुस्तकालय भवन सहित अनेक जनसुविधाओं से जुड़े कार्य शामिल हैं। लोकार्पण कार्यक्रम में पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवां, जिला प्रमुख वंदना आर्य एवं प्रधान प्रतिनिधि व भाजपा जिला उपाध्यक्ष मधुसूदन राजपुरोहित ने ग्रामीणों को नई सौगातें दी गई। कार्यक्रम में जिप सदस्य गिरधारीलाल पारीक, श्योकरण पोटलिया, सरस डेयरी चेयरमैन लालचंद मूंड, भूमि विकास बैंक चेयरमैन ईशरराम डूडी, राजेंद्र सिंह छाजूसर, हिरालाल बैनीवाल, पंचायत समिति सदस्य रामनिवास पारीक, श्यामलाल शर्मा, नरेंद्र सिंह राजपुरोहित, भाजपा मंडल महामंत्री पवन पुरोहित, गुरु धाणका सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवां ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है और किसी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण उत्थान के प्रति संकल्पित है। जिला प्रमुख वंदना आर्य ने बताया कि भाजपा द्वारा ग्रामीण इलाकों में अभूतपूर्व विकास कार्य करवाए गए हैं। उन्होंने कहा कि लंबी सूची के सभी कार्यों का लोकार्पण क्रमबद्ध तरीके से किया जा रहा है। फिर भी यदि कोई कार्य शेष रह गया है तो उसे भी प्राथमिकता से पूरा किया जाएगा। प्रधान प्रतिनिधि व भाजपा जिला उपाध्यक्ष मधुसूदन राजपुरोहित ने बताया कि क्षेत्र में अब तक 600 से अधिक विकास कार्य कराए जा चुके हैं। जिनका चरणबद्ध लोकार्पण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में विकास कार्यों की गंगा बहाई गई है। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मंत्री रिणवां तथा शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। विकास कार्यों के लोकार्पण पर ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों का साफा पहनाकर एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया तथा आभार जताया।

अंडर-14 में दक्षिण मध्य क्षेत्र, अंडर-17 पश्चिम उत्तर प्रदेश ने जीते स्वर्ण पदक....

अंडर-19 वर्ग में राजस्थान ने जीता गोल्ड मैडल

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। नाथोतालाब स्थित सूरज कुमारी गाड़ोदिया आदर्श विद्या मंदिर स्कूल में चल रही अखिल भारतीय प्रतियोगिता के तीसरे दिन विद्यालय परिसर में भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें अतिथि के रूप में संत योगी सुरजीतनाथ महाराज, मुख्तेश सिंह बडेशा, प्रधानाचार्या श्रीमती आशा राठौड़, खेल संयोजक विपिन, सह संयोजिका चांदनी उपस्थित रहे। भगवती पारवानी द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई। इसके उपरांत विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत राजस्थानी लोक-नृत्य ने सभी दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा 'पहलगाम अटैक- ऑपरेशन सिन्दूर' का प्रभावशाली नाट्य प्रदर्शन रहा, जिसने देशभक्ति, साहस और समर्पण की भावना को सजीव कर दिया। सांस्कृतिक संध्या के पश्चात तीसरे दिन की रात में मैचों का क्रम पुनः प्रारम्भ हुआ। अंडर-14 वर्ग के फ़ाइनल में दक्षिण-मध्य क्षेत्र की टीम ने पश्चिम उत्तर प्रदेश को 20-6 से पराजित कर स्वर्ण पदक जीता। वहीं अंडर-19 वर्ग के फ़ाइनल में राजस्थान और दक्षिण-मध्य क्षेत्र के मध्य तीव्र रोमांचक मुकाबला देखने को मिला, जिसमें राजस्थान की टीम ने संयम, कुशल रणनीति और उत्कृष्ट तालमेल का प्रदर्शन करते हुए 66-63 के अंतर से विजय प्राप्त की और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता के सभी मैच संपन्न होने के उपरांत समापन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बीदासर प्रधान संतोष मेघवाल, मदन लाल प्रजापत, सुभाष जी सोनगरा, मुख्तेश सिंह बदेशा, सुबोध सेठिया अतिथि के रूप में मौजूद रहे। समारोह के मुख्य आकर्षण के रूप में अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों को मंच पर आमंत्रित कर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त खिलाड़ियों को क्रमशः स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक प्रदान किएगए। संयोजक मुख्तेश सिंह बदेशा ने खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

क्लॉथ बैंक मुहिम के तहत 134 जरूरतमंदों को दिए कंबल

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निसं.) सर्वधर्म संगम डेरा सच्चा सौदा के संस्थापक बेपरवाह साईं शाह मस्ताना जी महाराज के 134वें पवित्र अवतार दिवस का भंडारा एमएसजी डेरा सच्चा सौदा व मानवता भलाई केन्द्र मौजपुर धाम बुधरवाली में एमएसजी भंडारे के रूप में बड़ी धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित नामचर्चा सत्संग कार्यक्रम में भारी संख्या में साध-संगत ने भाग लेकर साईं जी के अवतार महीने की खुशियां मनाईं। कार्यक्रम के दौरान साध-संगत ने पूज्य गुरु संत डॉ. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इन्सां की पवित्र शिक्षाओं पर चलते हुए मानवता भलाई कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। क्लाथ बैंक मुहिम के अंतर्गत 134 जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए गए। सत्संग की समाप्ति पर भंडारे का प्रसाद व गुरु का अटूट लंगर वितरित किया गया। नामचर्चा सत्संग कार्यक्रम की शुरुआत पवित्र नारे और अरदास के साथ हुई। इसके पश्चात कविराजों ने भजनवाणी के माध्यम से गुरु महिमा का गुणगान किया। तत्पश्चात सत्संग पंडाल में लगाई गई बड़ी एलईडी स्क्रीनों के माध्यम से पूज्य गुरु संत डॉ. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इन्सां ने साध-संगत को अपने पवित्र वचनों से लाभान्वित किया। इससे पूर्व समस्त साध-संगत ने धन-धन सतगुरु तेरा ही आसरा का इलाही नारा लगाकर पूज्य गुरु जी को एमएसजी अवतार भंडारे की बधाई दी। नामचर्चा सत्संग कार्यक्रम के दौरान साईं जी के जीवन से संबंधित एक डॉक्यूमेंट्री भी चलाई गई जिसे देखकर साध-संगत भाव-विभोर हो गई। इस दौरान नशा मुक्ति को प्रेरित करते पूज्य गुरु जी के दो भजन बनाए गए। पूज्य गुरु जी ने साध-संगत को संबोधित करते हुए फरमाया कि अरबों-खरबों बार मुबारक हो, आज का यह पावन दिन हमारे दाता रहबर, साईं शाह मस्ताना जी महाराज जी के 134वें पवित्र अवतार दिवस का शुभ अवसर है। परम पिता परमात्मा से यही अरदास करते हैं कि वे आप सब पर अपनी असीम कृपा बरसाएँ। जन्मों-जन्मों के कर्म काटें, संचित कर्मों को हल्का करें और जीवन में सच्चाई, प्रेम और भक्ति की रोशनी भर दें। डेरा सच्चा सौदा का यह पावन संदेश पूरी दुनिया में प्रेम, भाईचारे और सेवा का उजाला फैला रहा है।

हनी-ट्रैप में फँसाकर वसूली की साजिश, पाटन पुलिस ने बाबरिया गैंग के छह सदस्य दबोचे

दुष्कर्म के झूठे केस में फँसाने की धमकी देकर मांग रहे थे दो लाख

जयपुर टाइम्स

पाटन/नीमकाथाना(निंस.)। हनी-ट्रैप के जरिए युवक को फँसाकर रुपये ऐंठने की कोशिश कर रहे बाबरिया गैंग का पाटन पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरोह की तीन महिलाओं सहित कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर टीम गठित कर आरोपियों को विभिन्न स्थानों से गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार 21 नवंबर को पाटन निवासी अनूज कुमार सैनी गांव धाधेंला पाटन ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।जो की ई-मित्र संचालक है कि एक महिला उससे बातचीत और मुलाकात के बहाने संपर्क में आई। इसके बाद महिला के साथ आए युवक उसे झूठे दुष्कर्म मामले में फँसाने की धमकी देकर दो लाख रुपये की मांग करने लगे। पीड़ित ने पैसा देने से इंकार किया तो आरोपियों ने लगातार दबाव बनाना शुरू कर दिया। पुलिस ने नीमकाथाना, अजीतगढ़ और शाहपुरा क्षेत्र में दबिश देते हुए गैंग से जुड़े छह लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी अशोक पुत्र रमेशचन्द (40 वर्ष) निवासी खिंवाला, थाना पाटन, खुशी देवी पत्नी ओमप्रकाश (30 वर्ष) निवासी बामलड़ा झोहड़ा, थाना अजीतगढ़, ओमप्रकाश पुत्र सांवराम (31 वर्ष) निवासी बामलड़ा, थाना अजीतगढ़, सुमेर पुत्र नाहरू (23 वर्ष) निवासी घाटा, थाना शाहपुरा, जिला अलवर,नारायणी पत्नी सुमेर सिंह (25 वर्ष) निवासी घाटा, थाना शाहपुरा, अलवर कौशल्या देवी पत्नी ओमप्रकाश (30 वर्ष) निवासी बामलड़ा झोहड़ा, थाना अजीतगढ़, सीकर पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी महिला के जरिए पहले परिचय बढ़ाते थे और बाद में मुलाकात के दौरान झांसे में लेकर अश्लील स्थिति पैदा कर फर्जी दुष्कर्म केस दर्ज कराने की धमकी देकर रुपये वसूलते थे। यह गिरोह इलाके में लंबे समय से सक्रिय होने की आशंका जताई जा रही है। आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस गिरोह के अन्य संभावित सदस्यों और पुराने मामलों की भी जांच कर रही है।

सप्तऋषि वेद वेदांग ऋषिकुल ब्रह्मचर्य आश्रम की नई कार्यकारिणी का गठन, हुलासमल व्यास अध्यक्ष निर्वाचित

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निसं.)। शहर के सप्तऋषि वेद वेदांग ऋषिकुल ब्रह्मचर्य आश्रम की नई कार्यकारिणी का गठन संपन्न हुआ। जिसमें हुलासमल व्यास को सर्वसम्मति से संस्थान का अध्यक्ष चुना गया। चुनाव अधिकारी कमला प्रसाद जोशी व राधेश्याम रिणवां की देख रेख में चुनाव संपन्न हुए। आश्रम में आयोजित बैठक की अध्यक्षता बंशीधर बोहरा ने की। चुनाव प्रक्रिया वरिष्ठ सदस्यों की मौजूदगी में शांतिपूर्वक संपन्न हुई। बंशीधर बोहरा व मुखराम नाथोलिया को मुख्य संरक्षक, मुख्य संस्थापक बालकृष्ण कौशिक, सभा अध्यक्ष मुरलीधर शर्मा व उप सभाध्यक्ष कमला प्रशाद जोशी को चुना गया। व्यास सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। नई कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष प्रकाश पारीक, श्याम गिल, मंत्री सुरेंद्र दाधीच, सहायक मंत्री महेंद्र देरासरी, पवन पुरोहित, सयुक्त मंत्री मदनलाल बबेरवाल, संगठन मंत्री सुरेशचंद्र कछावा, सह संगठन मंत्री कुलदीप शर्मा, कोषाध्यक्ष शिवरतन शर्मा, बलदेव शर्मा, व्यवस्थापक बजरंग लाल पारीक, हिसाब परीक्षक देवीदत्त पारीक, गोशाला प्रभारी संतोष पारीक, मीडिया प्रभारी अभिषेक पारीक, रमेश गोड़, मुरलीधर बोचीवाल, भारत गोड़, शंकरलाल उपाध्याय, हेमंत पारीक आदि को शामिल किया गया। नई कार्यकारिणी के गठन के बाद पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देने का क्रम देर शाम तक जारी रहा। स्थानीय नागरिकों ने आशा जताई है कि नई टीम आश्रम की वैदिक परंपरा और शिक्षण गुणवत्ता को नई दिशा देगी। व्यास ने पदभार ग्रहण करते हुए कहा कि आश्रम को शैक्षिक, सांस्कृतिक और वैदिक गतिविधियों के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए सभी सदस्यों के सहयोग से योजनाबद्ध कार्य किए जाएंगे। इस अवसर पर प्रहलाद पारीक, शिवकरण व्यास, पन्नालाल देरासरी, मांगीलाल, गौरीशंकर सरपंच, सागर मल आसोपा, ओमप्रकाश शर्मा, सुभाष शर्मा, राधेश्याम बढ़ाढरा, महावीर प्रशाद जोशी, गोपीचंद बोचीवाल, विनोद शर्मा, गौरीशंकर शर्मा आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ बालकृष्ण कौशिक ने किया।

हाईकोर्ट दे दिए यथास्थिति के आदेश

सुजानगढ़(नि.सं.)। हाल ही में छापर नगरपालिका द्वारा कथित अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई थी, जिस पर टीम को लोगों के विरोध के चलते वापस बैरंग लौटना पड़ा था। इस मामले में अब हाई कोर्ट ने आगामी तारीख तक स्टे के ऑर्डर दे दिए हैं। जानकारी के अनुसार राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर में इस मामले को लेकर भंवर खान पुत्र मांगू खां, निवासी नर्बदा बास, बीड़ छापर द्वारा नगरपालिका छापर के चैयरमेन, नगरपालिका छापर के अधिशाषी अधिकारी, स्टेट ऑफ राजस्थान जरिए सुजानगढ़ तहसीलदार, नूर मोहम्मद निवासी बीड़ छापर के खिलाफ सिंगल बैंच में सिविल रिट पिटिशन दाखिल की गई थी। इस मामले में न्यायाधीश कुलदीप माथुर ने सुनवाई करते हुए आगामी तारीख 8 दिसम्बर तक यथास्थिति के आदेश दिए हैं और बाकी विधिक कार्यवाही को आगे बढ़ाने के लिए भी कहा है।

सांसद से की बाई पास सड़क की मांग

सुजानगढ़(नि.सं.)। निकटवर्ती गांव गोपालपुरा के ग्रामीणों ने एक ज़ापन चूरू जिला सांसद राहुल कस्वा को भेजकर गांव में घंटो तक होने वाले ट्रेफिक जाम की समस्या से निजात दिलाये जाने की मांग की है। ज़ापन में ग्रामीणों ने बताया है कि गोपालपुरा, घंटियाल बाई पास रूपेली, बालेरां, दूंकर को सीधा स्टेट हाईवे नोखा बीदासर या बीदासर श्रीडूंगरगढ़ से संपर्क सड़क का निर्माण कर जोड़ दिया जावे, ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके। ज़ापन में बताया गया है कि ऐसा करने से ग्रामीण क्षेत्र की करीब 30-40 हजार की जनसंख्या को फायदा होगा। साथ ही कटाण का रास्ता होने के कारण मुआवजा राशि भी बचेगी और गोपालपुरा गांव के लोगों को ओवरलोडिंग वाहनों की समस्या से निजात मिल सकेगी। इसलिए इस बाई पास सड़क का जल्द से जल्द निर्माण कर जनता को राहत प्रदान की जावे। ज़ापन पर बुधाराम, पूनमचंद, डूंगरराम, मांगीलाल, माणकचंद, भागीरथ प्रसाद आदि लोगों के हस्ताक्षर हैं।

पोलियो मुक्त अभियान के तहत बूथों पर पिलाई बच्चों को पोलियों की दवाई

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निसं.)। तहसील क्षेत्र में पल्स पोलियो महा अभियान नवंबर 2025 के तहत शहरी क्षेत्र में 35 बूथ एवं पांच ट्रांजिट बूथ एवं एक मोबाइल टीम कुल 43 बूथ के द्वारा 23 नवंबर 25 को कुल 12431 बच्चों को दवा पिलाई गई। पल्स पोलियो महा अभियान का शुभारंभ डॉ चंद्रभान जांगिड़ पीएमओ एवं दीपक बैद पार्षद तथा राजकरण सोनी के द्वारा किया गया। इसी क्रम में निकटवर्ती गांव बरड़ासर में रविवार को राष्ट्रीय पल्स पोलियो दिवस पर नेत्रदान एवं रक्तदान जनजागरण अभियान के जिला संयोजक गणेशदास स्वामी ने एक बच्चे को दो बूंद पोलियो की दवा पिलाकर राजकीय उप स्वास्थ्य केन्द्र बरड़ासर में कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि भारत पोलियो मुक्त है लेकिन कुछ देशों में पोलियो अभी भी है और फिर लौट सकता है। अपने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा जरूर पिलावें। पोलियो पर देश की जीत बनाए रखने में अपना योगदान दें। उप स्वास्थ्य केन्द्र की एएनएम संदीपा ने 0 से 5 वर्ष तक के हर बच्चें को हर बार पोलियो की खुराक पिलाने का आव्हान किया। इस अवसर पर आशा, मन्जू, सहायिका शारदा, कार्यकर्ता रूक्मणी सहित बच्चे व उनके अभिभावक उपस्थित थे।

नवलगढ़ में सुशील पारीक का दौरा, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

जयपुर टाइम्स

नवलगढ़(निसं.) नवलगढ़ में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एवं राजस्थान युवा बोर्ड के पूर्व वाइस चेयरमैन सुशील पारीक नवलगढ़ पहुंचे। इस दौरान नवलगढ़ प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष लोकेश जांगिड़ के नेतृत्व में साफा व फूल माला पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया गया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सुशील पारीक ने भाजपा सरकार पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि नवलगढ़ में पिछले दो वर्षों में एक भी विकास कार्य नहीं हुआ है। सरकार विकास के नाम पर केवल सड़कों के नाम बदलने में लगी हुई है,असल विकास की ओर उसका ध्यान ही नहीं है। इस मौके पर बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे,जिनमें समाजसेवी कैलाश चोटिया,अभिभाषक संघ अध्यक्ष संपत सिंह शेखावत,ब्लॉक अध्यक्ष बलदेव सैनी,सेवादल के अयूब बिलू,सेवादल कांग्रेस विधानसभाअध्यक्ष जिताराम सैनी,जिला कांग्रेस महासचिव अदनान खत्री,पार्षद प्रदीप शर्मा,आरिफ चौहान, महेंद्र सैनी,कामरान खान,प्रमोद शर्मा,चंद्रप्रकाश पाराशर,जावेद बिसायती, रूघवीर सैनी,आदिल खत्री,सीताराम जेदिया,कैसर देव नायक,दीपक इंदौरिया,राजेंद्र रोलन,मनु गुजराती और वशीम तगाला सहित कई कार्यकर्ता शामिल थे।

अग्रसेन नगरवासियों ने हवन में दी आहूतियां

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.) अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में चल रही रथ यात्रा का रविवार को अग्रसेन नगर में पहुंचने पर पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया। अग्रसेन नगरवासियों ने रथ में सुसज्जित अखण्ड दीपक का दर्शन कर आरती की। यज्ञ के माध्यम से राम सिंह राठौड़ वरिष्ठ वान प्रस्थी शांतिकुंज, ने संस्कारों का महत्व बताया। इस अवसर पर 10 घरों में देव स्थापना की गई। अग्रसेन नगर में काफी लोगों को दीक्षा दी गई। इस मौके पर बहिन नेहा का पुंसवन संस्कार किया गया। इस अवसर पर मदनलाल राजपुरोहित, ओमप्रकाश इंदौरिया, रामनरेश अग्रवाल, सांवरमल रांकावत, जगदीश शर्मा, विमल भटनागर, महेंद्र शर्मा, सज्जन लाटा, सोहनलाल शर्मा, कल्याण सिंह राजपुरोहित, प्रमोद गौड़, महेंद्र कुमार कश्यप, डॉ नवीन गौड़, अशोक सिंह विदावत, अरुण शर्मा व भगीरथ सैन आदि मौजूद रहे।

अस्पताल में समस्या समाधान केन्द्र ने बच्चों को पिलाई पोलियों की खुराक

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। गढ परिसर स्थित सैटेलाईट अस्पताल में राष्ट्रीय स्वास्थ्य विभाग के तहत पल्य पोलियों अभियान में समस्या समाधान केन्द्र के अध्यक्ष सत्यनारायण व्यास व सचिव प्रमोद शर्मा व प्रेमकुमार बगड़िया ने पांच वर्ष के बच्चों को पोलियों की खुराक पिलाई। इस अवसर पर अस्पताल प्रभारी ओमप्रकाश धानिया ने बताया कि पोलियों से भारत मुक्त हो चूका है। लेकिन इसके वायरस अभी कई पड़ौसी देशों में मौजूद है। हमारे देश में वो वायरस घूसपैठ नहीं करें के बचाव में यह राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन चलाया है, ताकि हम इससे बच सके। इस अवसर पर चिकित्साकर्मी वंदना, योगिता, सुनीता, विकास कुमार, बालकिशन मौजूद रहे।

बच्चों को पिलाई दो बूंद जिंदगी की

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। विश्व पल्स पोलियो दिवस के रूप में सुजानगढ़ ब्लॉक में पल्स पोलियो की दवाई पिलाई गई जिसमें दो मेंबर के 36 एवं चार मेंबर वाले 162 और ट्रांसिट 8 इस प्रकार टोटल 206 बूथ पर पूरे सुजानगढ़ ब्लॉक में पल्स पोलियो की दवा पिलाई गई। ब्लॉक सीएमएचओ डॉक्टर भूपेंद्र ने बताया कि शहरी एरिया सुजानगढ़ में टोटल 18151 और शहरी एरिया छापर में 3750 और ग्रामीण सुजानगढ़ के अंदर 30758 बच्चे है, जिनमें पहले दिन पल्स पोलियो की टोटल 42093 खुराक पिलाई गई। यह पल्स पोलियो दिवस अभियान 3 दिन चलेगा, जिसमें पहले दिन का अचीवमेंट 80' रहा। बाकी बचे हुए सुजानगढ़ ब्लॉक के बच्चों को स्वास्थ्य विभाग के द्वारा घर-घर जाकर आगामी दो दिवस में दवा पिलाई जाएगी और पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाया जाएगा।

गांव पायली में मायरा की कथा के साथ हुआ एक कुंडीय यज्ञ भी शुरू, श्रद्धालुओं ने दी आहुतियां

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निसं.)। तहसील के गांव पायली में स्थित ओम बन्ना धाम के 13वें वार्षिकोत्सव पर चल रही सात दिवसीय नानी बाई का मायरा की कथा के दूसरे दिन रविवार को कथा वाचक रणवीर भाई शेखावाटी वाले ने कहा कि जिस घर में महिलाओं का सम्मान होता है, वहां लक्ष्मी का वास होता है। उन्होंने कहा कि महिलाएं पूरे

परिवार का ध्यान रखती है और बिना रूके दिन-रात परिजनों की सेवा करती है, ऐसे में हमारा भी कर्त्तव्य है कि हम महिलाओं का सम्मान करें। महाराज ने कथा के दौरान नरसी मेहता के प्रसंग पर विस्तार से प्रकाश डाला। कथा के प्रारंभ में मुख्य यजमान जसवंतसिंह दंपत्ति ने व्यासपीठ की पूजा-अर्चना की। दिनकर महाराज के सानिध्य में चल रहे वार्षिकोत्सव के अंतर्गत एक कुंडीय हवन का भी आयोजन किया जा रहा है। पंडित अधिमोहन तिवाड़ी ने रविवार को काल सर्प दोष, गृह शांति, पितृ दोष, मंगल दोष, संतान प्राप्ति आदि बाधाओं के निवारण के लिए यज्ञ में आहुतियां दिलवाई। इस दौरान दिनकर महाराज ने कहा कि यज्ञ केवल आहुति देने के लिए नहीं होता, बल्कि जीवन को उच्च आदर्शों की ओर ले जाने का पवित्र मार्ग है। यज्ञ का अर्थ समर्पण, त्याग व शुभ संकल्पों का जागरण है। वेदों में यज्ञ को सृष्टि का आधार कहा जाता है, क्योंकि यज्ञ से ही संतुलन, पवित्रता एवं दिव्यता आती है। महाराज ने कहा कि जब हम अपने भीतर के नकारात्मक भावों को अग्नि में समर्पित करेंगे, तभी हमारे सदभाव व धर्म के मार्ग प्रशस्त होंगे। इस अवसर पर पूर्णसिंह, डॉ गुलाबचंद वर्मा, जगदीशसिंह, जोधराजसिंह, जमनाराम, भंवरलाल सारस्वत, मगनसिंह, मालूसिंह, घीसूसिंह, सवाईसिंह, करणीसिंह, उमाकांत शर्मा, राजेंद्रसिंह शेखावत, बचनसिंह सहित काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

स्टेट हाइवे 37 पर दो कारों की टक्करः एक मजदूर की मौत, 2 गंभीर घायल

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस.) स्टेट हाईवे 37 पर गुढ़ा थाना इलाके में लीलो की ढाणी के पास शनिवार देर शाम तेज रफ्तार से आ रही दो कारों की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक कार बेकाबू होकर सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से टकरा गई, जिससे खंभा टूटकर गिर गया। इसी दौरान पास से गुजर रहे दो बेकसूर मजदूर इसकी चपेट में आ गए। दुर्घटना में प्रतापगढ़ निवासी एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य मजदूर और कार सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद तुरंत झुंझुनूं रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, दुर्घटना शनिवार शाम को हुई। जोरदार टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। टक्कर के बाद एक कार बेकाबू होकर उछली और सड़क किनारे खड़े बिजली के पोल से जा भिड़ी, जिससे पोल टूटकर सड़क पर आ गिरा और क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। सबसे दुखद पहलू यह रहा कि दुर्घटना के समय मजदूर विकास पुत्र शंकरलाल (निवासी प्रतापगढ़) और सोहन पुत्र प्रथु सड़क किनारे से अपने घर की ओर पैदल लौट रहे थे। बेकाबू हो चुकी कार ने दोनों मजदूरों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में विकास पुत्र शंकरलाल की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उसका साथी मजदूर सोहन पुत्र प्रथु और कार में सवार बेसलाना निवासी कुलदीप पुत्र रामेश्वर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और घायलों को क्षतिग्रस्त वाहनों से बाहर निकाला। सूचना मिलते ही पुलिस और एम्बुलेंस टीम मौके पर पहुंची। दोनों गंभीर घायलों को तुरंत नजदीकी हेल्थ केंद्र ले जाया गया, जहां उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए उन्हें तत्काल झुंझुनूं रेफर कर दिया गया। टक्कर में शामिल दोनों कारों का आगे का हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया है।

झुंझनूं की जनता भाजपा की कार्यशैली से नाराज

कांग्रेस की जिलाध्यक्ष बोलीं- ये कांग्रेस के लिए सकारात्मक माहौल; इस बार जिले की 7 सीट जीतेंगे

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निसं.) महिला जिलाध्यक्ष बोलीं- 'गुटबाजी नहीं, सभी सीटों पर जीतेंगे। झुंझुनूं में शनिवार देर शाम कांग्रेस हाईकमान ने मंडावा विधायक रीटा चौधरी को झुंझुनूं जिला कांग्रेस कमेटी का नया जिलाध्यक्ष नियुक्त किया। यह भाजपा के बाद अब कांग्रेस में भी पहली बार किसी महिला को यह अहम संगठनात्मक जिम्मेदारी मिली है। रीटा कांग्रेस नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रामनारायण चौधरी की बेटी हैं। संगठन की कमान संभालने के बाद रविवार को मीडिया से खास बातचीत में रीटा चौधरी ने गुटबाजी की चर्चाओं को खारिज किया और आगामी चुनाव में सभी 7 सीटें जीतने का दावा किया। रीटा चौधरीः दोहरी जिम्मेदारी जरूर चुनौतीपूर्ण है, लेकिन इससे जनता से मेरा जुड़ाव और मजबूत होगा। विधायक होने के नाते मैं जनता की समस्याएं सीधे सुनती हूं और विधानसभा तक पहुंचा सकती हूं। साथ ही जिला अध्यक्ष के रूप में संगठन को मजबूत रखना भी मेरी जिम्मेदारी है। मैं दोनों भूमिकाओं में संतुलन बनाए रखूंगी और क्षेत्र में सक्रिय रहूंगी। रीटा चौधरीः संगठन चलाना आसान नहीं होता, लेकिन लगातार मैदान में रहने से काम सुचारू चलेगा। जिले के सभी बड़े मुद्दे मैं विधानसभा में और बाहर, दोनों जगह उठाऊंगी। मुझे अभी तीन मुख्य काम करने है जैसे संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना, सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को एक मंच पर लाना और टीमवर्क से चुनाव की तैयारी करना। 2023 के विधानसभा और लोकसभा चुनावों में कांग्रेस नेताओं ने मिलकर काम किया था, आगे भी यही एकजुटता रहेगी। रीटा चौधरीः झुंझुनूं हमेशा कांग्रेस का मजबूत जिला रहा है। पिछली बार कुछ सीटें स्थानीय नाराजगी की वजह से हारी थीं, लेकिन अब माहौल बदल रहा है। प्रदेश और जिले में जनता भाजपा की कार्यशैली से नाराज है। हमें पूरा भरोसा है कि अगली बार सभी 7 सीटें कांग्रेस जीतेगी। उन्होंने बताया कि जल्द ही सभी नेताओं की बैठक कर ऐसी कार्यकारिणी बनाई जाएगी जिसमें सक्रिय और समर्पित कार्यकर्ताओं को शामिल किया जाएगा। गोविंद सिंह

डोटासरा के बूथ मॉडल को और मजबूत किया जाएगा। रीटा चौधरीः झुंझुनूं में 'ओला गुट' और 'चौधरी गुट' जैसी चर्चाएं होती रहती हैं, लेकिन मेरे लिए सभी नेता सम्मान के योग्य हैं। उन्होंने कहा- मेरे पिता रामनारायण चौधरी और शीशराम ओला जी एक साथ काम करते थे। संबंध हमेशा सहयोग और सम्मान के होते हैं। बृजेन्द्र ओला से भी मेरे अच्छे संबंध हैं। यहां गुटबाजी नहीं, सिर्फ काम की बात है।वह कार्यकर्ताओं को एक मंच पर लाकर, उन्हें जिम्मेदारी देकर और फील्ड में सक्रिय रखकर संगठन में नई ऊर्जा लाने वाली हैं। रीटा चौधरीः पार्टी ने जिले के सभी विकल्पों पर विचार करने के बाद मुझे जिलाध्यक्ष चुना है। मैं जाट समाज से आती हूं, जो जिले का एक बड़ा वर्ग है। मुझे पहली महिला जिलाध्यक्ष के रूप में चुना गया है, जो पार्टी के महिला सशक्तिकरण के संदेश को मजबूत करता है। मैं तीन बार विधायक रही हूं और वर्तमान में प्रदेश महासचिव के तौर पर कार्यरत हूं, जिससे मेरे अनुभव और सक्रियता का फायदा मिला। मैंने महिला कांग्रेस में भी लंबे समय तक काम किया है और मुझे जिले के कई नेताओं का समर्थन भी प्राप्त है। पार्टी में सबकी भूमिका रहेगी। किसी परिवार की भूमिका घटाने या बढ़ाने का कोई सवाल नहीं है। हमारा लक्ष्य सिर्फ संगठन को मजबूत करना है।

मंडावा विधायक रीटा चौधरी बनीं झुंझुनूं कांग्रेस की नई अध्यक्षः पार्टी ने गुटबाजी के बीच महिला नेतृत्व पर जताया भरोसा

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस.) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने झुंझुनूं जिले में बड़ा संगठनात्मक बदलाव करते हुए मंडावा विधायक कुमारी रीटा चौधरी को पार्टी का नया जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। पार्टी आलाकमान ने 2023 के विधानसभा चुनाव में शानदार जीत हासिल करने वाली तेजतर्रार नेता रीटा चौधरी पर भरोसा जताते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। बता दें कि उनके स्वर्गीय पिता राजस्थान कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष रामनारायण चौधरी थे, जिन्हें दिग्गज नेता माना जाता था। उन्होंने कई बार मंत्री पद भी संभाला। विधायक होने के साथ-साथ अब रीटा चौधरी जिले में कांग्रेस पार्टी की गतिविधियों और संगठन की मजबूती का केंद्र भी होंगी। पार्टी ने जिले में एक मजबूत, अनुभवी और जनाधार वाली महिला नेतृत्व पर दांव लगाया है। जिला अध्यक्ष पद के लिए कई दिग्गज दावेदार थे, जिनमें सांसद बृजेन्द्र ओला गुट के खलील बुडाना और पूर्व जिला प्रमुख सुमन रायला भी शामिल थे। इन्होंने आवेदन भी किए थे। हालांकि, पार्टी ने सभी को दरकिनार करते हुए रीटा चौधरी के राजनीतिक कौशल और जनाधार पर विश्वास व्यक्त किया है। 2008: पहली बार मंडावा से चुनाव जीता और विधायक बनीं। 2013: कांग्रेस से टिकट न मिलने पर बागी होकर चुनाव लड़ा और दूसरे स्थान पर रहीं। 2018: भाजपा के नरेंद्र कुमार से मात्र 2,346 वोटों के करीबी अंतर से हारीं। 2019 (उपचुनाव): 2018 की हार के बाद शानदार वापसी करते हुए 33,704 वोटों के भारी अंतर से जीत दर्ज की। 2023: भाजपा के नरेंद्र कुमार को 17,509 वोटों के निर्णायक

अंतर से हराकर लगातार दूसरी बार विधायक बनीं। उन्होंने मंडावा सीट से अब तक तीन बार (2008, 2019, और 2023) जीत हासिल की है। उपचुनाव और 2023 के चुनाव में उनकी निर्णायक जीत ने उनकी लोकप्रियता और राजनीतिक कौशल को साबित किया, जिसके आधार पर उन्हें अब जिला अध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। यह रहेंगी चुनौतीः जिला अध्यक्ष के रूप में रीटा चौधरी की प्राथमिक चुनौती जिले में कांग्रेस संगठन को मजबूत करना होगा। सबसे बड़ी चुनौती जिले में कांग्रेस के विभिन्न गुटों को एक साथ लेकर चलना और आपसी मनमुटाव को दूर कर संगठनात्मक एकता स्थापित करना होगा।

झुंझुनूं में कम-वोल्टेज से जल रही है कुओं की मोटर

परेशान किसानों ने किया विरोध प्रदर्शन, 27 नवंबर को पावर हाउस घेराव की चेतावनी

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निसं.) परेशान किसानों का विरोध प्रदर्शन, 27 नवंबर को पावर हाउस घेराव की चेतावनी झुंझुनूं के घरड़ाना खुर्द क्षेत्र में कृषि कुओं पर गंभीर रूप से कम वोल्टेज की समस्या से परेशान किसानों ने रविवार को पावर हाउस घरड़ाना खुर्द पर अखिल भारतीय किसान महासभा (ढ्ढ्यरु) के बैनर तले विरोध प्रदर्शन किया। किसानों ने रोष व्यक्त करते हुए विरोध स्वरूप लगभग दो घंटे तक विद्युत सप्लाई को बाधित रखा। परेशान किसानों ने किया विरोध प्रदर्शन, 27 नवंबर को पावर हाउस घेराव की चेतावनी किसानों का कहना था कि क्षेत्र में वोल्टेज इतना कम आ रहा है कि उनकी मोटरें या तो जल जाती हैं या फिर अधिकांश समय बंद पड़ी रहती हैं। इससे किसानों को भारी नुकसान हो रहा है और वे बेहद परेशान हैं। प्रदर्शनकारी किसानों में कम वोल्टेज की इस समस्या को लेकर जबरदस्त आक्रोश है। किसानों द्वारा विरोध प्रदर्शन और विद्युत आपूर्ति बाधित करने की सूचना पर, अखिल भारतीय किसान महासभा के नेताओं ने मुख्य अभियंता और अन्य उच्चाधिकारियों को फोन पर समस्या से अवगत

कराया। अधिकारियों ने किसानों को 26 नवंबर तक इस गंभीर वोल्टेज समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया। अधिकारियों से आश्वासन मिलने के बाद, किसानों ने अपना विरोध प्रदर्शन समाप्त कर दिया। हालांकि, किसानों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि 26 नवंबर तक समस्या का हल नहीं होता है, तो वे 27 नवंबर को पावर हाउस घरड़ाना खुर्द का घेराव करेंगे। इस विरोध प्रदर्शन को अखिल भारतीय किसान महासभा के राष्ट्रीय सचिव रामचंद्र कुलहरि ने संबोधित किया। उनके साथ, हरपाल सिंह राव, राजकपूर, बिरबल हवलदार, संदीप राव, मंदरूप, अशोक राव, हेमंत, विनोद, सत्यवीर, लीलाधर सहित बड़ी संख्या में किसान और स्थानीय नेता उपस्थित थे।

विधायक हरलाल सहारण ने बच्चों को पिलाई पल्स पोलियो खुराक

1494 बूथों पर पिलाई गई पल्स पोलियो खुराक

उप-राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत सोमवार व मंगलवार को घर-घर जाकर पिलायेंगे खुराक

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.) उप-राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान का शुभारंभ राजकीय डेडराज भरतिया अस्पताल चूरू में पल्स पोलियो बूथ पर चूरू विधायक हरलाल सहारण ने बच्चों को पोलियों की खुराक पिलाकर किया। जिलेभर में 1494 बूथों पर पल्स पोलियो की दवा पिलाई गई। अभियान के तहत 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियोरोधी दवा पिलाने के लिए बूथ बनाए गए हैं।जिले मे 3 लाख 24 हजार 789 बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक पिलाई जावेगी। इस दौरान राजकीय डेडराज भरतिया अस्पताल के अधीक्षक डॉ दीपक, आरसीएचओ डॉ राजेश गुप्ता व अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एहसान गौरी, बीसीएमओ डॉ.जगदीश सिंह भाटी व डीईओ हेमराज मौजूद रहे। आरसीएचओ डॉ राजेश गुप्ता ने बताया कि विश्व सें पोलियो के वायरस का लगभग उन्मूलन हो चुका है। भारत में वर्ष 2014 में पोलियो का उन्मूलन हो चुका है तथा गत वर्षों से पोलियो रोग का एक भी रोगी नहीं पाया गया है। भारत को पोलियो मुक्त बनाये रखने के लिये 5 वर्ष के सभी बच्चों को एक साथ बूथ पर लाकर दवा पिलाना अति आवश्यक है। उन्होंने बताया कि ईंट-भट्ठों पर कार्यरत मजदूरों एवं घुमन्तु जातियों के बच्चों को पोलियो की वैक्सीन पिलाई जाएगी। आरसीएचओ डॉ राजेश गुप्ता ने बताया कि 23 नवम्बर को बूथ पर पोलियो की दवा पिलाई गई तथा दूसरे व तीसरे दिन स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा घर-घर जाकर बच्चों को दवा पिलाई जायेगी। अभियान के तहत घुमन्तु जातियों विशेष तौर पर गाडिया लौहारों, पत्थरों का कार्य करने वालों, गृह निर्माण व ईट भट्ठों पर कार्य करने वाले श्रमिकों के बच्चों के लिए विशेष अभियान चलाकर पोलियो की दवा पिलाई जाएगी।

विशाल चिकित्सा शिविर में 232 लोगों को किया लाभान्वित

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.) लायंस क्लब ने गुंजन राजगढ़िया फाउंडेशन के आर्थिक सौजन्य से जीवन रेखा हॉस्पिटल में एक विशाल मल्टी-स्पेशियलिटी चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया। क्लब प्रवक्ता लायन सुनील रंजन टकणेत ने बताया कि शिविर में इटर्नल हॉस्पिटल जयपुर के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. जितेंद्र सिंह मक्कड़ और जाने-माने आंत एवं पेट रोग विशेषज्ञ डॉ. कपिलेश्वर विजय ने अपनी विशेषज्ञ सेवाएं प्रदान कीं। इस शिविर में कुल 232 लोगों ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। मरीजों की सुविधा के लिए शिविर के दौरान इको, ईसीजी एवं सीबीसी जैसी महत्वपूर्ण जांचें निःशुल्क की गई। जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को बड़ी राहत मिली। विधायक हरलाल सहारण ने शिविर में हो रहे सेवा कार्यों को देखा और व्यवस्थाओं की सराहना की। विधायक सहारण ने गुंजन राजगढ़िया फाउंडेशन के ट्रस्टी महेंद्र राजगढ़िया और लायंस क्लब चूरू को इस पुनीत कार्य के लिए साधुवाद दिया।हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. जितेंद्र सिंह मक्कड़ ने लोगों को नियमित रूप से रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल की जांच कराते रहने की सलाह दी। उन्होंने तनाव से बचने, संतुलित आहार लेने और रोजाना कम से कम 30 मिनट व्यायाम करने के महत्व पर ज़ोर दिया। आंत एवं पेट रोग विशेषज्ञ डॉ. कपिलेश्वर विजय ने फाइबर युक्त भोजन करने, पानी की पर्याप्त मात्रा बनाए रखने और अनावश्यक दवाओं के सेवन से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पाचन तंत्र की समस्याओं को नज़रअंदाज़ करना गंभीर रूप ले सकता है, इसलिए शुरुआती लक्षणों पर ही डॉक्टर से सलाह लेना आवश्यक है। इस अवसर पर विनोद लूणिया, मुरली उंटवालिया, शेरू गोयनका, गौरीशंकर गोयनका, लालचंद लोहिया, विवेक

गोयनका, भीकमचंद बगड़िया, अरविंद सराफ, रघुनाथ खेमका, योगेश सोनी, अरविंद बगड़िया, और पवन बगड़िया आदि शामिल रहे।शिविर में लायंस क्लब के अध्यक्ष राजीव शर्मा, गुंजन राजगढ़िया फाउंडेशन के ट्रस्टी महेंद्र राजगढ़िया, राहुल खेमका, एजीएम विक्रांत शर्मा, और सीनियर एग्जीक्यूटिव सागर जांगिड़ के साथ-साथ क्लब के सदस्यों का अमूल्य योगदान रहा।इस अवसर पर महेंद्र धानुका, राजीव चाहर, आकाश सोनी, संजीव वर्मा, चंद्रप्रकाश खत्री, विजय इसरानी, कमल जांगिड़, रघुवीर सिंह गुरावा, संजय मित्तल, ताराचन्द प्रजापत, बालकिशन राजगढ़िया, प्रमोद सगतानी, प्रदीप लहरी, शकरलाल सैनी, मनोज जांगिड़, शैलेन्द्र माथुर, मुकुल सिगतिया, चंद्रशेखर अग्रवाल, दीनदयाल सैनी, आबिद खान, अशोक जांगिड़ व महेश हारीत आदि प्रमुख रहे। शिविर में गुंजन राजगढ़िया फाउंडेशन के महेंद्र राजगढ़िया ने डॉक्टर्स की टीम को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया एवम लायंस क्लब, चूरू ने सभी गणमान्य नागरिकों, सहयोगियों, डॉक्टर्स और जीवन रेखा हॉस्पिटल प्रबंधन का धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन जॉन चौयरमेन चंद्रप्रकाश खत्री ने किया।

समारोह में भामाशाहों को किया सम्मानित

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.) गायत्री नगर में महात्मा ज्योति राव फूले सैनी समाज संस्था के नवनिर्मित फूले भवन का लोकार्पण झुंझुनूं चंचलनाथ टीला के पीठाधीश्वर ओमनाथ महाराज व विचारनाथ आदि ने किया। समारोह की अध्यक्षता भामाशाह परमेश्वर लाल कम्मा ने की। कार्यक्रम में पूर्व सभापति पायल सैनी, भामाशाह आशाराम सैनी, समाजसेवी यशोदा देवी, सांवरमल सैनी, लिछुराम जमालपुरिया, चंद्रमोहन सैनी, जगदीश प्रसाद कटारिया, राजकुमार बबेरवाल, शंकरलाल बालाण, मंगतुराम तंवर, महावीर प्रसाद सिंगोदिया, राजकुमार बबेरवाल, भगवानाराम दहिया व मुकेश पंवार आदि मंचस्थ रहे। कार्यक्रम में ज्योतिबा फूले व मां सावित्री बाई फूले के चित्र के आगे दीप प्रज्वलित कर पट्टिका का अनावरण कर नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में पूर्व सभापति पायल सैनी ने कहा कि भवन का लोकार्पण होने से समाजजनों व अन्य समाजजनों को भवन का विवाह समारोह में लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में एडवोकेट आशाराम सैनी एडवोकेट ने महिला शिक्षा पर जोर दिया। कार्यक्रम में चंद्रमोहन सैनी ने कुरीतियों को त्यागने व शिक्षा पर जोर दिया। इस अवसर पर सांवरमल बालाण आदि ने विचार व्यक्त

किए। संस्था के अध्यक्ष विनोद पापटान ने आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में संस्था के सचिव ओम इंदौरिया ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में संस्था के उपाध्यक्ष भंवरलाल बालाण, कोषाध्यक्ष मनोज दहिया, पूर्व अध्यक्ष मदन पंवार, सह.कोषाध्यक्ष अनिल बालाण, सांवरमल पापटान, चंद्रप्रकाश बालाण, भगवानाराम पापटान, चानणमल राकसिया, दिनेश इंदौरिया, पंकज पापटान, मुकेश पंवार, पिरामल, सांवरमल मिस्त्री, आनंद बालाण, चंद्रप्रकाश दहिया, रामचन्द्र इंदौरिया, ओंकारमल बालाण, लीलाधार, सुशीला सैनी, मीरा सैनी, मंजु, धर्मेन्द्र राकसिया, दीपक व दिनेश आदि सैंकड़ों समाजबंधु उपस्थित रहे। इस अवसर पर अतिथियों ने भामाशाहों को शॉल व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। संचालन अनिल बालाण व सुरेश पापटान ने किया।

6 हजार 550 बच्चों को पिलाई पोलियो की खुराक

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निस.)। राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण महाअभियान के तहत उप जिला चिकित्सालय सेक्टर बिजौलियां पर 31 पोलियो बूथ पर 0 से 5 वर्ष के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। पल्स पोलियो सेक्टर प्रभारी डॉ.मनीष सक्सेना ने बताया कि अभियान के प्रथम दिन 7 हजार 300 बच्चों के लक्ष्य में से बूथ,मोबाइल व ट्रांजिट दलों द्वारा 90 फीसदी लक्ष्य हासिल कर 6 हजार 550 बच्चों को खुराक पिलाई गई।आगामी 2 दिन घर- घर जा कर खुराक पिलाई जाएगी।स्थानीय चिकित्सालय में रविवार को जन्मी 2 नवजात शिशुओं को भी जन्म के कुछ समय बाद ही पोलियो की दवा पिलाई गई। चिकित्सालय के बूथ पर डॉ. अंसार खान, डॉ. अंजुम ,डॉ. मुकेश धाकड़, डॉ. मनीष ,प्रभा टेलर आदि ने दवा पिलाईब्लॉक चिकित्साधिकारी डॉ गोपाल यादव ने ब्लॉक के सभी बूथो का निरीक्षण किया।

जवई पाइप लाइन में लीक,मरम्मत कार्य शुरू

सुमेरपुर सहित 25 गांवो में दो दिनों तक जलापूर्ति प्रभावित रहेगी

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(निस.)। साण्डेराव सहित आस-पास ग्रामीण क्षेत्रों के 25 गांवो में सोमवार से 3 दिनों तक पेयजल सप्लाई बंधित रहेगी।जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जवाई पाइप लाइन (डायमीटर 1400 द्वद्व) कीखा के पास लीकेज होने के कारण फिल्टर प्लांट स्कॉर्पियन तथा होमा फिल्टर प्लांट तक पानी की सप्लाई प्रभावित हो गई है। स्थिति को देखते हुए विभाग द्वारा पाइप लाइन की मरम्मत कार्य तुरंत शुरू कर दिया गया है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार,मरम्मत कार्य के चलते स्कॉर्पियन फिल्टर प्लांट से जुड़े गांवों में तीन दिन तक जलापूर्ति बाधित रहेगी। जल संसाधन विभाग ने आम जनों से सहयोग की अपील की है और कहा है कि मरम्मत पूर्ण होते ही जलापूर्ति पुनः सामान्य कर दी जाएगी। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी है।

संस्कार सप्ताह के अंतर्गत चौथे दिवस 'आओ खुशियाँ बाँटें' कार्यक्रम के तहत यज्ञ आयोजन सम्पन्न

जयपुर टाइम्स

कुचामन सिटी(निस.)। संस्कार सप्ताह के अंतर्गत चौथे दिवस 'आओ खुशियाँ बाँटें' कार्यक्रम के तहत आज गायत्री मंदिर में गायत्री परिवार एवं लायंस क्लब कुचामन सिटी द्वारा विधिवत यज्ञ का आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में लायंस क्लब कुचामन सिटी के अध्यक्ष बाबूलाल मान्धनिया, उप प्रान्त पाल श्याम सुंदर मंत्री सहित अन्य पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने श्रद्धा और उत्साह के साथ यज्ञ में सहभागिता की। यज्ञ के दौरान समाज में शांति, सद्भावना, संस्कार एवं सकारात्मकता के प्रसार हेतु विशेष मंत्रोच्चार किए गए। क्लब पदाधिकारियों ने बताया कि संस्कार सप्ताह के ये आयोजन समाज में सेवा, सद्भाव और आध्यात्मिक मूल्यों को सशक्त बनाने का माध्यम हैं।

पुजारी के जागने से मंदिर में चोरी का प्रयास विफल

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निस.)। थाना क्षेत्र के माजी साब का खेड़ा गांव में श्री चारभुजा नाथ मंदिर में बीती रात पुजारी के जाग जाने से चोरी का प्रयास विफल हो गया।जानकारी के मुताबिक तीन अज्ञात चोरों ने गैस कटर और औजारों की मदद से मंदिर का चैनल गेट तोड़ने की कोशिश की। आवाज सुन कर पास ही मकान में रहने वाले पुजारी मुनेश शर्मा के जाग जाने व हल्ला करने से चोर भाग छूटे। गैस कटर के साथ ही औजारों से भरा बैग मंदिर परिसर में ही छोड़ गए।घटना सीसीटीवी में कैद हो गई।

कब होगी सुनवाई? मुख्य सचिव को भेजी परिवेदना सीवर के गंदे पानी के बीच बनी हुई है, रहने की परेशानी अमित जादौन सचिव मुस्कान सोसाइटी

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस.)। नगर परिषद क्षेत्र धौलपुर की 66 कॉलोनीयों की परेशानी सीवर के गंदे पानी के बीच स्द्धड्डह्व की बनी हुई है अधिकारी, राजनेता, रसूखदार और भू-कारोबारी ने जल बहाव क्षेत्र की भूमियों पर कर लिए हैं अतिक्रमण और अवैध निर्माण। पक्के नालों की एक सिरे से दूसरे सिरे तक नहीं कराई जा रही है सफाई सीवर लाइन बंद होने की समस्या बनी हुई है वहीं दूसरी ओर धौलपुर नगर परिषद के मास्टर प्लान पर पिछले 14 वर्ष से नहीं हो रही है कोई कार्यवाही। ऐसे ही अनेक बिंदुओं पर 160 परिवाद अधिकारियों को, राजनेताओं को भेजे गए हैं ऐसा ही एक परिवाद वी श्रीनिवास सचिव डी ए आर पी जी भारत सरकार नई दिल्ली को 17 सितंबर को पत्र क्रमांक 147 से भेजा गया है इस परिवाद में भी 16 बिंदुओं पर विस्तृत परिवेदना 20 पृष्ठों में दस्तावेजों के साथ भेजी गई थी इस परिवाद का भी निस्तारण एक ऐसे भू-अभिलेख निरीक्षक के द्वारा 31 अक्टूबर 2025 को काल्पनिक निस्तारण अंकित करते हुए रिपोर्ट भेज कर किया गया है इस रिपोर्ट में जलबहाव की समस्या के संबंध में राजस्थान सरकार से

बजट प्राप्त होने पर पक्के नालों का निर्माण किया जा सकेगा अंकित किया गया है। काश्तकारी अधिनियम की धारा 177 के तहत बिना भूमि रूपांतरण कराये अवैध निर्माण के संबंध में न्यायालय एसडीओ धौलपुर में प्रकरण दर्ज कराए जाते हैं की जानकारी दी गई है। परंतु यह नहीं बताया गया कि इन प्रकरणों में जो 47 बीघा जमीन सिवाचक दर्ज की गई है उस पर अवैध निर्माण होने से सरकार को जो करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है उसकी जवाबदेही किसकी है। रिपोर्ट में यह भी नहीं बताया गया कि धौलपुर के एसडीओ पिछले 5 सालों में 10 बदल दिए गए है। परंतु नगर परिषद क्षेत्र में पटवारी और गिरदावर को पिछले 15 वर्ष से क्यों नहीं बदले गये हैं। राजस्थान भू -राजस्व भू -अभिलेख नियम 1957 के तहत के नियम 24 (3) की पालना पटवारी से क्यों नहीं कराई जा रही है। राजस्थान सिविल सेवाएं आचरण नियम 1971 के नियम 18 एवं 21 की पालना न करते हुए आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने वाले और पदीय कर्तव्यों का दुरुपयोग करने वाले राजस्व कर्मचारी, अधिकारियों पर कार्यवाही क्यों नहीं की जा रही है। जबकि ऐसे मामले प्रकाश में आते रहे है। जिनकी वजह से किसान एवं आमजन को कोर्ट कचहरी में कोर्ट के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। राजस्थान सरकार की ओर से 21 प्रकरणों में अनियमित खातेदारी दिए जाने पर न्यायालय अतिरिक्त जिला कलेक्टर धौलपुर के यहां रेफरेंस प्रकरण सरकार की ओर से धारा 82 एलआर एक्ट के तहत दर्ज करने पड़े हैं जो कि पिछले कई सालों से धूल चाट रहे हैं। राजस्थान सरकार की मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव एवं भारत सरकार के प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, कानून मंत्री, यहां तक कि राज्यपाल एवं राष्ट्रपति के कार्यालयों के यहां से प्राप्त परिवादों को आरोपित कर्मचारियों से ही रिपोर्ट लेकर किस तरह हवा में उड़ाया जा रहा है। इस पर भी कोई रिपोर्ट अंकित नहीं की गई है । ऐसे में कुशासन का अंत कैसे होगा और सुशासन लाने में अभी और कितने वर्ष लगेंगे यह सोचकर आमजन परेशान बना हुआ है। मोदी जी और भजनलाल की डबल इंजन सरकार है सरकार को भी 2 वर्ष का समय होने जा रहा है समय पर कार्यवाही होने से लोगों का भरोसा सरकार पर बनेगा। पटवारी से लेकर भू अभिलेख निरीक्षक तक की सेवा के दौरान जलबहाव क्षेत्र की भूमिया जो राजस्थान सरकार के स्वामित्व में राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज हैं नहर , नालें , रास्ते या चारागाह एवं सार्वजनिक उपयोग की जन उपयोगी भूमियों को राजस्व रिकॉर्ड में तो देखा जा सकता है परंतु मौके पर उपलब्ध नहीं है अनियमित रूप से अवैधानिक रूप से भू- कारोबारी, राजनेताओं, अधिकारियों और रसूखदारों के संरक्षण में 1000 करोड़ की भूमि का बंदर बांट कर लिये जाने से जलभराव की परेशानी 80000 नागरिकों के लिए खड़ी हो गई, 7000 मकान कभी भी हादसे का कारण बन सकते हैं इन सभी के बीच 66 कॉलोनी के 1364 परिवादियों की परिवेदनाओं का संपूर्ण विवरण मुस्कान समिति धौलपुर की ओर से मुख्य सचिव वी श्रीनिवास को भेज कर परेशानी बताई गई है और निवेदन किया गया है की धौलपुर जिले में व्याप्त भ्रष्टाचार और सरकार को 1000 करोड़ की राजस्व की हानि पहुंचाने वाले नगर परिषद धौलपुर, राजस्व विभाग धौलपुर एवं सिंचाई विभाग धौलपुर की संलिप्तता की जांच राजस्थान सरकार के स्तर से विशेष जांच दल (स्द्बञ्ज) गठित कराया जाकर की जाए भारतीय न्याय संहिता 2023 के अध्याय 12 की धारा 196,197,198 एवं 199 के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराकर प्रभावी कार्यवाही कराई जाए जिससे कुशासन का अंत होने और सुशासन लाने का संकेत आमजन को मिल सके। खजाना खाली होने का रोना पिछली कांग्रेस सरकार अपने कार्यकालों में रोती रही है परंतु खजाने को खाली करने वालों पर कार्यवाही करने के बजाय उनका संरक्षण देने का कार्य हुआ जिसका उदाहरण धौलपुर के नगर परिषद क्षेत्र की 66 कॉलोनी में जल भराव के रूप में देखा जा सकता है । आमजन भ्रष्टाचार के कारण पैदा हुई इस समस्या को भोग रहा है सरकार को समय रहते इस पर प्रभावी कार्यवाही करनी होगी नहीं तो आमजन का जीवन संकट में आ जाएगा। धन्यवाद सचिव अमित जादौन मुस्कान सोसायटी धौलपुर।

किसान के बेटे की बारात निकली 101 ट्रैक्टर पर

जयपुर टाइम्स

कुचामन सिटी (निस.):- लंबी और महंगी गाड़ियों में बारात ले जाने के फैशन के इस दौर में राजस्थान के एक किसान ने अपने बेटे की बारात 101 ट्रैक्टर पर शनिवार को निकाली बारात को जिस किसी ने भी देखा वो आश्चर्यचकित रह गया। जब बारात गुजर गई तब भी लोग चर्चा करते दिखे जहां बड़ी बड़ी और महंगी गाड़ियों और यहां तक कि हेलीकॉप्टर में बारात ले जाने का ट्रेंड है तो वहीं राजस्थान के डीडवाना कुचामन जिले में एक किसान ने अपने बेटे की बारात ट्रैक्टर पर निकाली शनिवार को 101 ट्रैक्टरों के काफिले से साथ बारात निकली जो कि एक किलोमीटर से अधिक लंबा ट्रैक्टरों का काफिला था ट्रैक्टरों पर सवार बारातियों का एक किलोमीटर से लंबा काफिला जहां से भी गुजरा लोग देखते ही रह गए दूल्हा खुद ट्रैक्टर पर सवार होकर बारात के काफिले में सबसे आगे चल रहा था। जब बारात दुल्हन के घर पर पहुंची तो लोग इस अनोखी बारात को देखने के लिए उमड़ पड़े मानों उन्हें अपनी आंखों पर भरोसा ही नहीं हो रहा हो जानकारी के लिए दूलहे के ताऊ बुद्धाराम डोडवाड़ी ने बताया की हिरानी निवासी 22 वर्षीय महेंद्र डोडवाडिया की शादी शनिवार को भैरूपुरा गांव निवासी सुमन के साथ हुई दूल्हा महेंद्र बारातियों के साथ खुद सजे धजे ट्रैक्टर पर करीब 11 किलोमीटर दूर ससुराल पहुंचा एक किलोमीटर से ज्यादा लंबी ट्रैक्टरों पर निकली इस बारात को देखकर हर कोई हैरान था सभी उत्सुकतावश

बारात की जानकारी इकट्ठा करते दिखे दूल्हे महेंद्र ने बताया कि मैं किसान परिवार से हूँ और ट्रैक्टर किसान की पहचान है इसलिए 101 ट्रैक्टरों पर बारात निकाली महेंद्र की शादी भैरूपुरा गांव निवासी सुमन के साथ हुई है दूल्हे के पिता किसान दयाल राम डोडवाडिया ने बताया कि खेती बाड़ी का काम करते हैं और धरती पुत्र किसानों की ट्रैक्टर पहचान है इसके साथ ही बेटे की बारात में किसान साथियों को ले जाना था इसलिए किसान अपने ट्रैक्टरों के साथ बारात में शामिल हुए उन्होंने बेटे की बारात ट्रैक्टर पर ले जाने का पहले से ही सोच रखा था।

राजाखेड़ा क्षेत्र के ग्राम बाबरपुर वासियों ने दिया एसडीएम को ज्ञापन

ग्राम को यथावत रखने की मांग मतदान के बहिष्कार की चेतावनी

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस.) राजाखेड़ा क्षेत्र के ग्राम पंचायत देव खेड़ा के अंदर आने वाले ग्राम बाबरपुर के निवासियों ने उपखंड अधिकारी राजाखेड़ा के नाम विज्ञापन सौपा है ग्राम वासियों ने ज्ञापन में लिखा है कि पंचायत के परमिशन में प्रथम चरण में ग्राम पंचायत देव खेड़ा के अंदर हमारे गांव बाबरपुर कोएथावत रखा गया था परंतु परिसीमन के जो पंचायत की लिस्ट जारी की गई है उसमें हमारा ग्राम बाबरपुर जो बजाना ग्राम पंचायत में जोड़ा गया है उसको बढ़ने से हटा करके यह एथावत देवखेडा पंचायत में रखने की मांग की गई है यदि ऐसा नहीं हुआ तो हम सभी ग्रामवासी आगे मतदान का बहिष्कार करेंगे जिसकी जिम्मेदारी शासन एवं प्रशासन की होगी ज्ञापन देने वालों में गिर्राज सिंह ठाकुर पंचायत समिति सदस्य ठाकुर राम भरोसी राघव अबीर सिंह गुलाब सिंह रोशन सिंह यशपाल सिंह रामकिशोर प्रदीप मोहर सिंह गुल्लू रामकिशोर छोटेलाल हरेंद्र सिंह फौजी वह अन्य काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

सड़क दुघर्टनाओं की रोकथाम एवं आमजन की सुरक्षा के लिए धौलपुर शहर के सबसे व्यस्ततम मचकुंड चौराहे पर हाईवे क्रॉसिंग को आज से किया गया बंद

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस.) शहर के सबसे व्यस्ततम मचकुंड चौराहे पर हाईवे क्रासिंग के समय होने वाली सड़क दुघर्टनाओं के मद्देनजर जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने यातायात पुलिस के माध्यम से मचकुंड चौराहे पर हाईवे को घंटाघर की तरफ से मचकुंड रोड एवं मचकुंड रोड से घंटाघर रोड की तरफ वाहनों के आवागमन को पूर्णतया बंद करा दिया है। मचकुंड चौराहे में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों में कमी लाने सहित यातायात नियमों की पालना को लेकर ये कदम उठाया गया है। यहां पर पैदल राहगीर फुट ब्रिज के माध्यम से आवागमन कर सकते हैं। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने बताया है कि पिछले कुछ समय से ऐसा प्रतीत हो रहा था कि कई लोग तेज गति से वाहन चलाकर हाईवे पार कर जाते हैं। इसके चलते कई बार हादसे होते हैं। जिसके कारण लोगों की मौत हो जाती है, तो कई वाहन चालक गंभीर घायल हो जाते हैं। इसलिए मचकुंड चौराहे पर आज से हाईवे को क्रास करने को बंद किया गया है। इसके लिए निम्नलिखित व्यवस्था की गई है। धौलपुर शहर से घंटाघर की तरफ से हाईवे क्रॉस कर मचकुंड जाने वाले वाहन सागरपाडा से पहले ओवर ब्रिज के नीचे बने अंडरपास से मुडकर मचकुंड रोड जा सकते हैं। मचकुंड रोड से घंटाघर की तरफ जाने वाले वाहन गुलाब होकर घंटाघर रोड पर जा सकते हैं। पैदल घंटाघर रोड एवं मचकुंड रोड पर आवागमन करने वाले राहगीर हाईवे के ऊपर बने फुट ब्रिज का कर सकते हैं इस्तेमाल।

मुनि श्री विलोक सागर मुनि श्री विबोध सागर जी महाराज का

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस.) नगर में भव्य मंगल प्रवेश। दिनांक 25 नवंबर प्रातः 8 बजे आर्जवसागरजी महाराज के परम प्रभावक शिष्य निर्यापक श्रमण मुनिश्री विलोकसागरजी महाराज एवं मुनिश्री विबोधसागरजी महाराज का मंगल पद विहार बड़े जैन मंदिर मुरैना मध्य प्रदेश से धौलपुर की ओर चल रहा परम पूज्य गुरुदेव, युगल निर्यापक श्रमण मुनिश्री विलोक सागरजी एवं मुनिश्री विबोध सागरजी महाराज का मंगलवार 25 नवंबर को प्रातः8 बजे चम्बल पुल के रास्ते धौलपुर में भव्य मंगल प्रवेश होगा सकल जैन समाज धौलपुर द्वारा जिले की सीमा चम्बल पुल पहुंच कर भव्य आगवानी की जाएगी। धौलपुर जैन समाज के अध्यक्ष धनेश जैन के अनुसार पूज्य गुरुदेव अपने साथियों के साथ मंगलवार को सुबह 8:00 बजे चंबल पुल के रास्ते धौलपुर में प्रवेश करेंगे परम पूज्य गुरुदेव संसघ पैदल विहार करते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 44 ,जलदाय विभाग चौराहा, गुलाब बाग चौराहा से होते हुए पुरानी सब्जी मंडी स्थित जैन मंदिर पहुंचेंगे वहां उनके प्रवास रहेगा जैन समाज के अध्यक्ष धनेश जैन ने प्रशासन एवं नगर परिषद से समुचित सुरक्षा व्यवस्था एवं पदयात्रा मार्ग में लाइनिंग एवं साफ सफाई करने का अनुरोध किया है।

उपराष्ट्रीय पल्स पोलियो महाअभियान के तहत 0-5 वर्ष के बच्चों को पिलाई जा रही पोलियो दवा

जयपुर टाइम्स

फुलेरा (राजकुमार देवाल)(निस.)। उपराष्ट्रीय पल्स पोलियो महाअभियान के अंतर्गत सांभर लेक खंड में 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाने का कार्य सतत रूप से जारी है। खंड के विभिन्न चिकित्सा संस्थानों, विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन सहित सार्वजनिक स्थलों पर कुल 243 बूथों के माध्यम से दवा पिलाई जा रही है। ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ. राज चौधरी ने बताया कि आज बूथ डे पर व्यापक स्तर पर टीमें तैनात की गई हैं। वहीं सोमवार को घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को दवा पिलाने का विशेष अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी स्वास्थ्यकर्मियों को निर्देशित किया गया है कि घर-घर अभियान के दौरान पोलियो दवा पिलाने के साथ-साथ सरकार द्वारा संचालित मतदाता सूची (SIR) अद्यतन के लिए भी लोगों को प्रेरित किया जाए। अभियान में नोडल अधिकारी डॉ. जावेद अख्तर की देखरेख में नर्सिंग ऑफिसर कैलाश वर्मा, ताराचंद, संतोष, मनोहर, गीता रणवा, संजू कुल्हरी, मालती गोठवाल सहित एएनएम व

पर्यवेक्षक टीमें सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। अभियान को प्रोत्साहन देने के लिए नाक, कान, गला रोग विशेषज्ञ (ईएनटी विशेषज्ञ) डॉ. अमित शर्मा ने भी अपनी पुत्री को पोलियो की दवा पिलाकर समाज को संदेश दिया कि हर बच्चे को यह खुराक अवश्य दिलानी चाहिए।

'नो-बैग डे' के तहत बालिका विद्यालय धौलपुर में कई गतिविधियों का हुआ आयोजन

जयपुर टाइम्स

धौलपुर,(निस.) 'नो-बैग डे' के तहत शनिवार को स्कूलों में कई गतिविधियों का आयोजन किया जाता है जिसका उद्देश्य छात्रों को बस्तों के बोझ से राहत देना और उन्हें अनुभवात्मक, रचनात्मक और समग्र विकास की ओर ले जाना है। इसी क्रम में राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय धौलपुर में प्रधानाचार्य अर्चना मिश्रा के नेतृत्व में राज्य पुरस्कृत उप प्राचार्य भगवान सिंह मीना ने इन गतिविधियों में कला, शिल्प, खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सामाजिक-नैतिक मूल्यों पर आधारित सत्र का आयोजन कर विद्यार्थियों को लाभान्वित किया। इसकी थीम 'राजस्थान को पहचानो' पर आधारित एक गतिविधि भी आयोजित की गई, जिसमें बच्चों को राज्य की संस्कृति से जोड़ा गया। विद्यार्थियों को वाचनालय की कहानी आदि की किताबें वितरित की गई जिन्हें पाकर बच्चे खिलखिला उठे। उप प्राचार्य भगवान सिंह मीना ने बताया कि शनिवार की गतिविधियों में रचनात्मक और कलात्मक गतिविधियाँ जिनमें बच्चों को कोलाज बनाने, चित्र बनाने और मॉडल तैयार करने जैसी गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। खेल खेल में शिक्षा हेतु गणित एवं अन्य विषयों को रोचक ढंग से पढ़ाया गया। खेल और स्वास्थ्य से संबंधित शारीरिक विकास के लिए खेलकूद प्रतियोगिताएं और योग अभ्यास आयोजित किए गए। सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रन जिनमें देशभक्ति गीत, नृत्य, गायन, क्विज़ और निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिससे छात्रों में सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ी। व्यक्तिगत और कौशल विकासः छात्रों को व्यक्तिगत विकास, नेतृत्व और सामाजिक कौशल सिखाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। व्यावहारिक और अनुभवात्मक शिक्षा के तहत क्षेत्र भ्रमण (जैसे महत्वपूर्ण स्थानों की यात्रा) और व्यावसायिक प्रशिक्षण भी शामिल किए जाते है। थीम-आधारित गतिविधियाँ को अलग-अलग थीम दी जाती हैं, जैसे 'राजस्थान को पहचानो ', जिसके तहत बच्चों को राज्य की संस्कृति और पहचान के बारे में सिखाया जाता है।इस अवसर पर स्कूल स्टाफ के उप प्राचार्य मंजू जादौन, उपमा शर्मा, सुनीता शर्मा, शालिनी श्रीवास्तव,बबिता गर्ग,मनोज कुमार झा, वीर सिंह टांक,अनुपम पाराशर,रेखा शर्मा गीता शर्मा, रचना मीना, नीतू अग्रवाल, राधा गर्ग,अनिल कुमार मीणा,बृजेंद्र सिंह किरार,अंजना मोदी, ममता दीक्षित,सुनीता कुमारी,बेबी असमा, नृपेंद्र यादव,प्रवीण फौजदार सहित अन्य मौजूद थे।

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, सोमवार
24 नवम्बर, 2025

मतदाता सूची में साधारण जानकारी के आधार पर नाम खोजने का मिला विकल्प

भारत निर्वाचन आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत प्रदान की सुविधा

जयपुर में 55 फीसदी से अधिक परिगणना प्रपत्रों का हुआ डिजिटलीकरण

जिला निवार्चन अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी कर रहे निरंतर मॉनिटरिंग

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा पूर्व विशेष गहन पुनरीक्षण की मतदाता सूची में अब साधारण जानकारी के आधार पर नाम खोजने का विकल्प मुहैया करवाया गया है, जिससे मतदाताओं को अपना नाम खोजने और परिगणना प्रपत्र भरने में और अधिक सहजता मिलेगी। जयपुर जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत परिगणना कार्य प्रगति पर है। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी निरंतर कार्यक्रम की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी मेघराज मीणा ने बताया कि 26 लाख 52 हजार 687 यानी 55 फीसदी से अधिक परिगणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि बस्सी विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 76 हजार 275, शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 77 हजार 614, चौमूं विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 87 हजार 892, चाकसू विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 67 हजार 805, दूदू विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 82 हजार 662, फुलेरा विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 81 हजार 21, आमेर विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 657, जमवारामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 55 हजार 962, हवामहल विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 37 हजार 187 परिगणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है। साथ ही उन्होंने बताया कि किशनपोल विधानसभा क्षेत्र में 92 हजार 39, आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 26 हजार 919, झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 5 हजार 185, बगरू विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 67 हजार 804, सिविल लाइन्स विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 9 हजार 140, मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र में 95 हजार 591, सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 48 हजार 759 एवं विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 40 हजार 175 परिगणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम घोषित किया गया है। इसके तहत जिले में 04 नवंबर से 04 दिसंबर तक परिगणना चरण का संचालन किया जा रहा है। इस चरण में परिगणना प्रपत्रों का वितरण, संग्रहण एवं डिजिटलीकरण सतत रूप से किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि निर्वाचन विभाग द्वारा साथ ही मतदाताओं को सुविधा प्रदान करने हेतु ऑनलाइन विकल्प भी उपलब्ध कराया गया है। मतदाता स्वयं अपना परिगणना प्रपत्र https//voters.eci.gov.in/ पर जाकर अथवा प्रदान किए गए QR Code को स्कैन कर ऑनलाइन भर सकते हैं।

आर्य समाज समिति के चुनावः अशोक कयाल प्रधान, अतुल अग्रवाल संरक्षक बने

जयपुर टाइम्स

सांभरलेक(निसं.) कस्बे के आर्य समाज भवन में आर्य समाज समिति की साधारण सभा रविवार को आयोजित की गई। मंत्री डॉ ज्ञानप्रकाश दायमा ने समिति का वार्षिक प्रतिवेदन व आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। आर्य समाज की कार्यकारिणी का चुनाव जीववर्धन शास्त्री, मंत्री आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान जयपुर व डॉ संदीपन कुमार आर्य, अंतरंग सदस्य आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान जयपुर के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ।कार्यकारिणी में अशोक कयाल प्रधान, डॉ .ज्ञान प्रकाश दायमा मंत्री, तेजपाल प्रजापत कोषाध्यक्ष, क़ानूनी सलाहकार, निर्मल शर्मा उपप्रधान, संजय तोषनीवाल व राहुल अग्रवाल उप मंत्री, द्वारका प्रसाद सोनी, पुस्तकालयाध्यक्ष, पवन अग्रवाल भंडार प्रभारी, नितेश गोयल, द्वारका प्रसाद सोनी आर्य वीर दल अधिष्ठाता, त्रिलोक सैनी, मनीष प्रजापत, मनीष कुमावत, नन्दकिशोर सामरिया, रवि शंकर सांभरिया, एडवोकेट लक्ष्मणसिंह, किरण बंजारा व घनश्याम जांगिड अन्तरंग सदस्य के रूप में निर्विरोध चुने गए।संरक्षक पद पर अतुल अग्रवाल का चयन किया गया। निर्वाचित पदाधिकारियों व सभी सदस्यों को चुनाव अधिकारी ने शपथ दिलवाई। सभा के अंत में प्रधान अशोक क़याल ने उपस्थित आर्य सभासदों व चुनाव अधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया और सभी निर्वाचित पदाधिकारियों व सदस्यों को पूरे मनोबल व ऊर्जा से आर्य समाज की गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिये प्रेरित किया।

बीएलओ जाखड़ ने शत प्रतिशत एसआईआर सर्वे पूरा किया

जयपुर टाइम्स

रावतसर(निसं.) ग्राम पंचायत रावतसर के भाग संख्या 237 के बीएलओ लक्ष्मण सिंह जाखड़ ने केन्द्र सरकार द्वारा जारी एसआईआर सर्वेक्षण के तहत अपने बूथ का शत प्रतिशत कार्य तय समय से पहले पूरा कर लिया गया है। जाखड़ के शत प्रतिशत कार्य की अधिकारियों ने सराहना की है।

प्रेमसागर बीएलओ ने 99.58' सर्वे पूरा किया

910 वोट में से 906 का सर्वेक्षण पूरा किया

जयपुर टाइम्स

रावतसर(निसं.) ग्राम पंचायत प्रेमसागर के बीएलओ ने एसआईआर सर्वेक्षण का कार्य 99.58' पूर्ण कर लिया है। गौरतलब है कि बीएलओ सुरजीत सिंह पंवार के पास प्रेमसागर राजस्व गांव के कुल 910 वोट थे, और अकेले बीएलओ पर जिम्मेदारी थी लेकिन बीएलओ पंवार ने तय समय से पहले 99.58' कार्य पूरा कर दिया है। 910वोट में से 906 वोटरों का सर्वेक्षण कार्य पूरा कर लिया गया है।

एक दिवसीय पशु चिकित्सा एवं बांझ निवारण शिविर का आयोजन

जयपुर टाईम्स

चाकसू(निसं.) चाकसू उपखंड क्षेत्र के ग्राम शक्कर खावदा में रविवार 23 नवम्बर को पशुपालन विभाग एवं महावीर इंटरनेशनल पिंकसीटी जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय पशु चिकित्सा एवं बांझ निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर प्रभारी डॉ आर सी बैरवा एवं डॉ संजय कुमार मीणा बहुदेशीय पशु चिकित्सालय चाकसू ने बताया कि शिविर में 142 बड़े पशु चिकित्सा 65 पशुओं की बांझ निवारण, 150 पशुओं के खुरपका- मुहपका का टीकाकरण एवं 1065 छोटे पशुओं को दवा पिलाना एवं दवा छिड़काव किया गया। शिविर में डॉ अनिता मीणा, डॉ विजयप्रकाश सैनी, डॉ निर्मल दाधीच, दयाशंकर प्रजापति, पशुधन प्रसार अधिकारी, मानदाता वर्मा, सेवानिवृत्त विमल कुमार गुप्ता एवं अन्य कर्मचारियों ने अपनी सेवायें दी गई।

गोदारा बाड़मेर, फकीर जैसलमेर और मेगवाल बालोतरा कांग्रेस जिलाध्यक्ष

जयपुर टाईम्स

रावतसर(निसं.) शनिवार को आल इंडिया कांग्रेस कमेटी ने राजस्थान में कांग्रेस के नवनियुक्त कांग्रेस जिलाध्यक्षों की घोषणा कर दी है। आदेश में बाड़मेर जिले से प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव लक्ष्मण सिंह गोदारा को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है वहीं जैसलमेर से अमरदीन फकीर और बालोतरा से बाड़मेर की पूर्व जिला प्रमुख प्रियंका मेगवाल को जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया।

माचेड़ा में अतिक्रमण हटाने व सेक्टर रोड खुलवाने को लेकर बैठक, मास्टर प्लान 2002 के अनुसार विकास की मांग

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। माचेड़ा क्षेत्र में लंबे समय से सेक्टर रोडों पर हो रहे अतिक्रमण और अव्यवस्थित विकास को लेकर स्थानीय नागरिक अब संगठित रूप से पहल करने लगे हैं। इसी क्रम में संयुक्त समन्वय विकास समिति माचेड़ा की ओर से एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें कॉलोनियों की सभी सेक्टर रोडों को अतिक्रमण मुक्त करवाने और उन्हें मास्टर प्लान 2002 के अनुसार विकसित करने पर आम सहमति बनी। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि माचेड़ा क्षेत्र तेजी से आबाद हो रहा है, लेकिन नियोजित विकास एवं मूलभूत सुविधाओं के अभाव में आमजन को रोजाना आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कई सेक्टर रोडों पर अवैध निर्माण एवं अतिक्रमण के कारण एंबुलेंस, स्कूल बसें और अन्य आवश्यक वाहन भी सुगमता से नहीं निकल पाते, जो भविष्य में बड़ी समस्या का रूप ले सकता है। समिति सदस्यों ने तय किया कि क्षेत्र की सभी सेक्टर रोडों का संयुक्त सर्वे कर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाए, जिसमें अतिक्रमण से प्रभावित मार्ग, अवरुद्ध सेक्टर रोड और मास्टर प्लान 2002 में स्वीकृत चौड़ाई एवं दिशा का उल्लेख रहे। इस रिपोर्ट को स्थानीय पार्षद, नगर निगम, विकास प्राधिकरण एवं संबंधित विभागों को सौंपकर शीघ्र कार्यवाही की मांग की जाए। बैठक में भाजपा मंडल उपाध्यक्ष महेंद्र सिंह ओला, पूर्व मंडल अध्यक्ष विजय शर्मा, भवानी शर्मा, पार्षद किशनलाल अजमेरा, बंसीलाल बसेरा, जयपुर टाइम्स के प्रधान संपादक रामेश्वरलाल जाट, सुरेंद्र चौधरी, रामनिवास, सुरेंद्र भाटी, भंवरलाल कुमावत, शेरसिंह चाहर, सीताराम जांगिड़ सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंत में यह निर्णय लिया गया कि यदि समयबद्ध अवधि में संबंधित विभागों द्वारा ठोस कार्रवाई नहीं की जाती है, तो समिति चरणबद्ध आंदोलन, ज्ञापन अभियान और जनसुनवाई जैसे शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक माध्यमों से अपनी बात मजबूती से उठाएगी, ताकि माचेड़ा क्षेत्र को नियोजित एवं अतिक्रमण मुक्त बनाया जा सके।

पेड़ धरती मां के श्रृंगार है हमें इनका संरक्षण करना चाहिएः मदन दिलावर

जयपुर टाइम्स

कुचामन सिटी(निसं.) कुचामन सिटी के बरगद संरक्षण फाउंडेशन द्वारा शाकंभरी माता मंदिर मार्ग पर विकसित बरगद वाटिका के लोकार्पण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर रहे। उन्होंने बरगद संरक्षण फाउंडेशन द्वारा रिंग रोड एवं खारिया हिरानी में विकसित विभिन्न पौधारोपण अभियानों का निरीक्षण किया और नवाचारों को जाना। तत्पश्चात शाकंभरी माता मार्ग स्थित बरगद वाटिका का फीता काट कर लोकार्पण किया और उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि पेड़ पौधे धरती माता के श्रृंगार है। प्रत्येक व्यक्ति को प्रति वर्ष 10 पेड़ लगाने चाहिए तथा इनका संरक्षण करना चाहिए। उन्होंने फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे कार्य को अनुकरणीय बताया। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला प्रमुख भागीरथ चौधरी, उपखंड अधिकारी विश्वामित्र मीणा, नगर परिषद आयुक्त शिकेश कांकरिया, सभापति सुरेश सिखवाल, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन परिषद भारत सरकार के निदेशक डॉ सोहन चौधरी, जवाहर फाउंडेशन से सी ए संदीप जेथलिया, अशोक महेश्वरी, राजा राम प्रजापति आदि उपस्थित रहे। बरगद संरक्षण फाउंडेशन के निदेशक नेताराम कुमावत, लायंस क्लब कुचामन फोर्ट के संस्थापक अध्यक्ष राम काबरा, रोहन टॉक, गंगाराम कुमावत, तुलसीराम, चेनाराम ने सभी अतिथियों का अभिनंदन किया। जीएसटी इंस्पेक्टर राजेश कुमावत ने बरगद फाउंडेशन द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी। । भामाशाह अशोक महेश्वरी, सुनील केजरीवाल, शिवरतन न्याति को मोमेंट प्रदान कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में महावीर इंटरनेशनल के अध्यक्ष रामावतार गोयल, मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष मोहम्मद शकील, रूपाराम, राजा, प्रभु, मनोज, विष्णु मोयल, नेमाराम, बनवारी, नटवर आदि कार्यकर्ता तथा ज्योतिबा फुले छात्रावास एवं राजकीय कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास के विद्यार्थियों सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं पंचायती राज के अधिकारी उपस्थित रहे। मंच संचालन प्रधानाचार्य लक्ष्मण शर्मा ने किया।

उप जिला प्रमुख ताराचंद धायल के जन्मदिवस पर आयोजित रक्तदान शिविर में 2516 यूनिट रक्त संग्रहित

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। उप जिला प्रमुख ताराचंद धायल के जन्मदिवस पर रविवार को के तत्वावधान में आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में क्षेत्र के युवाओं में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला। सेवा, समर्पण और मानवता के इस महाअभियान में लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कुल 2516 यूनिट रक्त संग्रहित कर एक नया रिकॉर्ड बनाया। सुबह 9 बजे रॉयल पैलेस, नवलगढ़ रोड, सीकर में शिविर की शुरुआत होते ही बड़ी संख्या में युवा, सामाजिक कार्यकर्ता एवं आमजन रक्तदान के लिए पहुँचने लगे। कतारें लंबी होती गईं और माहौल 'एक यूनिट रक्त–कई जीवन सुरक्षित' के संदेश से गूंज उठा। रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाने के लिए रक्तदाताओं की टीम, स्थानीय स्वयंसेवक और चिकित्साकर्मी लगातार व्यवस्था संभालते रहे। रक्तदान शिविर में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया, पूर्व मंत्री एवं सीकर विधायक राजेंद्र पारीक, धोद विधायक गोवर्धन, वर्मा अतिरिक्त जिला कलेक्टर रतनलाल स्वामी, पूर्व विधायक नंदकिशोर महरिया, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष महेश शर्मा, गजानंद कुमावत, मंडी के पूर्व अध्यक्ष बाबू सिंह बाजोर, पाटन प्रधान सुवा लाल सैनी, नीमकाथाना प्रधान वीरेंद्र यादव, जिला परिषद सदस्य कानाराम जाट सहित राजनेता, प्रशासनिक अधिकारियों और अनेक सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी ने शिरकत कर युवाओं का हौसला आप जारी किया एवं रकदाताओं को प्रमाण पत्र प्रदान की रक्तदान शिविर में युवाओं के साथ महिलाओं और युवतियों ने भी उल्लेखनीय उत्साह दिखाया, जिससे शिविर में एक सकारात्मक और प्रेरणादायक वातावरण बना रहा। शिविर में पहुंचे प्रतिभागियों ने कहा कि ताराचंद धायल के जन्मदिन को सेवा के रूप में मनाना समाज के लिए एक प्रेरक पहल है। कई युवाओं ने पहली बार रक्तदान किया और इसे अपने जीवन का यादगार क्षण बताया। शिविर में श्री कल्याण चिकित्सालय एवं मेडिकल कॉलेज के रक्त बैंक से आई टीम के मैनेजर एवं इस शिविर में रक्त बैंकों के बीच समन्वयक का काम कर रहे सत्येंद्र कुड़ी ने बताया कि कुल 2516 रक्त यूनिट कुल दस रक्त बैंकों द्वारा एकत्रित की गई। इन रक्त बैंकों में श्री कल्याण रक्त बैंक, एस एम एस, दुर्लभ जी हॉस्पिटल आदि सहित 10 से ज्यादा प्रमुख ब्लड बैंक थे। एसआरबीडी लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर सीए मुकेश खेदड़ ने बताया कि समाज सेवा हमेशा से हम सब की प्राथमिकता रही है और आने वाले समय में भी ऐसे जनहितकारी आयोजन लगातार किए जाते रहेंगे। कार्यक्रम के अंत में 2516 यूनिट रक्त संग्रहित किया जाकर एक एतिहासिक रिकॉर्ड बनाया है। यह उपलब्धि न केवल सीकर बल्कि पूरे शेखावाटी के लिए गर्व का विषय है।

श्री क्षत्रिय घांची समाज बांकली द्वारा सामूहिक विवाह संपन्न

तीसरा सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित सात जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(निसं.)। श्री क्षत्रिय घांची समाज बांकली द्वारा तीसरा सामूहिक विवाह सम्मेलन रविवार को संपन्न हुआ जिसमें समाज के सात जोड़े परिणय सूत्र में बंधे और एक दूसरे के जीवन साथी बने। इस अवसर पर समाज की पंच प्रमुख के साथ युवक युवतियों एवं महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन स्थित देवी बाई भवन बांकली में विधि विधान एवं मंत्रोच्चार तथा रीति रिवाज के अनुसार धूमधाम ढोल धमाकों के साथ वर वधु ने सात फेरे लिए। आयोजित विवाह सम्मेलन में घांची समाज के वर वधु के साथ बारात लेकर बांकली गांव पहुंचे जहां सामूहिक विवाह समिति के पदाधिकारी ने सभी का गर्मजोशी से स्वागत किया,और विवाह की रस्में अदा की। गणेश पूजा तोरण रस्म के दौरान दूल्हा सवरी मंडप में पहुंचे जहां सभी ने एक साथ फेरे खाकर परिणय सूत्र में बंधे। उसके बाद आशीर्वाद समारोह आयोजित किया गया जिसमें वर वधु को उपहार भेट किया गया। इस आयोजन में समाज के अधिकारी,नेता जनप्रतिनिधिगण एवं भामाशाह उपस्थित रहे जहां सभी का स्वागत अभिनंदन किया गया।

नेक कमाई की पहल ने दी गरीबी से जुड़ी कन्याओं को जीवन की सबसे बड़ी खुशी

नारी सशक्तिकरण और बाल शिक्षा पर रोटरी कलब अलवर आएगा आगे

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। नेक कमाई फाउंडेशन की ओर से डा. गोपाल रॉय चौधरी ट्रस्ट के सहयोग से रिवाज रिसोर्टस में पांच बेटियों का कन्यादान किया गया। इसके साथ ही नेक कमाई अब तक 298 कन्यादान कर चुका है। कन्यादान कार्यक्रम की शुरूआत रोटरी कलब अलवर की अध्यक्ष बबीता खंडेलवाल और उनकी कार्यकारिणी ने गणेश जी की प्रतिमा के आगे द्वीप प्रज्वलन करके की। कार्यक्रम में संरक्षक दौलत राम हजरती ने बताया कि सर्दियों के दिनों में नेक कमाई की ओर से कंबल, स्वेटर और गर्म टोपियों का वितरण होगा। नेक कमाई की ओर से नारी सशक्तिकरण के लिए कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं जिनमें बयूटी पार्लर, सिलाई और आर्ट एंड क्राफट की ट्रेनिंग मुख्य है। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम संयोजक रेखा महलावत, सोनिका अरोड़ा, प्रवीन बत्रा, पायल प्रधान, प्रतिभा सिंह, नितिन भारतीय, कमला यादव, गंगा वधावन और कृष्ण कांत खंडेलवाल ने किया। चिकित्सा सेवा सम्मान डा. के.पी. सिंह को मुख्य कोर्डिनेटर अभिषेक तनेजा ने कहा कि कार्यक्रम में चिकित्सा के साथ सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहने पर चिकित्सा सेवा सम्मान डा. के.पी. सिंह और उनकी पत्नी चिकित्सक डा. बलबीर कौर को प्रदान किया गया। मार्गदर्शक सुरेश गुप्ता हुंडी वाले ने सम्मान पत्र पढ़ा और बधाई दी। यह सम्मान रोटरी कलब की अध्यक्ष बबीता खंडेलवाल और मत्स्य विश्वविद्यालय के सहायक कुल सचिव डा. आशुतोष शर्मा ने प्रदान किया। कार्यक्रम में रेखा महलावत ने आभार जताया। कार्यक्रम में रोटरी कलब अलवर की पहली बार महिला अध्यक्ष बनने पर नारी शक्ति सम्मान से अध्यक्ष बबीता खंडेलवाल को प्रदान किया गया। कार्यक्रम में रोटरी कलब अलवर की नीतू खंडेलवाल, अनू मितल, शिप्रा वर्मा, सरोज गुप्ता और नीलू जैन भी थे।

जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक सुराणा ने वीसी के जरिए एसआईआर- 2026 को लेकर सभी ईआरओ को दिए निर्देश

चूरू(निसं.) जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक सुराणा ने रविवार को डीओआईटी वीसी सभागार में वीसी के जरिए एसआईआर–2026 को लेकर प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी ईआरओ को समुचित निर्देश दिए। उन्होंने सभी ईआरओ को परिगणना प्रपत्रों को संग्रहित एवं डिजिटाईजेशन कार्य में अपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी ईआरओ से कहा कि अपने विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं को आवश्यक रूप से गणना प्रपत्र भरने के लिए जागरूक करें तथा जानकारी दें कि कोई भी मतदाता दो अलग-अलग स्थानों से दो गणना प्रपत्र नहीं भरे, यह दण्डनीय अपराध है तथा ऐसा करने पर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा-31 के तहत सजा और जुर्माने की कार्यवाही की जा सकती है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्वेता कोचर ने एसआईआर–2026 अंतर्गत प्रचार–प्रसार, मतदाता जागरूकता गतिविधियों को लेकर निर्देश दिए।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।